हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 18.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 174 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

बिहार के मधेपुरा में सड़क दुर्घटना, कार सवार 4 युवकों की मौत

मधेपुरा : बिहार के मधेपुरा जिले से शनिवार सुबह मधेपुरा-वीरपुर नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार हाइवा और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजली कार्यालय और बीएन मंडल यूनिवर्सिटी के समीप घटित हुआ। जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के कोहरे और अंधेरे के दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और हाइवा के नीचे जा घुसा। कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहल गए। सुबह-सुबह घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत सदर थाना पुलिस और एंबुलेंस को जानकारी दी गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाला गया । पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। एक मृतक सोनू कुमार और दूसरा साहिल राज पिता सुबोध कुमार साह वार्ड-13 मस्जिद चौक मधेपुरा का निवासी था।

मालदा में पीएम ने किया 3250 करोड़ की रेल व सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

बंगाल के लोगों का भला तृणमूल के जाने और भाजपा के आने पर निर्भर : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बंगाल के लोगों का भला तृणमूल के जाने और भाजपा के आने पर निर्भर है। तृणमूल कांग्रेस के जाने से गुंडागर्दी और गरीबों को डराने-धमकाने की राजनीति समाप्त होगी। इसके लिए बंगाल की जनता को घुसपैठियों और सत्ताधारी दल के गठजोड़ को तोड़ना ही होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में एक राजनैतिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर जनसांख्यिकी बदलाव का मुद्दा उठाया और इसे बंगाल के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ रहा है। कई जगहों पर रोजाना की बोलचाल की भाषा बदलने लगी है। भाषा और बोली में फर्क साफ दिखने लगा है। घुसपैठियों की बढ़ती आबादी के कारण मालदा और मुर्शिदाबाद सहित पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों दंगे होने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास दिलाया

कि भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ और घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के विकसित और समृद्ध देश भी अपनी जगह से घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल से भी घुसपैठियों को बाहर निकालना बहुत जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारा देश 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण के लिए पूर्वी भारत का विकास बहुत जरूरी है। दशकों तक पूर्वी भारत को नफरत की राजनीति करने वालों ने जकड़ कर रखा था। भाजपा ने इन राज्यों को नफरत की राजनीति करने वालों के चंगुल से मुक्त किया है।

भाजपा नेता ने कहा कि देश की जनता लगातार भाजपा पर भरोसा जता रही है। जनता भाजपा के विकास के मॉडल को चाहती है। इसी कारण ओडिशा, त्रिपुरा, असम और कुछ दिन पहले बिहार में भाजपा-राजग की सरकार बनी। यानी बंगाल की हर दिशा में भाजपा की सुशासन वाली सरकार है। अब बंगाल में सुशासन की बारी है। उन्होंने कहा, पूर्वी राज्यों का विश्वास, अगर किसी के साथ है, तो उस पार्टी का नाम है भाजपा।

उन्होंने कहा, जहां-जहां सालों साल तक भाजपा को लेकर झूठ बोला गया, अफवाहे फैलाई गई, वहां भी अब मतदाता हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। आज मैं आपका उत्साह देखकर पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इस बार बंगाल के लोग भी भाजपा को विजयी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि देश का युवा भाजपा के विकास के मॉडल पर विश्वास करता है। कल ही महाराष्ट्र में शहरी निकाय चुनावों के नतीजे आए हैं, जिसमें भाजपा को ऐतिहासिक जीत प्राप्त हुई है। महाराष्ट्र की राजधानी और दुनिया के सबसे बड़े नगर निगमों में से एक बीएमसी में पहली बार भाजपा को रिकॉर्ड जीत मिली है।

वंदे भारत ट्रेन मां काली की धरती को मां कामाख्या की धरती से जोड़ेगी : मोदी

माल्दा : प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कहा कि आज पश्चिम बंगाल में रेलवे के विकास को नई गति और नये आयाम मिले हैं। एक तरफ जहां हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग में शुरू हुई देश की यह पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, मां काली की धरती को, मां कामाख्या की भूमि को जोड़ रही है। वहीं पश्चिम बंगाल को चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से देश के उत्तरी, दक्षिणी एवं पश्चिमी हिस्सों से नयी कनेक्टिविटी मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के माल्दा टाउन रेलवे स्टेशन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सहित विभिन्न रेलवे एवं सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद समारोह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शांतनु ठाकुर, सुकांता मजूमदार, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, संसद सदस्य शॉमिक भट्टाचार्य, खगेन मुर्मू और कार्तिक चंद्रपॉल भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के विकास को नई गति देने का अभियान आज और तेज हुआ है। भारतीय रेल के आधुनिकरण की तरफ एक और बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य से जुड़े कई अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण से यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ व्यापार और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, बंगाल की इस पावन भूमि से ....आज से भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरूआत हो रही है।

झारखंड बंद का मिलाजुला असर, खूंटी और कोल्हान में दिखा व्यापक असर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ऐदल सांगा अध्यक्ष सह पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में झारखंड बंद का आंशिक असर शनिवार को देखने को मिला। आदिवासी समन्वय समिति रांची और खूंटी के आह्वान पर झारखंड बंद बुलाया गया था। इस दौरान खूंटी और कोल्हान में बंद का व्यापक असर देखा गया। सोमा मुंडा के समर्थक सुबह से ही सड़क पर उतरकर मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही आदिवासी संगठन पारंपरिक झंडा लेकर सड़क पर उतरे थे। कई जगहों पर टायर जलाकर विरोध दर्ज कराए गए।

झारखंड बंद के दौरान मुख्य मार्ग पर चलने वाली आवागमन प्रभावित हुई। कई जगहों पर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। रांची से खूंटी तक प्रतिष्ठानों और दुकानों की शटर बंद रही। शहर के करमटोली, और अलबर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शनकारी घूम-घूमकर दुकानों को बंद कराते दिखे। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने दवा दुकान और एंबुलेंस को बंद से मुक्त रखा।

झारखंड बंद का एनएच 33 पर असर देखने को मिला। रांची से कर्रा, खूंटी, चाईबासा और सिमडेगा की रास्ते जाने वाले परिचालन प्रभावित हुए। रांची, खलारी, कांके, पिठोरिया में झारखंड बंद कराने सड़क पर उतरे लोगों ने चौक चौराहो पर टायर जलाकर विरोध दर्ज कराया।

मालूम हो कि पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या 7 जनवरी को खूंटी में जमादाहा के पास अपराधियों ने गोली मारकर कर दी थी। इस घटना से गुस्साए आदिवासी समाज ने 8 जनवरी को खूंटी बंद का आह्वान किया था। जिसका व्यापक असर दिखने को मिला था। 3 एकड़ 16 डीसमिल विवादित भूमि पर पारंपरिक पड़हा जतरा मेला आयोजित होने के कारण स्थानीय आदिवासियों ने भूमि बिक्री का विरोध किया था। नवंबर में भूमि समतल करने एवं सीमा चिन्ह हटाने के बाद साजिश रची गई, जिसके कारण सोमा मुंडा की हत्या हुई। हालांकि पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, किंतु मुख्य साजिशकर्ता, शूटर एवं भूमाफिया साजिशकर्ता फरार हैं और इस हत्याकांड का पूर्ण खुलासा नहीं हो सका है।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

अबुआ दिशोम बजट

पोर्टल तथा मोबाइल ऐप का

शुभारम्भ

आम जनता की भागीदारी से बनेगा समावेशी बजट

राज्य बजट 2026-27 के लिए आम जनता का बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करने के लिए अबुआ दिशोम बजट पोर्टल और मोबाईल ऐप प्रारंभ किया गया है।

तीन सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा।

ऐसे भेजे सुझाव :

- अबुआ दिशोम बजट पोर्टल (https://finance.jharkhand.gov.in/budgetvichar) अथवा अबुआ दिशोम बजट मोबाईल ऐप पर स्वयं को पंजीकृत करें।
- होम पृष्ठ पर दिए गए स्थान पर अपना मोबाइल नंबर अथवा ई-मेल भरें एवं ओ टी पी जेनरेट करने के लिए क्लिक करें और अपना पंजीकरण करें।
- मोबाइल पर आये हुए ओ टी पी एवं स्क्रीन पर दिखाये गए कैप्चा कोड को उसके स्थान पर भरें एवं रजिस्ट्रेशन पेज में प्रवेश करें।
- रजिस्ट्रेशन पेज में मांगे गए विवरण को भर कर सुरक्षित (SAVE) करें।
- संबन्धित विभाग/क्षेत्र का चुनाव कर अपना बहुमूल्य सुझाव पोस्ट करें।
- Footnote में अंकित Social Media पेज यथा फेसबुक, X, व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम और ई-मेल के माध्यम से भी आप अपने सुझाव दे सकते हैं।

वित्त विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

के द्वारा दिनांक 09.01.2026 (शुक्रवार) को किया गया है ।

सुझाव देने की अंतिम तिथि का विस्तार करते हुए अब दिनांक 20-01-2026 तक सुझाव स्वीकार किए जाएंगे।

https://finance.jharkhand.gov.in/budgetvichar https://www.facebook.com/dishombudget @dishombudget

+91 8742887660 https://www.instagram.com/dishombudget dishombudget@gmail.com

PR-370979 (Finance) 25-26

गोंदुलपारा कोयला परियोजना की लोक सुनवाई से पहले सुरक्षा व्यवस्था पर प्रशासन की नजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव गोंदुलपारा कोयला खनन परियोजना को लेकर 20 जनवरी को स्थानीय फुटबॉल मैदान में होने वाली लोक सुनवाई के दौरान शांति व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन सकती है। असामाजिक तत्वों की ओर से मारपीट या हिंसा की आशंका जताई जा रही है। इससे संबंधित कई वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किए गए हैं, जिसमें खुलेआम धमकी दी जा रही है। वीडियो में लोगों से हथियार उठाने की अपील की जा रही है। ऐसे में प्रशासन से अपेक्षा है कि पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम कर लोक सुनवाई को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाया जाए, ताकि जनमत निर्भीक होकर सामने आ सके। इलाके में अवैध चिमनी भट्ठों और अवैध कोयला गतिविधियों से जुड़े तत्वों के सक्रिय रहने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। लोक सुनवाई के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, प्रवेश-निकास की नियंत्रित व्यवस्था और संवेदनशील बिंदुओं पर निगरानी जरूरी मानी जा रही है। खनन से रोजगार और राजस्व, क्षेत्रीय विकास को मिलेगी रफ्तार बड़कागांव में आवंटित कोल ब्लॉकों में खनन शुरू होने से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 5 से 10 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इसमें स्थानीय दुकान, परिवहन, डंपर संचालन और सहायक सेवाएं शामिल हैं। यहां एनटीपीसी, एनएमडीसी, अदाणी और जेएसडब्ल्यू जैसी बड़ी कंपनियों को कोयला ब्लॉक आवंटित हैं। गोंदुलपारा परियोजना से राज्य को सालाना करीब 600 करोड़ रुपये के राजस्व की संभावना जताई जा रही है, इसका उपयोग स्थानीय आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य में किया जा सकेगा। साथ ही बढ़ती बिजली मांग के बीच देश को अब भी कोयला आयात करना पड़ता है। घरेलू उत्पादन बढ़ने से बिजली आपूर्ति सुदृढ़ होगी और अवैध कोयला तस्करी पर भी अंकुश लगेगा। लोक सुनवाई लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित कर ही विकास से जुड़े तथ्यों पर सार्थक चर्चा संभव है। प्रशासन की सक्रियता और कानून-व्यवस्था की मजबूती से ही बड़कागांव के लिए रोजगार, राजस्व और ऊर्जा सुरक्षा जैसे लाभों का रास्ता प्रशस्त हो सकता है।

एक नजर

सरस्वती पूजा समिति के अध्यक्ष बने मनीष, कोषाध्यक्ष विक्रम एवं सचिव बने सन्नी

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत रसोईया धमना पंचायत के लश्करी में गुरुवार को सरस्वती पूजा समिति की गठन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के दर्जनों युवक शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष विक्रम कुमार एवं सचिव के लिए सन्नी कुमार का चयन किया गया। इस दौरान पूजा समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरस्वती पूजा बड़े ही धूमधाम एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाना हम सभी का कर्तव्य है। जिसके लिए सभी सदस्यों को मिलजुलकर सहयोग करना जरूरी है। बता दें कि जो शिक्षाविद भारत और भारतीयता से प्रेम करते हैं, वे इस दिन मां शारदे की पूजा कर उनसे और अधिक ज्ञानवान होने की प्रार्थना करते हैं। मौके पर पंकज कुमार, दीपक कुमार, सुजल कुमार, हिमांशु कुमार, प्रियांशु कुमार, अभय, राजन एवं पीयूष समेत दर्जनों अन्य युवक मौजूद थे।

चार दिनों से 26 वर्षीय युवक लापता, थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी

बरही : बरही थाना अंतर्गत बरसोत निवासी करण कुमार पिता सुरेन्द्र रजवार उम्र 27 वर्ष 14 जनवरी से गायब है। लापता युवक के पिता बरही थाने में आवेदन देकर ढूंढने का गुहार लगाया है। युवक के पिता ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन चूड़ा तिलकुट खाने के बाद घर से सब्जी खरीदने के लिए बाजार निकला,लेकिन शाम तक घर वापस नहीं आया। उसके बाद अपने स्तर से खोजबीन करना शुरू किया। रिश्तेदारों के यहां भी दूरभाष के माध्यम से पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। युवक नीले रंग का ट्राउजर, पावं में जूता ,भगवा रंग का टी शर्ट पहना है। मानसिक रूप से कमजोर है जिसका इलाज रांची से चल रहा है। किन्हीं व्यक्ति को युवक के बारे में जानकारी मिले तो 8523183355 एवं 7091370293 इस नंबर पर सूचना दें। इधर बरही पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

चलकुशा मे रोड पर गंदे पानी बहने से राहगीरों को हो रही है परेशानियां

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

चलकुशा : में आय दिन रोड पर गंदे पानी को लगातार बहाया जा रहा है` जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और दिन पर दिन रोड में गड्ढे होते जा रहे हैं जिससे दुर्घटना की संभावना भी बढ़ते जा रही है ` खास कर जब फिल्टर का पानी लोगो के घर तक आता है तब पानी और भी ज्यादा बहने लगती है` इस मामले को लेकर मुखिया आलोक सिंह ने लोगों को हिदायत भी किया है लेकिन किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा लोग लगातार अपने घर और दुकान से गंदे पानी को रोड पर निकाला देते हैं। जिससे रोड नाली में तब्दील हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है की लगातार कुछ दिनों से मैन रोड सहित कई गलियों में इस तरह से गंदे पानी निकाले जा रहे हैं जिससे हमलोग कीचड़ में चलने पर मजबूर हो गए हैं। और कई बार गाड़ियों के चलने से पानी छिटकता है जिससे कपड़े भी गंदे हो जाते हैं और भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है ।

बरही में सहायक अध्यापकों का वन भोज सह मिलन समारोह, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का लिया संकल्प

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बरही : झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक महासंघ, बरही प्रखंड इकाई की ओर से जवाहर घाट, तिलैया डैम के रमणीय वातावरण में वन भोज सह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले एवं प्रखंड स्तर के शिक्षा पदाधिकारी, महासंघ के प्रदेश व जिला पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में सहायक अध्यापक एवं अध्यापिकाएं शामिल हुए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य आपसी संवाद को सशक्त करना, संगठनात्मक एकता को मजबूती देना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और दृढ़ करना रहा। वन भोज सह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन एवं जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार उपस्थित रहे। इनके साथ प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह, झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय दुबे, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नारायण महतो, जिला अध्यक्ष चंदन मेहता, जिला सचिव शंकर प्रसाद तथा बरही इकाई के प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार यादव मंच पर मौजूद रहे। आगंतुक अतिथियों, शिक्षा कर्मियों का अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माणकर्ता होते हैं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना उनका मूल दायित्व है। शिक्षकों के समर्पण और निरंतर प्रयास से ही सरकारी विद्यालयों की छवि और अधिक सशक्त होगी। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार ने विद्यालयों में नियमित शिक्षण, अनुशासन एवं नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए शिक्षकों को सतत प्रयास करते रहना होगा।

जमुनिया डैम की तलहटी पर जुटे बीजेपी नेता-कार्यकर्ता, वनभोज सह मिलन समारोह आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड के जमुनिया डैम की तलहटी पर शनिवार को प्रकृति की गोद में भाजपा कार्यकताओं का महाजुटान हुआ। भाजपा पश्चिमी मंडल द्वारा आयोजित इस भव्य वनभोज-सह-कार्यकर्ता मिलन समारोह में जहाँ साल वृक्षों की घनी छांव और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच कार्यकताओं ने मन की थकान मिटाई, वहीं नए उमंग के साथ संगठनात्मक मजबूती का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रवाद और जनसेवा का दृष्टिकोण विस्तार से साझा किया। समारोह में विशेष रूप से स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष रवि कुमार पांडेय, सांसद प्रतिनिधि दीपू भाई, पूर्वी सांसद प्रतिनिधि नागेश्वर महतो,पूर्व मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल, महामंत्री सुनील मिश्रा, पूर्व महामंत्री शंकर प्रसाद बर्मन, उपाध्यक्ष अशोक कुमार, राकेश वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजू देवी, गायत्री देवी, सरिता देवी, सुनील अकेला, राजू श्रीवास्तव, अनूप कसेरा, संजय कसेरा, नयन पाण्डेय, पुरेंद्र महाराज जी,मनोज ,रौशन ठाकुर,,तुलसी राणा,विजय गंझू, जितेंद्र तूरी,रामबली तूरी, बबलू गंझू,अशोक कुमार, प्रयाग प्रजापति, अंजू देवी, रीता देवी, पवन कुमार, अनूप कसेरा, युगल स्वर्णकार, राजू श्रीवास्तव, अशोक गुप्ता,सुखदेव मंडल, राजेंद्र यादव, जीवन सोनी, पंकज कुमार सिंह, युगल किशोर पाठक, इंद्रदेव मंडल, रंजीत यादव, सुनील कुमार मिश्रा, गायत्री देवी, जयनाथ साव, राजेंद्र प्रसाद, सुरेश रजवार, शंकर सिंह, राजेश साव, नरेश राम, वकील सिंह, सुरेश राम, संजय कुमार, अब्दुल जब्बार, शंकर वर्मन, संदीप कुमार, नरेश साव, नरेश साव, रौशन पाण्डेय, झल्लू पंडित, रंजन मोहन लाल, मो निजाम सिद्दकी, अरुण रजक, गोवर्धन महतो, विनोद कुमार, अनुभव भारती, छोटीलाल प्रसाद, राजेश प्रसाद, मिंकु सिंह, धीरज कुमार,मुकेश कुमार अजय कुमार, सुरेश पाण्डेय, हजारीबाग लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय में पाण्डेय गणपत राय की 217 वीं जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में 1857 की क्रांति के नायक एंव झारखंड के वीर सपूत शहीद पाण्डेय गणपत राय की 217 वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि पाण्डेय गणपत राय का जन्म 17 जनवरी 1809 को लोहरदगा जिला स्थित भंडरा प्रखंड के भैरों गांव में एक कायस्थ परिवार में हुआ था । वे झारखंड के दुसरे जमींदार थे जो 1857 के क्रांति के नेता बने । वे नागवंशी के भूतपूर्व दिवान थे । इस क्रांति में वे इस क्षेत्र के मुख्य सेना के नायक बने और लगातार अपने गुरिल्ला युद्ध में अंग्रेजी सेना और सेनानायकों को परेशान करते रहे । उन्होंने कहा कि रांची के शहीद चौक स्थित शहीद स्थल की ओर नजर आती है, तो शहीद पाण्डेय गणपत राय का नाम याद आ ही जाता है । इसी स्थान पर 21 अप्रैल 1958 दिन रविवार को अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें एक कदम्ब के पेड़ पर लटका कर फांसी दे दी थी । मौके पर पूर्व प्रदेश महासचिव विजय कुमार यादव प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार खान, सलीम रजा, दिलीप कुमार रवि, रघु जायसवाल, बाबर अंसारी, महेश प्रसाद साव, सदरूल होदा, एन.ए. चौधरी, दरगाही खान, निसार अहमद भोला, रियाजउद्दिन अंसारी, अजित कुमार सिंह, कौशल कुमार सिंह, मनोज मेहता, सतीश प्रसाद मेहता, अजय कुमार यादव, गीरजा शंकर आदि उपस्थित थे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावक शिक्षक समन्वय जरूरी : उदय राणा

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

चौपारण : प्रखंड के केंदुआ स्थित एम.वाई मिशन पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को शिक्षक, अभिभावक सभा सह द्वितीय सावधिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रगति की जानकारी अभिभावकों तक पहुँचाना तथा शिक्षक, अभिभावक समन्वय को और सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर द्वितीय सावधिक परीक्षा का परीक्षा फल विद्यार्थियों के माता-पिता एवं अभिभावकों के बीच वितरित किया गया। समारोह प्रखंड के प्रमुख प्रतिनिधि उदय कुमार राणा के सानिध्य में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उदय कुमार राणा ने कहा कि वर्तमान दौर में बच्चों को बेहतर और संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की सक्रिय भूमिका भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब घर और विद्यालय दोनों मिलकर बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं, तभी उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है। मौके पर उपस्थित एसबीएम पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर नंदकिशोर राज ने अपने सारगर्भित एवं प्रेरणादायी वक्तव्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों पर विशेष जोर दिया। वहीं विद्यालय के प्राचार्य मदन कुमार ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें तथा उनकी पढ़ाई पर निरंतर ध्यान दें।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में नामांकन परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में शैक्षणिक सत्र 2026झ्र27 के लिए प्रथम नामांकन परीक्षा शनिवार को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के दौरान पारदर्शिता, समय-पालन एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल तथा मार्गदर्शन डेस्क की समुचित व्यवस्था की गई थी। परीक्षा केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं की अभिभावकों ने भी सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार मैढ़ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उद्देश्य से नामांकन प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि “सही समय पर बच्चों के लिए सही विद्यालय का चयन और उचित लालन-पालन उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि आवश्यकता पड़ने पर आगे भी नामांकन परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसकी जानकारी विद्यालय की आधिकारिक सूचना-पट्टिका एवं वेबसाइट के माध्यम से समय पर दी जाएगी। विद्यालय प्रशासन ने सभी सफल अभ्यर्थियों को अग्रिम शुभकामनाएँ दीं तथा अभिभावकों से आगामी सूचनाओं पर सतत ध्यान बनाए रखने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त खबरें

कुशवाहा अधिकार महासम्मेलन रांची में आज, भारी संख्या में शामिल होने की अपील

बड़कागांव : कुशवाहा समाज को संगठित एवं मजबूत करने को लेकर कुशवाहा अधिकार महासम्मेलन का आयोजन आज रांची के महादेव टंगरा मेला परिसर बिजोलिया रातू रांची में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। जिसमें बड़कागांव केंद्रीय कुशवाहा समाज के प्रखंड अध्यक्ष सोहनलाल मेहता के नेतृत्व में भारी संख्या में लोग महासम्मेलन कार्यक्रम में शिरकत करने की संभावना है। महासम्मेलन को लेकर बड़का गांव प्रखंड के केंद्रीय कुशवाहा समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर बालेश्वर महतो ने समाज के वरिष्ठ बुद्धिजीवियों नौजवान लोगों से महासम्मेलन में शामिल होने अपील की है। ताकि कुशवाहा समाज को मजबूती प्रदान हो सके।

श्रीदस स्कूल की नेहा टोप्पो का गतका खेल में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा 8वीं की छात्रा नेहा टोपो, निवासी पांच माइल गांव, का चयन एसजीबीआई के तहत राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। नेहा टोपो का चयन गटका खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। अब वह आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ जाएंगी, जहां वह अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेंगी। इस अवसर पर स्कूल मैनेजर राकेश सिंह ने कहा कि नेहा की यह उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। हमारे यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी बराबर महत्व दिया जाता है। हमें विश्वास है कि नेहा राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन करेंगी। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने नेहा टोपो को इस सफलता पर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महिला को हाइवा ने चपेट में लिया, घटना स्थल पर मौत, सड़क जाम

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह गांव में सुबह 5:30 बजे एक अज्ञात हाईवा वाहन ने मॉर्निंग वॉक करने को निकली महिला 50 वर्षीय तेतरी देवी को अपने चपेट में ले लिया जिसके कारण उसकी मौत उसके घर के समीप लगभग 200 फीट की दूरी पर हो गई। घटना के बाद चालक हाईवा को लेकर फरार हो गया। इस दौरान हाईवा ने भागने के क्रम में नाली एवं स्ट्रीट लाइट को भी तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आकर्षित ग्रामीणों ने 13 माईल के पास सड़क जामकर मुआवजा की मांग करने लगे। सड़क जाम होने के कारण एनटीपीसी की हाईवा से कोल ट्रांसपोर्टिंग कार्य भी ठप रहा। इस दौरान समाचार लिखे जाने तक तकरीबन 12 घंटे तक सड़क जाम रहा। सड़क जाम होने के कारण कंपनी एवं आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं कोयला परिवहन कर रहे हाईवा वाहनों की लंबी कतार देखी गई लगभग 125 हाईवे खड़ी नजर आई। सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडे सड़क जाम स्थल पर पहुंचकर मृतक के परिजनों से बात कर उनकी समस्याओं एवं उनकी मांगों को को सुना । एसडीओ के आश्वासन के बाद मृतक के परिजनों ने लाश को पोस्टमार्टम की हजारीबाग बाग ले गए। मामले को लेकर अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया एनटीपीसी के द्वारा मृतक के परिजन को ?800000 का चेक सोमवार को दिया जाएगा और दो नौकरी भी दी जाएगी। वही पूर्व विधायक अंबा प्रसाद आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा के अलावा कई विशिष्ट प्रबुद्ध लोग सड़क जाम स्थल पर पहुंचकर मृतक के परिजन से मिले एवं मुआवजा राशि दिलाने के लिए प्रयासरत रहे। पर विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि मृतक के परिजन को सभी मुआवजा राशि मिलाकर साढ़े 10 लाख रुपया मिलेगा।

पिता की मन्नत और विश्वास की मिसाल, बेटे के स्वस्थ होने पर 135 दिन की पैदल केदारनाथ यात्रा

चौपारण : वर्धमान से केदारनाथ धाम की कठिन पदयात्रा पर निकले श्रद्धालु ने आस्था, विश्वास और संकल्प का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु करीब 135 दिन पहले वर्धमान से पैदल यात्रा प्रारंभ कर चुके हैं और निरंतर आगे बढ़ते हुए भगवान शिव के धाम केदारनाथ की ओर अग्रसर हैं। इस लंबी और कठिन यात्रा के पीछे एक गहरी मन्नत और पिता का अटूट विश्वास जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु राजेश मांझी ने बताया कि उनका बेटा जन्म से ही शारीरिक विकृति से ग्रसित था। बच्चे का एक पैर पीछे की ओर मुड़ा हुआ था, जिससे चलने-फिरने में भारी परेशानी होती थी। बेटे के बेहतर भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने भगवान शिव से मन्नत मांगी थी। राजेश मांझी के अनुसार, चिकित्सकीय सलाह पर बेटे का ऑपरेशन कराया गया। इसके बाद करीब आठ माह तक लगातार इलाज और देखभाल चली। अथक प्रयास, डॉक्टरों की मेहनत और ईश्वर की कृपा से अब उनका बेटा पूरी तरह स्वस्थ हो चुका है और सामान्य रूप से चलने-फिरने लगा है। बेटे के स्वस्थ होने पर मन्नत पूरी करने के संकल्प के साथ राजेश मांझी ने केदारनाथ धाम की पदयात्रा शुरू की। रास्ते में जहां-जहां से वे गुजर रहे हैं, लोग उनकी कहानी सुनकर भावुक हो रहे हैं और उनके साहस व श्रद्धा की सराहना कर रहे हैं। यह पदयात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि विश्वास, धैर्य और संघर्ष के सामने असंभव भी संभव हो सकता है। राजेश मांझी की यह यात्रा आज लोगों के बीच आस्था और उम्मीद की मिसाल बन चुकी है।

एक नजर

झारखंड में थमी शीतलहर, लोगों को मिली राहत, तापमान में होगी बढ़ोतरी

रांची: झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शनिवार को शीतलहर का असर नहीं देखा गया। शीतलहर के थमने के साथ ही धूप की तपिश ने लोगों को राहत दी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। हालांकि विभाग ने यह भी बताया कि राज्य में अभी उत्तर-पश्चिम से उत्तर दिशा की ओर ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी। शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और शीतलहर का कोई प्रकोप दर्ज नहीं किया गया। दिन के समय धूप में गर्मी महसूस की गई, जबकि दोपहर बाद हल्की ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिसका असर शाम के समय हल्की कनकनी के रूप में महसूस हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में, जबकि सबसे कम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

बुढ़मू में दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या भीड़ हिंसा से झकझोर उठा झारखंड : नायक

बुढ़मू : बुढ़मू प्रखंड के चांया गांव में 18 वर्षीय दलित युवक विक्की नायक, पिता तुलसी नायक, की पीट-पीटकर की गई हत्या ने झारखण्ड ही नहीं, पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। यह कोई सामान्य "घटना" नहीं, बल्कि सुनियोजित भीड़-हिंसा है, जिसमें कानून को हाथ में लेकर एक निर्दोष दलित युवक की जान ली गई। उपरोक्त बातें आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कांके विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहीं। उन्होंने कहा कि प्राप्त तथ्यों के अनुसार, मोटर चोरी के झूठे आरोप में पहले ग्रामीण बैठक बुलाई गई, फिर विक्की नायक से जबरन अपराध स्वीकार कराया गया और उसके बाद उसके माता-पिता की मौजूदगी में बेरहमी से लात-घूंसे मारे गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह कृत्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का खुला और घोर उल्लंघन है। श्री नायक ने बताया कि मृतक की मां भुटकी देवी के अनुसार, 11 जनवरी की रात कामेश्वर यादव और विशुन यादव के कुएं से मोटर चोरी होने की बात कही गई। गुरुवार शाम कामेश्वर यादव तुलसी नायक के घर पहुंचे और विक्की पर चोरी का आरोप लगाया। अगले दिन गांव में बैठक बुलाकर "जुर्म कबूल" कराने की साजिश रची गई। इसी बीच रात में किसी ने मोटर कुएं पर वापस रख दी।

रांची में रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय का उद्घाटन रक्षा भूमि मामलों में मिलेगा त्वरित समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को रांची में रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय के नवीन कार्यालय का उद्घाटन किया। इस उप-कार्यालय की स्थापना से अब रक्षा भूमि से जुड़े मामलों में स्थानीय स्तर पर त्वरित, सरल और प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का यह निर्णय झारखंड के लिए महत्वपूर्ण और दूरदर्शी है, जिससे राज्य में रक्षा भूमि प्रबंधन को अधिक सुदृढ़, प्रभावी और समयबद्ध बनाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में झारखंड के सभी जिलों और सैन्य स्टेशनों की रक्षा भूमि का प्रबंधन बिहार के दानापुर से किया जाता था। व्यापक क्षेत्राधिकार और भौगोलिक दूरी को देखते हुए रांची में उप-कार्यालय की स्थापना से अब स्थानीय स्तर पर मामलों का त्वरित निपटारा संभव होगा और राज्य प्रशासन व रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच समन्वय भी मजबूत होगा। राज्यपाल ने भारतीय सैनिकों के पराक्रम, साहस और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे सैनिक न केवल सीमाओं की रक्षा करते हैं, बल्कि आपदा के समय भी समर्पण भाव से सहायता के लिए आगे आते हैं। उनका जीवन "नेशन फर्स्ट" की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब देश चैन की नींद सोता है, तब सैनिक सीमाओं पर जागते रहते हैं और कठिन भौगोलिक व मौसमीय परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर शास्त्र और शस्त्र दोनों की मयार्दा निभाना जानता है। राज्यपाल ने कहा कि विगत वर्षों में "ऑपरेशन सिंदूर" जैसे अभियानों के माध्यम से सेना ने आतंकवाद के अड्डों को ध्वस्त कर यह स्पष्ट कर दिया है कि नया भारत शांति चाहता है, लेकिन मानवता पर हमला होने पर कड़ा जवाब देना भी जानता है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि "आत्मनिर्भर भारत" की दिशा में रक्षा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से देश की सैन्य शक्ति निरंतर मजबूत हो रही है। अंत में राज्यपाल ने रक्षा सम्पदा उप-कार्यालय की स्थापना के लिए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा मंत्रालय की पूरी टीम को बधाई दी और विश्वास जताया कि यह कार्यालय राष्ट्र सेवा और सैनिक कल्याण की भावना को और अधिक सशक्त करेगा।

बीसीसीएल जोनल समिति की नई कार्यकारिणी गठित, उमाशंकर चौहान बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कोयलियरी मजदूर यूनियन केंद्रीय समिति की ओर से शनिवार को आठवां महाधिवेशन कांके रोड स्थित सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड के रविन्द्र भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड जोनल समिति की 31 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। यूनियन के उपाध्यक्ष सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय तथा यूनियन के महासचिव फागू बेसरा ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उमाशंकर चौहान को बीसीसीएल जोनल समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए सूरज महतो और रतीलाल टुडू को चुना गया है। सुशील कुमार मंडल उर्फ रामु मंडल को समिति का सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा गोपीन टुडू और सपन बनर्जी को संगठन सचिव, अनिल टुडू को सह सचिव तथा प्रभाष प्रसाद सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारी सदस्य के रूप में दिनेश रजवार, विश्वजीत कुमार महतो, कन्हाईलाल सिंह, हराधन मोदक, सतीश भट्ट, जीतन बाउरी, साधन बाउरी, प्रवीण लाला, अरविंद कुमार नोनिया, नाथमुनि दुबे, अजीत चौहान, अजय रवानी, महादेव हांसदा, अमरजीत पासवान, संजय रजवार, रौनक सिंह, शैलेश सिन्हा, श्यामपद रवानी, विकास भंडारी, निर्मल कुम्हार, सरफराज अंसारी, प्रशांत बाउरी एवं प्रकाश चौहान को मनोनीत किया गया है।

एसबीयू में रांची हैक्स का हुआ शुभारंभ, जुटे देश भर के प्रतिभागी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गूगल डेवलपर ग्रुप के सहयोग से दो दिवसीय नेशनल हैकथन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से आयी 31 टीमें भाग ले रही हैं। इस आयोजन के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि रांची हैक्स के नाम से आयोजित यह कार्यक्रम झारखंड में अपनी तरह का अनूठा प्रयोग है, जिसे गूगल डेवलपर ग्रुप के सहयोग से इतने विस्तृत स्तर पर किया जा रहा है। युवा प्रतिभागियों को इस प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का बेहतर मौका मिल रहा है। प्रतियोगिता स्थल विश्वविद्यालय के जीडी बिरला सभागार का मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अवलोकन कर उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता की आयोजक मंडली में शामिल तुषार एवं ऋषभ ने बताया कि गूगल डेवलपर ग्रुप ने झारखंड के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों का आयोजन कर यहां के छात्रों की प्रतिभा को उभारने की कोशिश की है। इससे छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान के अलावा जॉब और इंटर्नशिप में भी फायदा होगा। तकरीबन 2500 प्रतिभागियों के बीच से चयनित अगले राउंड के 120 प्रतिभागी इस दो दिवसीय आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रॉब्लम स्टेटमेंट पर काम होना है। इसमें हिस्सा लेनेवालों में कामकाजी लोगों के अलावा छात्रों की बड़ी तादाद है।

आईसीएआई का अर्चना-चार्टर्ड अकाउंटेंट्स बैडमिंटन लीग का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया , रांची शाखा की ओर से अर्चना- चार्टर्ड एकाउंटेंट्स बैडमिंटन लीग सीजन-6 का आयोजन 17 से 18 जनवरी तक ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में किया जा रहा है। इस खेल प्रतियोगिता में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। इस बैडमिंटन लीग में भाग लेने वाली टीम और उनके ओनर्स के नामों में वेल्थ मैटर्स झ सीए रंजीत कुमार गरौड़िया, रांची वारियर्स -सीए जेपी शर्मा, रांची टॉरनेडोज-सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, विवांश एसेस- सीए दीपक पटेल, मेवरिक शटलर्स-सीए यासिर अहमद, रांची स्मैशर्स-सीए सुरेन्द्र विश्वकर्मा, मार्वल रॉयल वारियर्स-सीए अभिनव कुमार, सुविधा सुपरनोवा-सीए मनीषा बियानी और सीए रिंकू खेमका शामिल हैं। प्रत्येक टीम में सात प्लेयर्स जिसमें चार्टर्ड अकाउंट्स या उनके स्पाउसेज शामिल हैं, जो खेल के साथ-साथ लैंगिक संतुलन और समावेशन का भी संदेश देती हैं। शनिवार को इस लीग के अंतर्गत प्रारंभिक दौर के मुकाबले खेले गए। लीग का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पवन कुमार मिश्रा, निदेशक, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची, विशिष्ट अतिथि संजय सिंह, मुख्य प्रबंधक, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची, उत्तम रॉय, शाखा प्रबंधक, एयू स्माल फाइनेंस बैंक, रांची, सीए अभिषेक केडिया, अध्यक्ष- आईसीएआई- रांची शाखा, सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, सचिव -आईसीएआई, रांची शाखा सहित अन्य- ने संयुक्त रूप से किया।

किसान तेलहन उत्पादन को आजीविका से जोड़ा : मयंक मुरारी

- किसानों को आत्मनिर्भर बनाना उद्देश्य
- 20 एकड़ में सरसों की हुई खेती।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उषा मार्टिन फॉउंडेशन द्वारा एक किसानों के आय में वृद्धि के लिए तेलहन को मध्यम बनाया गया है। 30 से अधिक किसानों को बीज, मल्चिंग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग देकर सरसों की खेती करायी गयी है। फाउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि इस सहयोग से अनगड़ा एवं नामकुम प्रखंड के अंतर्गत आने वाले 18 से 20 गाँवों के 30 किसानों को सरसों का बीज वितरित किया गया। इस बीज को लगभग 20 एकड़ कृषि भूमि में लगाया गया है। डा मयंक मुरारी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य रबी मौसम में किसानों को नकदी फसल की ओर प्रेरित करना तथा उनकी कृषि आय में वृद्धि करना है। गुणवत्तापूर्ण बीज मिलने से किसानों में उत्साह देखा गया और उन्होंने समय पर सरसों की बुवाई की। इसके पहले दलहन, सब्जी, मटर और स्ट्रोबेरी की खेती से किसानो को जोड़ा जा चुका है। फाउंडेशन के एंग्री बिजनेस हेड मेवालाल महतो ने बताया कि बीज वितरण के साथ-साथ किसानों को फसल की बुवाई, देखभाल एवं उत्पादन बढ़ाने से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई।

निवेश के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में अनंत अवसरों के द्वार खोलने को तैयार झारखण्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- दुनिया को निरंतरता और सहअस्तित्व की जड़ों से जुड़ा अनुभव कराएगा झारखण्ड का पर्यटन

रांची : रांची चाहे प्रकृति प्रेमी हों, चाहे आध्यात्म की खोज, इतिहास में रुचि रखने वाले, रोमांच के शौकीन, सांस्कृतिक अनुभव चाहने वाले या सार्थक यात्राओं की तलाश में रहने वाले लोग। चिंतन हो या अन्वेषण, एकांत हो या सामूहिक अनुभव मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड ऐसी ही यात्रा का आमंत्रण वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में दुनिया को देगा। ऐसा आमंत्रण जो आत्मीय और चिरस्थायी है। जोहार से अपने मेहमानों का स्वागत करने वाले युवा झारखण्ड ने पर्यटन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है, देशी-विदेशी पर्यटकों का मनपसंद डेस्टिनेशन अब 25 वर्ष का युवा झारखण्ड बन रहा है और निवेश के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में अनंत अवसरों के द्वार खोलने को युवा राज्य तैयार है। विशिष्ट पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा झारखण्ड झारखण्ड ऐसा गंतव्य जहां यात्रा किसी भव्य प्रदर्शन पर आधारित नहीं, बल्कि भूमि, लोगों और परंपराओं के साथ गहरे और स्थायी संबंधों पर केंद्रित है। घने वन, जलप्रपातों, जीवंत आदिवासी संस्कृतियों और ऐतिहासिक परिदृश्यों से युक्त राज्य आगंतुकों को विरोधाभास नहीं, बल्कि निरंतरता पर आधारित एक गहन और आत्मीय अनुभव प्रदान करता है। मुख्यतः छोटानागपुर पठार की भौगोलिक संरचना यहां के पर्यटन के स्वरूप को परिभाषित करती है। सड़कों के किनारे फैले जंगल, खुली घाटियों में बसे पारंपरिक गांव और चट्टानों से होकर बहती कल कल नदियाँ जो हुंडरू, दशम, जोन्हा और लोध जैसे छोटे बड़े जलप्रपात पूर्वी भारत के सबसे आकर्षक और मनमोहक जलप्रपातों का निर्माण करती हैं। ऐसे ही राज्य की राजधानी रांची को "झरनों का शहर", श्रृंखलाबद्ध पहाड़ियों के घिरे नेतरहाट को पहाड़ों की रानी और प्रकृति की गोद में बसे मैक्लुस्कीगंज को एंग्लो इंडियन का गांव नहीं कहा जाता है। प्रकृति, संस्कृति, आध्यात्म और इतिहास का अद्भुत संगमप्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ झारखण्ड का पर्यटन आदिवासी विरासत के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। यहां के आदिवासी समुदायों की भाषाएं, पर्व-त्योहार, कला और रीति-रिवाज आज भी जीवंत परंपराओं के रूप में कायम हैं। सरहुल, करम, सोहराय, टुसू एवं अन्य उत्सव ऋतुचक्र और सामुदायिक जीवन को प्रतिबिंबित करते हैं, जबकि सोहराय और कोहबर भित्ति चित्रकला, पैतकर पेंटिंग, डोकरा आर्ट और छऊ नृत्य सृजनशीलता को सीधे भूमि और आस्था से जोड़ती हैं। राज्य के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थल भी झारखण्ड के पर्यटन मानचित्र को और विस्तृत करते हैं। देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम, बासुकीनाथ धाम, आंजन धाम, रामरेखा धाम, रजरप्पा, देवड़ी मंदिर और पहाड़ी मंदिर जैसे पवित्र स्थल, पलामू और नवरत्नगढ़ स्थित प्राचीन किला, मेगालिथिक धरोहरों तथा मलूटी मंदिर समूह जैसे ऐतिहासिक स्थलों के साथ सहअस्तित्व में हैं, जहां इतिहास और प्रकृति एक-दूसरे में सहज रूप से घुल-मिल जाते हैं। वाइल्डलाइफ और ट्रैकिंग भी करता है आकर्षित साहसिक और अनुभवात्मक पर्यटन झारखण्ड के यात्रा परिदृश्य का एक सशक्त स्तंभ बनकर उभर रहा है। राज्य की विविध भौगोलिक संरचना ट्रैकिंग, ट्रेल साइक्लिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, वॉटरफॉल रैपलिंग, पैराग्लाइडिंग, नदी आधारित गतिविधियों और जंगल ट्रैकिंग के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। लोगों का एडवेंचर स्पोर्ट्स और आउटडोर गतिविधियों के प्रति बढ़ती रुचि को देखते हुए इन गतिविधियों को स्थानीय संस्थानों, प्रशिक्षित गाइडों और सामुदायिक पहल का समर्थन मिल रहा है, जिससे साहसिक पर्यटन समावेशी, सुरक्षित और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने में सहायक हो रहा है। वहीं पलामू टाइगर रिजर्व, पालकोट वन्य जीव अभयारण्य, महुआटांड भेड़िया अभयारण्य, दलमा हाथी अभयारण्य, उधवा बर्ड सैंच्युरी, हजारीबाग और कोडरमा वन्य जीव अभयारण्य झारखण्ड में वाइल्डलाइफ एडवेंचर को अलग पहचान देते हैं। इन सभी पहलुओं का समग्र प्रभाव झारखण्ड को देश का प्रमुख गंतव्य बनाता है।

संक्षिप्त खबरें

दावोस में वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम के लिए झारखण्ड है तैयार

रांची : झारखण्ड राज्य के 25 वर्ष पूरे होने के बाद मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में पहली बार झारखण्ड सरकार का प्रतिनिधिमंडल वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम फोरम-2026 में भाग लेने के लिए दावोस की यात्रा पर है। उक्त प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को इंडियन पवेलियन परिसर स्थित झारखण्ड पवेलियन का भ्रमण और निरीक्षण किया। मालूम हो कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम-19 से 23 जनवरी 2026 तक दावोस में आयोजित है। झारखण्ड की भागीदारी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, वन और जैव-अर्थव्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित होगी, ताकि राज्य को सतत विकास, न्यायसंगत परिवर्तन और समावेशी विकास के रास्तों पर वैश्विक चर्चाओं में स्थान मिल सके।

श्री श्याम मंदिर में भजन-कीर्तन के साथ भोग अर्पण, विशाल भंडारे का आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। मंदिर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया।
सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में इडली चटनी का प्रसाद वितरण किया गया। खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है।

पतराहातू में नीलगिरी मेला का हुआ आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के पतराहातू के छोटाचांगड़ू में मेला समिति के मुख्य संरक्षक भजोहरी महतो,नकुल चंद्र महतो,अध्यक्ष त्रिलोचन बड़ाइक, उपाध्यक्ष वनमाली महतो, सचिव शिवनाथ महतो, कोषाध्यक्ष लखीचरण महतो द्वारा पूरे हर्षोल्लास के साथ नीलगिरी मेला का आयोजन किया गया ।मेले में बंगाल समेत आसपास के विभिन्न गांवों के ग्रामीण मेला देखने पहुंचे जिससे मेला में चार चांद लग गई ।मेला में घरेलू सामान समेत बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले एवं खिलौने की दुकानें लगाई गई थी ।वहीं गृहणियों को घरेलू सामान की खरीदारी करते हुए देखा गया ।वहीं कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो, रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बीणा चौधरी,प्रखंड प्रमुख जीतेन्द्र बड़ाइक,जेएलकेएम के केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि हमलोगों को साथ मिलकर अपनी सभ्यता और संस्कृति को बचाए रखना है,यही हमारी धरोहर है। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों की महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक गीत गाते हुए टुसू लेकर पहुंची। टुसू प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर मेला समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

समाजिक कार्यकर्ता शशि भूषण भगत के संरक्षण में किया गया सहयोग कार्य, लोगों ने की सराहना

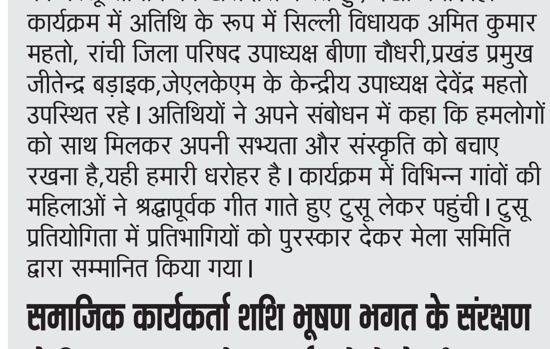

पिस्कानगड़ी : भाजपा प्रदेश कार्यकारी सदस्य एवं रामगढ़ जिला प्रभारी सह समाजसेवी शशि भूषण भगत के संरक्षण में किए गए सामाजिक सहयोग कार्य की क्षेत्रवासियों ने सराहना की है। सामाजिक संस्था सहयोग मंच के तत्वावधान में नगड़ी क्षेत्र के युवा समाजसेवी एवं भाजपा नेता अजय नायक, समाजसेवी ओमप्रकाश महतो,शिव कुमार महतो, मनीष कश्यप की उपस्थिति में जगरनाथ पूर बर झोपड़ी मुहल्ला के मृतक राजेश राम के दशकर्म के काम में सहयोग हेतु आज दसवें दिन परिजनों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस सहयोग कार्य के तहत पीड़ित परिवार को आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान की गई, जिससे कठिन समय में उन्हें कुछ राहत मिल सके। मौके पर सभी ने इस मानवीय पहल की सराहना की। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व नगड़ी के समाजसेवी संजय राम के पहल से अनाम समाजसेवी ने मृतक राजेश राम के आवास पहुंचकर उनके परिवार को सहयोग प्रदान किया था।

एक नजर

कौणिडनिया ने किया सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौण्डिनिया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के द्वारा स्कूल के सामुदायिक क्लब के पहल पर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए झुमरी तिलैया स्थित झंडा चौक पर यातायात पुलिस के सहयोग से स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस अभियान के तहत, छात्र छात्राओं ने सड़क सुरक्षा रैली निकाली और लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हेलमेट हमें पुलिस के भय से नहीं बल्कि अपने परिवार तथा अपनी सुरक्षा के लिए पहनना चाहिए स्कूल के प्राचार्य संजय सिंहा ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और हमें इसके प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। इस अभियान में जिला परिवहन विभाग के अधिकारी तथा यातायात के पुलिसकर्मी भी शामिल हुए और उन्होंने छात्रों को सड़क सुरक्षा के नियमों और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी।

कोडरमा-गिरिडीह मार्ग पर ट्रक की चपेट में मोटरसाइकिल सवार, दो घायल

कोडरमा : मरकच्चो नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा - गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित सिंहपुर यात्री शेड के समीप शुक्रवार देर रात को ट्रक के चपेट मे मोटरसाईकिल सवार दो लोग घायल हो गया। घायलों की पहचान अंकित कुमार उम्र लगभग 20 वर्ष पिता जीवलाल यादव, बहादुर यादव उम्र 20 वर्ष पिता अशोक यादव ग्राम दुधपनिया, थाना नवलशाही निवासी के रुप मे हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों बाइक सवार युवक नवलशाही से तिलैया जा रहा था इसी दौरान गिट्टी लोड ट्रक जेएच 12 पी 9259 भी नवलशाही से कोडरमा की ओर जा रही थी इसी दौरान मोटरसाईकिल सवार से ट्रक पास ले रहा था इसी दौरान मोटरसाईकिल सवार को अपने चपेट मे ले लिया इस दौरान मोटरसाईकिल को 200मीटर तक घसीटते हुए यात्री शेड के समीप सड़क किनारे रखा इट्टा मे जाकर टक़्कर मार दी। वहीं घटना स्थल से ट्रक चालक फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते हीं स्थानीय लोगों की मदद से दोनों मोटरसाईकिल सवार लोगों को कुमार क्लिनिक पुरनाडीह ले जाया गया जहाँ बहादुर यादव को गंभीर स्थिति देखते हुए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया है।

रामगढ़ ने सरायकेला को 283 रन से हराया

कोडरमा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में रामगढ़ और सरायकेला के बीच शुभारंभ मैच खेला गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि लेमांशु कुमार (सिटी मैनेजर नगर परिषद) ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों के लिए यह सबसे बेहतर प्लेटफार्म है । ऐसे टूर्नामेंट में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा साबित करें और आगे बढ़ें। ऐसे आयोजन को सफलतापूर्वक निभाने के लिए उन्होंने केडीसीए की भूरि- भूरि प्रशंसा की। जेएससीए से प्रतिनियुक्त लाइजन ऑफिसर विजय कुमार पुरी ने कहा कि जेएससीए झारखंड के सभी जिलों में प्रतिभावान खिलाड़ियों को बढ़ाने के लिए कृत संकल्प है। आज कोई भी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर है आगे बढ़ सकता है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव दिनेश सिंह ने आगंतुक अतिथियों का बुके देकर कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि कोडरमा हमेशा ऐसे आयोजन को सबों के सहयोग से सफलतापूर्वक करता आया है और आगे भी करता रहेगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

समाज कल्याण विभाग के आधार केंद्र शीघ्र हों क्रियाशील : कंचन सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त महोदया ने जिले में संचालित आधार केंद्रों की स्थिति, पंजीकरण एवं अद्यतन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। जिला यूडीआईडी पदाधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में कुल 174 आधार केंद्र आवंटित हैं, जिनमें से वर्तमान में 79 केंद्र सक्रिय तथा 95 केंद्र निष्क्रिय हैं। उन्होंने बताया कि विगत माह से वर्तमान माह के बीच कुल 6,151 नए आधार पंजीकरण एवं 37,756 आधार अद्यतन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के अंतर्गत प्रखंड स्तर पर 121 आधार केंद्र आवंटित हैं, जिनमें से 63 केंद्रों पर ग्राम डाक सेवा के माध्यम से आधार सेवाएं दी जा रही हैं। इन केंद्रों से कुल 18,121 आधार पंजीकरण एवं अद्यतन कार्य संपन्न हुए हैं। शेष 46 ग्राम डाक सेवाओं में से 11 के लिए ठरएक्ळ परीक्षा का शेड्यूल बुक किया गया है, जिसमें से एक ग्राम डाक सेवक द्वारा परीक्षा उत्तीर्ण की गई है। सीएससी द्वारा संचालित आधार केंद्रों में एक अतिरिक्त आधार ऑपरेटर को क्रियाशील किया गया है। अगस्त 2025 से सीएससी के अंतर्गत दो ऑपरेटर कार्यरत हैं। उपायुक्त महोदया ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आधार केंद्रों को शीघ्र क्रियाशील करने का निर्देश दिया। साथ ही 100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मृत व्यक्तियों के आधार का सत्यापन कर विलोपन सुनिश्चित करने, 0 से 5 वर्ष के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य करने तथा 18 वर्ष की आयु पर आधार बनवाने हेतु जन्म प्रमाण पत्र एवं वोटर आईडी को अनिवार्य करने के निर्देश दिए। लंबित आधार सत्यापन मामलों के समयबद्ध निष्पादन पर भी विशेष जोर दिया गया। बैंक में संचालित आधार केंद्र को भी क्रियाशील करने की बात कहीं। बैठक में जिला यू०डी०आई० पदाधिकारी, जिला अग्रणी प्रबंधक, सीएससी मैनेजर, सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

श्री श्याम सेवा मंडल के महोत्सव की निशान यात्रा व जागरण की तैयारियां पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : श्री श्याम सेवा मंडल कोडरमा के प्रथम वार्षिक महोत्सव को लेकर 19 और 20 जनवरी को लेकर कोडरमा ब्लॉक मैदान में भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। 19 जनवरी को अड्डी बांग्ला दुर्गा मंडप प्रांगण से भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। जो कोडरमा स्टेशन रोड, झंडा चौक, रांची-पटना रोड, महाराणा प्रताप चौक होते हुए सर्विस रोड के माध्यम से इंदरवा चौक पहुंचेगी और अंत में ब्लॉक मैदान में संपन्न होगी। यहां श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। वहीं 20 जनवरी को दोपहर 3 बजे से भव्य जागरण का आयोजन होगा. जिसमें पहले स्थानीय कलाकार प्रस्तुति देंगे. इसके बाद शाम 7 बजे से देश के प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल भजनों की रसधारा बहाएंगे। हजारों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व यातायात व्यवस्था की है। शहर के कई स्थानों पर बैरिकेडिंग व ड्रॉप गेट लगाए जा रहे हैं. ताकि कार्यक्रम स्थल के आसपास वाहनों का प्रवेश रोका जा सके और भीड़ प्रबंधन सुचारु रहे। श्याम सेवा मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार व बबलू सिंह ने बताया कि मंडल की ओर से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिए 50 बाउंसर तैनात किए गए हैं. जबकि कोडरमा पुलिस द्वारा करीब 150 पुलिस बल और पांच थाना प्रभारियों की ड्यूटी लगाई गई है। वाहनों के पार्किंग के लिए श्रम कल्याण केंद्र और बाजार समिति के प्रांगण में व्यवस्था की गई है।

लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिए सिमडेगा में 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0' अभियान शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : नालसा के तत्वावधान में झालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में न्याय तक पहुंच के लिए राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0 अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष मध्यस्थता अभियान दो जनवरी से 31 मार्च तक चलेगा। इस अभियान को सफल बनाने को लेकर शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम की अध्यक्षता में मध्यस्थ अधिवक्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सचिव ने बताया कि राष्ट्र के लिए मध्यस्थता 2.0 का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में निपटारा कर आम लोगों को न्याय तक शीघ्र पहुंच प्रदान करना है। अभियान के तहत वैवाहिक विवाद, सड़क दुर्घटना दावा मामले, घरेलू हिंसा,चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा संबंधी मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति विभाजन, बेदखली, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य मध्यस्थता योग्य दिवानी मामलों को शामिल किया गया है। बताया गया कि दो जनवरी से 31 मार्च की अवधि में न्यायालय अपनी कारण सूची से ऐसे मामलों की पहचान करेंगे, जिनके मध्यस्थता के माध्यम से निपटारे की संभावना है। चिन्हित मामलों को विशेष रूप से मध्यस्थता के लिए भेजा जाएगा, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके। सचिव ने कहा कि पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस अभियान के दौरान सप्ताह के सातों दिन मध्यस्थता सत्र आयोजित किए जाएंगे। ये सत्र पूरी तरह ऑफलाइन, ऑनलाइन अथवा हाइब्रिड मोड में संपन्न कराए जा सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा ऑनलाइन मध्यस्थता की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे दूर-दराज के पक्षकारों को भी लाभ मिल सके। बैठक में सचिव मरियम हेमरोम ने मध्यस्थ अधिवक्ताओं से अपील की कि वे सक्रिय भूमिका निभाते हुए अधिक से अधिक मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराने में सहयोग करें।

विधायक की फटकार से जागा प्रशासन, चार माह बाद स्वास्थ्य सहियाओं का मानदेय जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

कुरडेग : प्रखंड की स्वास्थ्य सहियाओं में इन दिनों खुशी की लहर दौड़ गई है। चार माह से बिना किसी ठोस कारण के रोका गया मानदेय आखिरकार भुगतान के लिए खुल गया। यह संभव हो पाया सिमडेगा विधायक भुषण बाड़ा के त्वरित हस्तक्षेप और सख्त रुख के कारण। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुरडेग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी दिलीप कुमार बेहरा द्वारा स्वास्थ्य सहियाओं का मानदेय पिछले चार महीनों से रोका गया था। इस गंभीर मामले को लेकर गुरुवार को स्वास्थ्य सहियाओं ने लिखित शिकायत विधायक भुषण बाड़ा को सौंपी। शिकायत मिलते ही विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कुरडेग सीएचसी प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई और दो दिनों के भीतर हर हाल में भुगतान सुनिश्चित करने का स्पष्ट आदेश दिया। विधायक की फटकार का असर इतना तेज रहा कि प्रभारी ने शुक्रवार से ही मानदेय भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है जब चार महीनों तक सहियाएं भटकती रहीं, तब तक कुरडेग प्रभारी सोया क्यों रहा? और जनप्रतिनिधि की फटकार लगते ही अचानक इतनी फुर्ती कैसे आ गई? इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती जोशीमा खाखा ने दो टूक शब्दों में कहा कि महिला स्वास्थ्य कर्मियों का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई गई, तो आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेंगे। विधायक भुषण बाड़ा की इस सक्रियता से साफ हो गया है कि वे केवल सदन तक सीमित जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि जमीन पर पीड़ितों की आवाज बनने वाले नेता हैं। आज कुरडेग की स्वास्थ्य सहियाएं राहत की सांस ले रही हैं और जनता के बीच यह संदेश गया है कि जब जनप्रतिनिधि सजग हो, तो अन्याय ज्यादा देर टिक नहीं सकता। इस कार्य के लिए सहिया साथियों ने विधायक के प्रती अभार व्यक किया है।

अखिल गोंडवाना सम्मेलन में कमलेश्वर मांझी को मिला 'ओमप्रकाश धुर्वे सम्मान'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : अमरकंटक (मध्यप्रदेश) में आयोजित अखिल गोंडवाना धर्म, संस्कृति एवं साहित्य सम्मेलन में शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गोंडवाना आदिवासी कल्याण एवं विकास मंच, सिमडेगा के संरक्षक तथा गोंडवाना विकास विद्यालय के संस्थापक कमलेश्वर मांझी को अखिल गोंडवाना गोंडी साहित्य परिषद् द्वारा प्रतिष्ठित ओमप्रकाश धुर्वे सम्मान से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन गोंडवाना की समृद्ध परंपरा, संस्कृति, भाषा और साहित्य को संरक्षित करने तथा आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। देशभर से गोंड समाज के विद्वान, साहित्यकार, लेखक, समाजसेवी एवं युवा बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मेलन में गोंड समाज के चारों गढ़ों के राजा भी उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और ऐतिहासिक महत्व और अधिक बढ़ गया। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कमलेश्वर मांझी ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाते हुए आदिवासी बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनका योगदान न केवल सिमडेगा जिले तक सीमित है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ओमप्रकाश धुर्वे सम्मान उनके वर्षों के समर्पण, संघर्ष और सेवा कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है। इस सम्मेलन में सिमडेगा से पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी सहभागिता की तथा क्षेत्र में चल रहे शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया।

सरकारी विद्यालयों में पढ़ानेवाले बच्चों को गुणवतापूर्ण शिक्षा दें : रामधन यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक के निदेशानुसार अच्छे प्रदर्शन करनेवाले स्कूलों में विशेष अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन पूरे जिले में किया गया इस कड़ी में शनिवार को आदर्श मध्य विद्यालय कोडरमा में भी विशेष पीटीएम का आयोजन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार एवं पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रभारी जितेन्द्र सिंह थे। बैठक का आयोजन प्रधानाध्यापक अश्विनी तिवारी एवं एस एम सी अध्यक्ष प्रीति वर्मा की देखरेख में हुआ जबकि संचालन शिक्षक राजेश पाण्डेय ने किया। अभिभावक शिक्षक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामधन यादव ने कहा कि अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मेहनत के कारण ही आज कोडरमा का प्रदर्शन पूरे राज्य में सबसे अच्छा है। यह समन्वय और भी मजबूत बनाकर सरकारी विद्यालयों में पढ़ानेवाले बच्चों को गुणवतापूर्ण शिक्षा दें।विशिष्ट अतिथि डीएस अजय कुमार ने अभिभावक शिक्षक संबंध को कैसे मजबूत बनाकर शिक्षा की गुणवता एवं सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों को दिया जा सकता है ,इस संबंध में वे कई उपाय बतलाए। उन्होंने विद्यालय के प्रदर्शन को सराहते हुए प्रधानाध्यापक को एलुमिनी मीट कराने का निर्देश दिया ताकि विद्यालय से पढ़कर निकले कामयाब छात्र विद्यालय से जुड़कर ना केवल अध्ययनरत बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेंगे अपितु विद्यालय को आर्थिक सहायता देकर संरचनात्मक विकास में भागीदार भी बनेंगे। वही पिरामल के जितेंद्र सिंह ने विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की एवं पिरामल फाउंडेशन से सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले विद्यालय के प्रधानाध्यापक अश्विनी तिवारी के नेतृत्व में मुख्य अतिथि ,विशिष्ट अतिथि सहित सभी अभिभावकों का स्वागत रोली एवं अक्षत का टीका लगाकर, पुष्प वर्षा कर गाजे बाजे के साथ किया गया तथा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को बुके एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में 18अभिभावकों, 6एसएम सी सदस्यों एवं 7 शिक्षकों की शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर, उपस्थिति एवं रेल टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करनेवाले कुल 18 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सिमडेगा में आदिवासी संगठनों का उग्र प्रदर्शन सोमा मुंडा हत्याकांड को लेकर सड़क जाम

सिमडेगा : सोमा मुंडा हत्याकांड के विरोध विरोध में बुलाए गए झारखंड बंद को लेकर समस्त आदिवासी संगठन के बैनर तले शहर के झूलन सिंह चौक के समीप बंद समर्थकों के द्वारा एनएच 143 को जाम किया गया। जाम के कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। इधर जाम की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी रोहित कुमार रजक जाम स्थल पहुंचे और बंद समर्थकों को समझाने का प्रयास किया, इसके बाद बंद समर्थकों ने भी स्वत अपनी गिरफ्तारी देते हुए कहा कि सरकार सोम मुंडा हत्याकांड का निष्पक्ष रूप से जांच करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार करें। मौके पर पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा, आजाद समाज पार्टी कांशीराम सिमडेगा के जिलाध्यक्ष पंकज टोप्पो, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सफी, प्रदेश उपाध्यक्ष फुलजेंसिया बिलुंग, प्रदेश महासचिव शरीफ खान एवं किशोर माझी पतरस एक्का, शिशिर मिंज, प्रदीप टोप्पो आदि उपस्थित थे।

प्रखंड प्रमुख ने किया सदर पंचायत के गांवों का भ्रमण, ग्रामीणों की समस्याओं से हुए अवगत

सिमडेगा : प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज ने सदर पंचायत अंतर्गत कुसुमबेड़ा बैरटोली, नवा टोली, सरइ पहार आदि गांव का भ्रमण किया जिसमें ग्रामीणों ने प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज के समक्ष कई समस्याएं रखी, बैरटोली जाने वाली कच्ची सड़क बदहाल स्थिति में है, जल मीनार भी खराब है, पुलिया भी टुटा हुआ है प्रखंड प्रमुख ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द इन सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि बीते कई वर्षों से कुसुमबेड़ा बैर टोली जाने वाले मार्ग पर बने पुलिया फुटा पड़ा है इसपर किसी ने आज तक ध्यान नहीं दिया जिससे बरसात के दिनों में यह क्षेत्र टापू बन जाता है चार चक्का या तीन चक्का वाहन आने जाने में काफी परेशानी होती है, बीमारी एवं मरिमरखी में कोई वाहन नहीं जा पता है इसलिए इसे अबिलंब बनाने की मांग रखी गई इस पर प्रखंड प्रमुख ने आश्वासन देते हुए कहा कि इसे जल्द से जल्द बनाया जाएगा क्षेत्र की समस्या का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है, साथ ही ग्रामीणों ने गरीब असहाय लोगों के लिए कंबल का वितरण करने का भी आग्रह किया, जिसे प्रखंड प्रमुख ने जल्द से जल्द कंबल बितरन करने की बातें कही।

विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल में बारहवीं के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

कोडरमा : चेचाई, चाराडीह स्थित विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल में विदाई समारोह आयोजित कर बारहवीं के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई। अपनी संस्कृति के अनुसार सभी छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर समारोह हॉल में अभिनन्दन किया गया। तत्पश्चात जूनियर छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर भैया बहनों का स्वागत की। कार्यक्रम में बच्चों को उज्ज्वल भविष्य व बेहतर कैरियर से संबंधित कई अहम बिंदुओं पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि आज कल के बच्चे केवल किताबी ज्ञान तक सीमित हो गए हैं। समग्र ज्ञान प्राप्त करने के लिए नैतिक, आध्यात्मिक व सामाजिक मूल्यों पर चलना पड़ेगा। बच्चे समय का पाबंद बनकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। वहीं प्राचार्य राधेश्याम पंडित ने कहा कि विदाई समारोह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। समय समय पर कई मोड़ पर विदाई होता है। लेकिन विद्यालय से विदाई होना उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होना होता है। विदाई समारोह एक तरह का आशीर्वाद समारोह होता है। बच्चों ने भी अपना अपना अनुभव शेयर करते हुए विद्यालय प्रबंधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया। बच्चों ने नृत्य संगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और मनोरंजक बना दिया। बाकी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिए। अंत में सभी छात्र छात्राओं को भेंट व आशीर्वाद स्वरूप मोमेंटो दिया गया।इस कार्यक्रम में सह निदेशिका खुशबू गुप्ता शिक्षक राहत अली, चंदन कुमार चौधरी, उत्तम कुमार, राजीव रंजन, अनुपम कुमार दास, रविन्द्र कुमार शिक्षिका रानी शर्मा, रिंकी देवी, मनीषा प्रजापति, आरती गुप्ता, माधुरी नंदा इत्यादि उपस्थित थे।

कोडरमा अंतर्गत सभी 15 वार्डो के विभिन्न चौक चौराहे पर हाई मास्ट लाईट लगाया जाय : महेश

कोडरमा : कोडरमा बचाओ संघर्ष समिति (ङइरर) के महेश भारती नप क्षेत्र कोडरमा भावी अध्यक्ष प्रत्याशी ने शनिवार को नगर प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा से मिलकर नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्र अंतर्गत सभी 15 वार्डो के गांव मोहल्ला के विभिन्न चौक चौराहे पर हाई मास्ट लाईट लगाने को लेकर मांग किए जिसपर प्रशासक ने तुरंत संज्ञान में लिया और कहा कि इस पर काम चल रहा है सभी वार्डो के पार्षदों से लिस्ट मांगा गया है साथ ही अपने स्तर से चौक चौराहे को भी चिन्हित किया जा रहा है जल्द ही हाई मास्ट लाइट लगवाने का कार्य शुरू किया जा रहा है। वही भारती ने कहा कि झारखंड की बिजली रानी की काफी दयनीय स्थिति है। आए दिन खास कर रात में अनियमित बिजली कटौती होते रहती है जिसके कारण शहर के विभिन्न वार्डो के गांव मोहल्ला के चौक चौराहे पर अंधेरा छा जाता है जिसके कारण आम राहगीरों को आने जाने में काफी दिक्कत होती है साथ ही लोग असुरक्षित महसूस करते हैं और डर का साए मे रहा करते है। इसलिए शहर में सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर रौशनी की जरूरत है। साथ ही हाई मास्ट लाईट लगाने से रात में दुर्घटनाओं और अपराधों को कम करने में मदद करती हैं।

एक नजर

चुटुपालू घाटी में टकराया ट्रेकर, पिकअप वैन और बस, बाल-बाल बचे यात्री

रामगढ़ : रांची-पटना एनएच 33 पर रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में शनिवार को एक बड़ी घटना टल गई। रांची से रामगढ़ आ रहे यात्रियों से भरा ट्रेकर (बीआर 14 पी 1499), पिकअप वैन संख्या (जेएच 14 एम 5191) और बस संख्या जेएच 09 बीटी 1686 आपस में टकरा गए। घटना के बाद रांची से रामगढ़ आने वाली मार्ग करीब तीन घंटे तक अवरुद्ध हो गई। हालांकि इस घटना में ट्रेकर और बस में सवार यात्री बाल-बाल बच गए। वही, ट्रेकर में सवार मात्र एक यात्री चितरपुर निवासी 60 वर्षीय बंधु चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें एनएचएआई के एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर, घटना सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सड़क से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया, जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से चालू हो सका।

पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : पोटका थाना क्षेत्र के हाता चौक के पास पुलिस ने दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में कवाली थाना क्षेत्र के ओडिशा रोड निवासी सागर मंडल (21) और पोटका थाना क्षेत्र के मिलन मंडल (22) शामिल हैं। उनके पास से तीन ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोबाइल बरामद किया गया है। शनिवार को ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि पुलिस हाता चौक के प्राचीन गुरुकुल आश्रम के पास मारपीट कर रहे तीन युवकों को पकड़ने गई थी। पुलिस को देख सभी भागने लगे, लेकिन बाद में दो युवकों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान इनके पास से ब्राउन शुगर बरामद हुई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सागर मंडल का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। फिलहाल दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने सरिया में 16 योजनाओं और कर्णोडीह हाई स्कूल में बाउंड्री वॉल का किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने बगोदर विधायक नागेंद्र महतो के साथ मिलकर सरिया थाना क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी। उन्होंने सरिया थाना क्षेत्र के कणोर्डीह हाई स्कूल में चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) निर्माण का शिलान्यास किया। इसके बाद वे सरिया नगर पंचायत पहुंचीं, जहां उन्होंने कुल 16 विभिन्न योजनाओं का संयुक्त रूप से शिलान्यास किया। कार्यक्रम की शुरूआत कणोर्डीह हाई स्कूल से हुई, जहां मंत्री महोदया ने स्कूल परिसर में सुरक्षित एवं सुंदर बाउंड्री वॉल बनाने के लिए शिलान्यास किया। यह निर्माण छात्रों की सुरक्षा और स्कूल के बेहतर माहौल के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिलान्यास के बाद अन्नपूर्णा देवी सरिया नगर पंचायत पहुंचीं, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।यहां उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विकास कार्यों से क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और जीवन स्तर में सुधार होगा। संबोधन के पश्चात सांसद महोदया और विधायक नागेंद्र महतो ने संयुक्त रूप से सिलापट (शिलान्यास पट्टिका) का अनावरण किया। इन 16 योजनाओं में विभिन्न क्षेत्रों जैसे सड़क, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य शामिल हैं, जिनसे सरिया नगर पंचायत और आसपास के इलाकों को व्यापक लाभ होगा। यह कार्यक्रम विकास और जन-कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। स्थानीय लोगों ने मंत्री और विधायक का जोरदार स्वागत किया तथा इन योजनाओं के शीघ्र पूर्ण होने की उम्मीद जताई। मौके पर मनीष कुमार मंडल, विनोद यादव, बबलू मंडल, अजय यादव, नकुल मंडल, देवनाथ राणा, प्रहलाद सिंह, गजाधर यादव, युधिष्ठिर मंडल, लक्ष्मण राम, सुखदेव दास, अशोक तुरी, केदार मोदी, शिवधन मंडल, शैलेश कुमार, हरिहर मंडल, रामचंद्र मंडल, गोपाल यादव, नकुल पांडे, परमेश्वर मोदी, सचीन सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत विविध जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन थीम पर आज दिनांक 17 जनवरी, 2026 को जिला सरायकेला-खरसावां में सड़क सुरक्षा के प्रति आमजनों को जागरूक करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जिले के अत्यंत भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र जायदा मंदिर मेले परिसर में नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) का मंचन किया गया, जिसके माध्यम से सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने के संबंध में संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त आम नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट का वितरण कर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से पतंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही जिले के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर आमजनों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। उक्त कार्यक्रमों में जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, चांडिल, मोटरयान निरीक्षक सहित सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

खाद-बीज विक्रेता संघ की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : खाद-बीज विक्रेता संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक विनायक होटल में आयोजित की गई। बैठक में जिले भर से आए खाद एवं बीज विक्रेताओं ने भाग लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से मनीष कुमार सिंह को संघ का नया अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद उपस्थित सदस्यों ने मनीष कुमार सिंह को बधाई दी और उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। बैठक को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह ने कहा कि खादझबीज विक्रेताओं की समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराना संघ का मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही विक्रेताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन से समन्वय स्थापित कर ठोस पहल की जाएगी। बैठक में खाद और बीज की आपूर्ति, मूल्य नियंत्रण, लाइसेंस संबंधी समस्याओं और किसानों को जागरूक करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। सदस्यों ने सुझाव दिया कि संघ को और मजबूत बनाकर जिले में कृषि व्यवस्था को बेहतर किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

राजस्व कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर इटखोरी अंचल अधिकारी को डीसी ने किया सम्मानित

चतरा : चतरा जिले के इटखोरी प्रखंड में राजस्व कार्यों के बेहतर निष्पादन एवं उत्कृष्ट प्रशासनिक प्रदर्शन को लेकर इटखोरी की अंचल अधिकारी सविता सिंह को उपायुक्त कृतिश्री जी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें राजस्व मामलों के त्वरित निपटारे, पारदर्शिता और जनहित से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। अंचल अधिकारी सविता सिंह के कार्यकाल में दाखिल-खारिज, भूमि मापी, लगान वसूली, ऑनलाइन सेवाओं के समयबद्ध निष्पादन तथा आम जनता की शिकायतों के समाधान में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। उनके नेतृत्व में राजस्व कर्मियों ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया, जिससे आम नागरिकों को राहत मिली। उपायुक्त कृतिश्री जी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि सविता सिंह का कार्य अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का उदाहरण है। ऐसे अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करते हैं और जनता का विश्वास मजबूत करते हैं। उन्होंने अन्य पदाधिकारियों से भी इसी तरह समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की।

सीबीएसई कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत शिक्षकों को मिला एआई का प्रशिक्षण

रामगढ़ : शहर के बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, प्रशिक्षक आशुतोष कुमार गौतम और देव मधु, वरिष्ठ आचार्य महेश्वर महतो और दिनेश महतो ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने शिक्षा में तकनीकी नवाचारों की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की शिक्षा का आधार है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से सशक्त बनाते हुए शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और नवाचारपूर्ण बनाना था। प्रशिक्षण सत्रों में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूल अवधारणाएं, कक्षा शिक्षण में इसके व्यावहारिक उपयोग, डिजिटल टूल्स, मूल्यांकन प्रक्रिया में तकनीक की भूमिका और नैतिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को एआई को पाठ्यक्रम से जोड़ने के प्रभावी तरीका भी बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर, रामगढ़ और सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा प्रोजेक्ट के कुल 60 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे वे अपने शिक्षण को अधिक रोचक, प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बना सकेंगे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से कहा गया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को समय के साथ अद्यतन रखने के साथ-साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-संवर्धित शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

जमशेदपुर में बढ़ते अपराध और अपहरण पर भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : राज्य की औद्योगिक राजधानी के रूप में पहचाने जाने वाले जमशेदपुर में इन दिनों अपराध का ग्राफ लगातार चिंताजनक स्तर पर पहुंचता जा रहा है। ध्वस्त होती विधि-व्यवस्था, बढ़ते आपराधिक घटना और शहर में हो रही अपहरण जैसी गंभीर वारदातों को लेकर आमजन में भय का माहौल है। इन हालातों के विरोध में राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने शासन-प्रशासन के खिलाफ निर्णायक मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में हजारों कार्यकताओं ने प्रशासन की नाकामी के खिलाफ सड़क पर उतरकर एसएसपी कार्यालय के समक्ष आक्रोश-प्रदर्शन कर विरोध जताया। कार्यकताओं ने साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर जिला प्रशासन की निष्क्रियता और झामुमो-कांग्रेस सरकार की उदासीनता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोश प्रदर्शन में सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, विधायक पूर्णिमा साहू, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले समेत कई प्रमुख नेताओं एवं कार्यकताओं ने शामिल होकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। आक्रोश प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि जमशेदपुर में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध, छिनतई, नशा के कारोबार, चोरी और अपहरण की घटनाओं ने पूरे शहर को दहशत में डाल दिया है। यह स्थिति चिंताजनक है कि औद्योगिक नगरी जमशेदपुर, जो शांति, अनुशासन और मेहनतकश लोगों के लिए जानी जाती थी, आज अपराधियों की गिरफ्त में जाती दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में जिस तरह अपराधी बेलगाम हुए हैं, उससे आम नागरिक और व्यापारी और उद्योग जगत भी भयभीत हैं। झामुमो-कांग्रेस सरकार की उदासीनता और पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता ने अपराधियों का मनोबल बढ़ा दिया है। यदि यही हालात बने रहे तो एक शांत औद्योगिक शहर अपराधियों के हवाले हो जाएगा। झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि झामुमो गठबंधन सरकार के ह्यअबुआ राजह्न में राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। चोरी, डकैती, हत्या और अपहरण की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास के पास से एक युवा उद्यमी का दिनदहाड़े अपहरण होना सरकार और पुलिस प्रशासन की गंभीर विफलता को दशार्ता है। इससे स्पष्ट है कि अपराधियों का मनोबल बढ़ चुका है और उन्हें कानून का कोई भय नहीं है। डॉ गोस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य में बालू तस्करी, अवैध लॉटरी और पशु तस्करी पर सरकार पूरी तरह नियंत्रण खो चुकी है। संगठित अपराध खुलेआम फल-फूल रहे हैं, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार से अपराध पर तत्काल प्रभावी नियंत्रण लगाने और जमशेदपुर से अपहृत युवा उद्यमी को शीघ्र सकुशल मुक्त कराने की मांग की।

नगरपालिका निर्वाचन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने की कोषांगों की समीक्षा

खूंटी : नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के सफल आयोजन को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में सभी गठित कोषांगों के वरीय पदाधिकारी और प्रभारी एवं सहायक प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान नगरपालिका निर्वाचन कोषांग, कार्मिक कोषांग, मतपत्र और मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, परिवहन कोषांग, विधि-व्यवस्था सह आचार संहिता कोषांग, हेल्पलाइन एवं जन शिकायत कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग के सुचारु संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी कोषांगों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने स्तर पर बैठक आयोजित कर सभी तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें, ताकि निर्वाचन की अधिसूचना जारी होते ही सभी कोषांग पूर्ण रूप से सक्रिय होकर कार्य प्रारंभ कर सकें।

कार्यालयः—वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115, Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 08.12.2025 को गुप्त सूचना के आधार पर घाघरा—गुमला मुख्य मार्ग पर ग्राम—खरखा, थाना—गुमला के चौराहा के समीप में 01 जामुन तथा 07 आम बोटा सहित एक पीकअप सं0—JH01AD2039 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर गुमला वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी—सह—वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वाहन के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 29.01.2026 को प्राधिकृत पदाधिकारी—सह—वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

:—वन है,तो जीवन है—:

प्राधिकृत पदाधिकारी,
—सह—वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल।

PR 370891 (Forest, Environment and Climate Changes) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, राँची

Un-Tied मद अन्तर्गत

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 — 36/2025—26

1. विज्ञापनदाता का नाम :— कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,राँची।
2. परिमाण विपत्र, बिक्री की तिथि/स्थान :— दिनांक 29.01.26 को 2.00 बजे तक। विकास भवन, राँची।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि/स्थान :— दिनांक 30.01.26 को 3.00 बजे अपराह्न तक जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि :— दिनांक 30.01.26 को 3.30 बजे अपराह्न ।
5. कार्य का विवरण।

क्र0 स0/ ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि/ प्रशासनिक स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	यंत्र सयंत्र का स्वामित्व
1	2	2	4	5	6	7	8
1	काँके	काँके ब्लॉक चौक में कचरा शेड एवं गेट का निर्माण कार्य।	20,18,900.00	**40,500/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
2	रातू	रातू पंचायत—फुटकलटोली के ग्राम—पिर्रा रोड नं0 3 में मंगरी उराईन के घर से डॉ इरफान के घर तक पथ का निर्माण कार्य।	13,10,700.00	**26,500/-**	**2500/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
3	काँके	अटल मार्ग बाजपेयी नगर, अरसण्डे में 183 मीटर पथ का निर्माण कार्य।	15,11,100.00	**30,500/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
4	नामकुम	पिंडारकोम मौजा में केजरीवाल मेनेजमेंट कॉलेज के पीछे चुडु मंखिया जी के घर के बगल से पूर्व दिशा में (शिवशक्ति नगर) स्थित पथ का निर्माण कार्य।	9,13,100.00	**18,500/-**	**1250/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
5	रातु	पंचायत—सुण्डिल ग्राम—बसाई टोला मुख्य पथ होरिल साव के घर से होते हुए सतीश साव के घर तक भाया धीरेन्द्र गुप्ता के घर होते हुए राजेन्द्र साव एवं कामेश्वर जी के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	28,30,600.00	**57,000/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
6	रातु	पंचायत—चटकपुर मोहल्ला शिव मंदिर के पीछे चंद्रिका साव के घर से बिरेन्द्र शर्मा के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	17,78,100.00	**36,000/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
7	रातू	रातू पंचायत रातू पूर्वी भगवान परशुराम नगर में गुरूचरण मोटर गैराज से होते हुए ब्रजेश साहु भाया राम प्रसाद साहू के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	24,68,500.00	**50,000/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
8	अनगड़ा	ग्राम—सिरका में महेशपुर बगान टोली में रवि नायक के घर से झोलो नायक के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	15,32,800.00	**31,000/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप
9	ओरमांझी	ग्राम—कोयरी टोला में प्याऊ, महिला स्नानागार एवं शौचालय का निर्माण डीप बोरिंग सहित।	18,65,100.00	**37,500/-**	**5000/-**	तीन माह	कार्य के अनुरूप

नोट : 1. Tender Fee, अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत, पैन, GST Certificate, Up To date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र को स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र (BOQ) निर्गत किया जायेगा।
2. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग झारखण्ड राँची के संचिका सं0 प0नि0वि0/विविध 06—33/2007 (अंश — 1) 2146 (5) दिनांक 09.09.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध करायें।

कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0 — 1, राँची

PR 370977 NREP (25-26)_D

राम मेला में उमड़ा जनसैलाब, सांस्कृतिक कार्यक्रम व टुसु रहा आकर्षण का केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के सपादा सुवर्ण रेखा नदी तट पर आयोजित प्राचीन राम मेला का उद्घाटन आजसू के केन्द्रीय महासचिव हरेलाल महतो, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू, प्रखंड प्रमुख प्रतिमा वाला सिंह पातर, थाना प्रभारी कौशल कुमार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कृतिवास महतो,पूर्व मुखिया तपन सिंह मुण्डा, मेला समिति अध्यक्ष भूतनाथ सिंह मुण्डा आदि ने फीता काट कर किया। मेला में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। मेला समिति द्वारा अतिथियों एवं पत्रकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम में दर्शक जमकर झुमे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक झलक पाने को लोग बेताब देखें गए। वहीं मेला में तीस फीट और 40 फीट ऊंची चौडल नुमा टुसु आकर्षक का केंद्र रहा। मेला समिति द्वारा टुसु चौडलों को पुरस्कृत भी किया गया। आजसू के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि टुसु मेला हमारी संस्कृति और पहचान है,इसे बचाए रखना सबों का कर्तव्य है। वहीं पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि राम मेला का एक अलग पहचान व महत्व है, जिससे झारखंड और बंगाल के हजारों लोग उपस्थित होते हैं। उन्होंने लोगों को अपनी संस्कृति को बचाए रखने का अपील किया।मौके पर जिप उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, उप प्रमुख मोहम्मद एकराम , मुखिया रामलाल सिंह, पूर्व मुखिया तपन सिंह मुण्डा,समिति के मदन सिंह मुण्डा, बृंदावन प्रामाणिक, आजसू प्रखंड अध्यक्ष अरूण कुमार महतो ,शशधर सिंह मुण्डा, गौरांग प्रामाणिक,सिदाम कालीन्दी आदि उपस्थित थे।

हिंदू होने का मर्म है विविधता में एकता और आत्मभूतेषु भाव

भारत एक देश होने के साथ ही एक चेतना है, एक संस्कार है, एक जीवन दृष्टि है। यह वह भूमि है जहां हजारों वर्षों से मानवता को जीने की कला सिखाई गई, जहां विविधता को शक्ति के रूप में देखा गया और जहां अंतःचेतना को ही एकता के लिए समाज की आधारशिला बनाया गया। इसी भारत के स्व को स्वर देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने आज जो कहा है, वह हम सभी के लिए गहन रूप से विचारणीय है। वस्तुतः ये भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाला वैचारिक उद्घोष है। जिसमें कि उनके शब्द हर हिंदू, हर सनातनी और हर भारतवासी के भीतर यह भाव जगाते हैं कि इस राष्ट्र का चरित्र हमारे आचरण से बनता है और इसकी जिम्मेदारी हमारे कंधों पर है। डॉ. भागवत का यह कथन है कि भारत एक भौगोलिक इकाई से ऊपर एक चरित्र है, जोकि भारतीय सभ्यता के मूल स्वभाव को रेखांकित करता है। भारत की पहचान उसकी सीमाओं से अधिक उसके संस्कारों से है। यदि भारत में कुछ अच्छा होता है तो उसका श्रेय भी हिंदू समाज को जाता है और यदि कुछ गलत होता है तो उत्तरदायित्व भी उसी पर आता है। कहना होगा कि भागवत जी का ये कथन किसी श्रेष्ठता का दावा नहीं है, वस्तुतः एक गहन दायित्वबोध है। यह हमें स्मरण कराता है कि बहुसंख्यक होना अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है। हिंदू समाज की परंपरा मूलतः समावेशी रही है। यहां कभी एकरूपता थोपने का प्रयास नहीं हुआ। यहां विचार, पूजा पद्धति, जीवन शैली, भाषा और खानपान की असंख्य धाराएं साथ-साथ बहती रहीं और ये सतत है। किसी ने शंकर को पूजा, किसी ने राम को, किसी ने शक्ति को, किसी ने निराकार को, फिर भी समाज बिखरा नहीं। यही कारण है कि भारत में शैव, वैष्णव, शाक्त, बौद्ध, जैन और सिख परंपराएं टकराव नहीं, सह-अस्तित्व का उदाहरण बनीं। डॉ. भागवत जब कहते हैं कि हिंदू समाज ने विविधता को कभी संघर्ष का कारण नहीं बनने दिया, तो वे इतिहास के सत्य को दोहराते हैं। सदियों के आक्रमण, शोषण और सांस्कृतिक आघातों के बावजूद भारत की मूल चेतना सुरक्षित रही क्योंकि उसका आधार समावेश है। भारत की विविधता में एकता सिर्फ आदर्श वाक्य नहीं है, यह भारत का चरित्र और सामाजिक यथार्थ है। 2011 की जनगणना बताती है कि देश में 22 आधिकारिक भाषाएं हैं और हजारों बोलियां जीवित हैं। समाजशास्त्रीय अध्ययनों के अनुसार चार हजार से अधिक जाति और उपजातीय समूह भारत में मौजूद हैं, फिर भी एक सांस्कृतिक सूत्र पूरे समाज को बांधे रखता है। दीपावली, होली, रामनवमी, मकर संक्रांति जैसे पर्व किसी एक वर्ग के नहीं, पूरे समाज के उत्सव बन जाते हैं। यही वह भारत है, जहां भिन्नता के बावजूद एकत्व का अनुभव होता है। वर्ष 2021 के प्यू रिसर्च अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि भले ही सामाजिक संरचनाओं में अभी चुनौतियां हैं, लेकिन समरसता और समानता की दिशा में प्रयास निरंतर बढ़ रहे हैं। कहना होगा कि इस समावेशिता की जड़ें भारतीय दर्शन में हैं। उपनिषदों का आत्मभूतेषु भाव, अर्थात सभी प्राणियों में एक ही आत्मा का दर्शन, हिंदू चिंतन की रीढ़ है। सर्वं खल्विदं ब्रह्म और अहं ब्रह्मास्मि जैसे महावाक्य व्यक्ति को धार्मिक के साथ ही उसे सामाजिक रूप से भी उदात्त बनाते हैं। जब मनुष्य सभी में स्वयं को देखने लगता है, तब भेदभाव स्वतः समाप्त होने लगता है। डॉ. भागवत का जाति, भाषा और व्यवसाय से ऊपर उठकर मित्रता करने का आह्वान इसी दर्शन का सामाजिक रूपांतरण है। यह वास्तव में व्यवहारिक सामाजिक सुधार का मार्ग है। यहां यह भी बताना होगा कि हिंदूत्व का यह दर्शन अध्यात्म तक सीमित नहीं है। यह शासन, समाज और अर्थव्यवस्था तक बहुत विस्तृत है। इसी क्रम में डॉ. भागवत का आत्मनिर्भरता पर जोर अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय उत्पादों के उपयोग का आग्रह आर्थिकता के साथ ही सांस्कृतिक स्वाभिमान से जुड़ा विषय है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत मार्च 2025 तक 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश, 16.5 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और बिक्री तथा लगभग 12 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

सूडोकु नवताल- 7678

✶✩✩✩✩ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7677 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दशार्ता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फडणवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुडाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फडणवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है।

बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। "मराठी मानुष" जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

स्क्रीन के उजाले में बुझती युवा संवेदनाएं

डॉ. संध्या एस चौकसे

आज का भारत युवाओं का भारत है। यही युवा देश की रीढ़ हैं और भविष्य की नींव भी, किंतु विडंबना यह है कि जिन हाथों में कलम किताबें औजार और रचनात्मकता होनी चाहिए, उन्हीं हाथों में आज हर पल एक चमकती हुई स्क्रीन दिखाई देती है। मोबाइल फोन! जिसने दुनिया को हमारी मुट्ठी में समेट दिया, वही अब हमारी संवेदनाओं संबंधों और संतुलन को चुपचाप निगलता जा रहा है। ऐसे में आज मोबाइल आधुनिकता का प्रतीक भर नहीं रहा है, वह घटती मानवीय संवेदनशीलता का सबसे स्पष्ट चेहरा बन चुका है।

डिजिटल क्रांति ने शिक्षा संचार और सूचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर दिए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं। परंतु जब उपयोग की सीमा टूटती है तब वही साधन विनाश का कारण बन जाता है। भारत में आज युवा वर्ग मोबाइल लत का सबसे बड़ा शिकार है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार भारत में लगभग 50 प्रतिशत युवा किसी न किसी रूप में मोबाइल पर निर्भरता या लत के लक्षण दिखा रहे हैं। विश्व स्तर पर लगभग 6.9 प्रतिशत आबादी स्मार्टफोन लत से ग्रस्त मानी जाती है जिसमें भारतीय युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये आंकड़े आज उस गहरी सामाजिक समस्या की चेतावनी हैं जो हमारे सामने खड़ी है।

हाल के वर्षों में मोबाइल से जुड़ी हिंसक और आत्मघाती घटनाएँ समाज को झकझोरने वाली हैं। ओडिशा के जगतसिंहपुर में 21 वर्षीय छात्र द्वारा मोबाइल देखने से रोके जाने पर अपने माता-पिता और बहन की हत्या कर देना। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में किशोर का अपने माता-पिता पिता द्वारा हर वक्त मोबाइल में डूबे रहने से मना किए जाने पर लोहे की छड़ से उन पर हमला कर देना, जिसमें कि पिता की जान किसी तरह बच सकी, लेकिन मां की जान चली गई। राजस्थान के जयपुर में तेरह साल की एक बच्ची को उसके माता-पिता ने मोबाइल देखने से मना किया और इससे गुस्साई उस बच्ची ने पहले अपने हाथ की नस काट ली, तो उसके अभिभावकों ने इलाज करा कर उसे बचा लिया। मगर अगले ही दिन उसने नदी में कूद कर जान दे दी। छत्तीसगढ़ और सरगुजा की घटनाएँ यह दशार्ती हैं कि मोबाइल अब आदत नहीं रहा बल्कि कई युवाओं के लिए भावनात्मक नियंत्रण का केंद्र बन चुका है। जब मोबाइल उनसे दूर होता है तो उन्हें लगता है जैसे उनका अस्तित्व ही छिन गया हो।

युवा अवस्था लक्ष्य अनुशासन और निर्माण की होती है। परंतु मोबाइल की अंतहीन दुनिया युवाओं को लक्ष्यहीनता की ओर धकेल रही है। घंटों तक रील्स गेम्स और चैट में उलझे रहना पढ़ाई कौशल विकास और शारीरिक गतिविधियों का समय छीन रहा है। अध्ययनों के अनुसार औसतन भारतीय युवा प्रतिदिन चार से छह घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिताते हैं जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन किशोरों के लिए दो घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम को हानिकारक मानता है। इस असंतुलन का परिणाम है एकाग्रता में कमी धैर्य का अभाव और त्वरित आनंद की मानसिकता।

मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल का प्रभाव अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली तथाकथित परफेक्ट लाइफ की तस्वीरें युवाओं को निरंतर तुलना के जाल में फँसा देती हैं। लाइक और फॉलोअर्स आत्म मूल्यांकन का पैमाना बन जाते हैं। शोध बताते हैं कि जो किशोर प्रतिदिन चार घंटे से अधिक मोबाइल का उपयोग करते हैं उनमें अवसाद के लक्षण 60 प्रतिशत तक अधिक पाए जाते हैं। मोबाइल लत चिंता अवसाद और नींद विकारों की संभावना को दो से तीन गुना तक बढ़ा देती है। अनिद्रा चिड़चिड़ापन और निर्णय लेने में कठिनाई आज सामान्य समस्याएँ बन चुकी हैं।

सामाजिक अलगाव इस संकट का दूसरा गंभीर पहलू है। आभासी संवाद ने वास्तविक रिश्तों की जगह ले ली है। एक सर्वे के अनुसार मोबाइल के कारण माता पिता और बच्चों के बीच औसत संवाद समय घटकर मात्र दो मिनट रह गया है। जब परिवार में संवाद टूटता है तो भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि मोबाइल लत से ग्रस्त किशोरों में सामाजिक समर्थन की कमी 25 से 30 प्रतिशत अधिक पाई गई है। यह कमी उन्हें आत्मघाती विचारों और आत्म हानि की ओर धकेल सकती है।

शारीरिक स्वास्थ्य भी इस डिजिटल लत से अछूता नहीं है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों में जलन सिरदर्द गर्दन और पीठ दर्द आम समस्याएँ बन गई हैं। देर रात तक मोबाइल उपयोग से नींद का चक्र बिगड़ता है जिससे हार्मोनल असंतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आती है। खेलकूद और शारीरिक श्रम की जगह बैठकर मोबाइल चलाने की आदत मोटापा आलस्य और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को बढ़ावा दे रही है।

नैतिक और भावनात्मक स्तर पर मोबाइल का प्रभाव और भी चिंताजनक है। इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध अश्लीलता हिंसा और नकारात्मक सामग्री युवाओं की सोच को प्रभावित कर रही है। बार-बार हिंसक दृश्य देखने से संवेदनशीलता घटती जाती है और दूसरों के दुख दर्द के प्रति सहानुभूति कम होती है। साइबर बुलिंग ट्रोलिंग और नफरत भरे संदेश युवाओं को आक्रामक और असहिष्णु बना रहे हैं। त्वरित संतुष्टि की आदत धैर्य जिम्मेदारी और त्याग जैसे मूल्यों को कमजोर कर रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल दोधारी तलवार बन गया है। एक ओर ऑनलाइन संसाधनों ने सीखने को आसान बनाया है वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित उपयोग पढ़ाई में बाधा बन रहा है। नोटिफिकेशन और चैट के बीच गहन अध्ययन संभव नहीं रह जाता। कॉपी पेस्ट संस्कृति मौलिक सोच और विश्लेषण क्षमता को नुकसान पहुँचा रही है। इससे दीर्घकालीन बौद्धिक विकास प्रभावित हो रहा है और युवा शॉर्टकट की मानसिकता के शिकार बनते जा रहे हैं। साइबर अपराध भी युवाओं के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। फर्जी प्रोफाइल ऑनलाइन ठगी डेटा चोरी और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाएँ युवाओं को मानसिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुँचा रही हैं। निजी तस्वीरों और जानकारी का दुरुपयोग गोपनीयता के हनन को बढ़ावा दे रहा है। अनुभवहीनता के कारण युवा अक्सर इन जालों में फँस जाते हैं।

इस परिस्थितियों में ध्यान यही आता है कि डिजिटल डिटॉक्स आज समय की आवश्यकता बन चुका है। सप्ताह में कुछ घंटे या एक दिन मोबाइल से दूरी मानसिक शांति और संतुलन प्रदान कर सकती है। स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय करना उद्देश्यपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। माता पिता को स्वयं उदाहरण बनना होगा और बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा। शैक्षणिक संस्थानों को खेलकूद कला और पुस्तक पाठ जैसी ऑफलाइन गतिविधियों को पुनः केंद्र में लाना होगा। अंततः यह समझना जरूरी है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने स्वामी नहीं यही संतुलन का मूल मंत्र है। यदि आज हमने अपने युवाओं को स्क्रीन से ऊपर उठकर संवेदनशील अनुशासित और जिम्मेदार बनाना नहीं सिखाया तो कल यह डिजिटल सुविधा हमें मानवीय शून्यता की ओर ले जा सकती है।

(लेखिका सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

ईरान का इस्लामिक दुनिया से रिश्तों का जटिल जाल

विवेक शुक्ला

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। पर ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा "शिया विस्तारवादी" के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका के कठपुतली मानता है। 1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं।

सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है। उन्हें खानपान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है।

इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके। लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को "जैश उल अदल" नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिए। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे।

ओआईसी में ईरान की स्थिति

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं। ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया। उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं।

फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा। ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है।

आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैंः लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ "प्रतिरोध" प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन से भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं।

दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है लेकिन कई मुस्लिम राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं क्योंकि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है।

दैनिक पंचांग

18 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

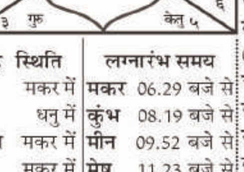

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	मकर	06.29 बजे से
चंद्र	धनु में	कुंभ	08.19 बजे से
मंगल	मकर में	मीन	09.52 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.03 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	15.01 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.15 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.31 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.43 बजे से
		तुला	23.53 बजे से
		वृश्चिक	02.08 ब.से
		धनु	04.24 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 18 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या 01.22 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 10.14 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 21.11 बजे को समाप्त।
करण चतुष्पद 12.46 बजे तदनन्तर नाग 01.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872593
जूलियन दिन 2461058.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 28
विशेष माघ अमावस्या, मौनी अमावस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

सड़क सुरक्षा समाज के प्रत्येक नागरिक की है जिम्मेदारी : एसपी

रामगढ़ : जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अभियान चलाया गया। शनिवार को इनरव्हील क्लब और यातायात पुलिस के सहयोग से एक विशेष जागरूकता और हेलमेट वितरण अभियान चलाया गया। शहर के सुभाष चौक पर आयोजित अभियान में एसपी अजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित थे। एसपी अजय कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। हेलमेट पहनने से न केवल कानून का पालन होता है, बल्कि यह दुर्घटना की स्थिति में अनमोल जीवन की रक्षा करता है। इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ की ओर से यातायात पुलिस के सहयोग से चलाया गया यह जागरूकता और हेलमेट वितरण अभियान अत्यंत सराहनीय है। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे वाहन चालकों को रोककर इनरव्हील क्लब की ओर से नि:शुल्क हेलमेट वितरित किया गया। इस पहल का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के बजाय मानवीय, सकारात्मक और प्रेरणादायी दृष्टिकोण अपनाते हुए वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के दौरान इनरव्हील क्लब की सदस्यों ने वाहन चालकों को समझाया कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन की रक्षा करने वाला सबसे प्रभावी सुरक्षा साधन है। वहीं उपस्थित यातायात पुलिस अधिकारियों ने भी आम नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए सदैव हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाएं।

हत्या के बाद जलाए गए शव की पहचान चचेरे भाई पर हत्या की आशंका

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा गांव में पत्थर से कुचलकर हत्या कर जलाए गए शव की पहचान मेदिनीनगर के आबादगंज निवासी शंकर राम (42) के रूप में हुई है। पत्नी रीमा देवी ने शव की पहचान की। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। मौके पर पत्नी के अलावा मुहल्ले के कई लोग मौजूद थे। पत्नी ने हत्या की आशंका अपने चचेरे देवर राहुल कुमार पर जताई है। चचेरा देवर बार-बार जमीन की रसीद मांगता था और इसे लेकर विवाद भी करता था। शंकर राम अपनी बेटी के साथ बायपास रोड में भू अर्जन कार्यालय के क्वार्टर में रहता था। 15 जनवरी की सुबह घर से निकला था। उसके बाद से उसका कोई अता-पता नहीं चल पा रहा था। उसकी पत्नी रीमा देवी रांची में रहकर चौका बर्तन का काम करती है। सोशल मीडिया के माध्यम से महिला ने पति का शव देखा। इसके बाद उसने बेटी से फोन पर बात की। शुक्रवार की रात रांची से डालटनगंज पहुंचकर उसने पोस्टमार्टम हाउस में पति के शव की पहचान की। वहीं महिला के बयान के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पत्नी ने बताया कि बहला फुसलाकर पति को चैनपुर के गुरहा की ओर ले जाया गया होगा और शराब पिलाने के बाद मौका देखकर हत्या कर दी गयी होगी। महिला ने पुलिस प्रशासन से मामले में जल्द स्थिति स्पष्ट करने की गुहार लगायी है। इधर, चैनपुर के थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि शव की पहचान आबादगंज हरिजन मुहल्ला निवासी शंकर राम (42) के रूप में हुई है। परिजनों ने अज्ञात पर पत्थर से कुचलकर हत्या करने का आरोप लगाया है। शव को जलाने का प्रयास भी किया गया है। साथ ही कपड़े और शरीर का आंशिक भाग जला हुआ पाया गया है। पहचान होने पर कई स्तरों पर जांच की जा रही है।

साइबर अपराध के खिलाफ रामगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बिहार का साइबर ठग गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देश पर साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले साइबर ठग संतु कुमार उर्फ सिंधु उर्फ कुंदन को गिरफ्तार किया गया है। संतु कुमार लंबे समय से रामगढ़ के गोला थाना क्षेत्र के हेरमदगा गांव में किराए के मकान में रहकर साइबर ठगी का काम कर रहा था। उसके पास से पुलिस ने 3 आईफोन समेत 6 मोबाइल फोन, 4,43,000 रुपये नकद और एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, संतु कुमार अपने गिरोह के साथ मिलकर व्यापारियों को अपना शिकार बनाता था। वह व्यापारियों को बड़े सौदे का झांसा देकर पटना बुलाता था और उनका अपहरण कर फिरौती मांगता था। इसके अलावा, वह लोगों को एपीके फाइल इंस्टॉल कराकर साइबर ठगी भी करता था। संतु कुमार के खिलाफ बिहार और झारखंड के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। वह पिछले कुछ समय से रामगढ़ में रहकर साइबर ठगी का काम कर रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ गोला थाना में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार अभियुक्त: संतु कुमार उर्फ सिंधु उर्फ कुंदन, उम्र 27 वर्ष, पिता राजेंद्र प्रसाद, सा० ग्राम-मोआ, पो०- बंगपुर वार्ड 13, थाना परवलपुर, जिला नालंदा (बिहार)

बरामदगी : 3 आईफोन समेत 6 मोबाइल फोन, 4,43,000 रुपये नकद, एक काला रंग का रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल (रजि० सं०-BR21F-8055)

छापामारी दल: चंदन कुमार वत्स, पुलिस उपाधीक्षक (मु०) सह-साइबर थाना प्रभारी, रामगढ़ परमेश्वर प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ पंकज कुमार, पुलिस निरीक्षक, गोला अंचल अभिषेक कुमार, थाना प्रभारी, गोला थाना, अमित कुमार, गोला थाना, स्वामी रंजन ओझा, गोला थाना, कुमार प्रभात रंजन, गोला थाना, दिगंबर पांडेय, साइबर थाना रामगढ, रंजीत कुमार यादव, साइबर थाना रामगढ़।

बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने लगाया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, 162 लोगों ने उठाया लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) ने अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत 17 जनवरी 2026 को आईआरआईएस के सहयोग से एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर रामगढ़ के नैसाराय बस्ती स्थित आंगनवाड़ी केंद्र के पास आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आंखों से संबंधित रोगों की प्रारंभिक जांच करना था। इस शिविर में कुल 162 लोगों की नेत्र जांच की गई, जिसमें योग्य चिकित्सकों ने आंखों की जांच के साथ आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। बीएफसीएल की सीएसआर टीम ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें राकेश गुप्ता और सूरज देव प्रसाद के समन्वित प्रयासों से शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। बीएफसीएल की यह पहल समाज के वंचित वर्गों तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस अवसर पर बीएफसीएल के प्रतिनिधियों ने कहा कि नेत्र स्वास्थ्य का महत्व समझना अत्यंत आवश्यक है, और हम इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। शिविर के दौरान, स्थानीय निवासियों ने बीएफसीएल की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन से उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का अवसर मिलता है। बीएफसीएल ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की घोषणा की है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके। इस निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में भाग लेने वाले लोगों ने बीएफसीएल को धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह के आयोजन से उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का अवसर मिलता है। बीएफसीएल ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की घोषणा की है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके।

जेएलकेएम रामगढ़ में 18 को करेगा रैयत विस्थापित अधिकार महासभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) रविवार को रैयत विस्थापित अधिकार महासभा आयोजित करेगा। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के अरगड्डा स्थित श्रमिक फुटबॉल मैदान में आयोजित महासभा में जेएलकेएम पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह डूमरी विधायक टाइगर जयराम महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। नगर कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय महतो ने बताया कि उनकी पार्टी जनता के हक, अधिकार और सवालों को लेकर संघर्षरत रही है। जेएलकेएम की ओर से आयोजित सभाओं को रैयत विस्थापित अधिकार महासभा, खतियानी अधिकार महासभा और विस्थापित अधिकार महासभा जैसे नाम दिए जाते हैं, क्योंकि ये सीधे तौर पर जनता के वास्तविक मुद्दों से जुड़े होते हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा सदैव झारखंडी अस्मिता, हक-अधिकार, गरीब, मजदूर और शोषितों की आवाज को बुलंद करता रहा है।

अष्टयाम हरि कीर्तन के सफल आयोजन पर भुरकुंडा थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार को उनके उत्कृष्ट सेवा और विधि व्यवस्था में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इच्छा पूर्ण प्राचीन हनुमान मंदिर में अष्टयाम हरि कीर्तन कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद कमेटी के सदस्यों ने उन्हें बुके और सोल देकर स्वागत किया। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष पप्पू सिंह, अभिषेक मिश्रा, राजेंद्र रोशन ने थाना जाकर उपेंद्र कुमार को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में भुरकुंडा थाना की टीम ने विधि व्यवस्था को बनाए रखे। उपेंद्र कुमार ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे आगे भी इसी तरह से काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे भुरकुंडा थाना क्षेत्र के लोगों की सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे और उनकी सुरक्षा और समृद्धि के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उपेंद्र कुमार के काम की सराहना की और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में पप्पू सिंह, अभिषेक मिश्रा, राजेंद्र रोशन, भुरकुंडा थाना के अधिकारी और कर्मचारी, स्थानीय लोग शामिल थे।

आदिवासी नेता सोमा मुंडा की हत्या के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, नया मोड़ में चक्का जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : आदिवासी नेता सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में विभिन्न आदिवासी संगठनों ने शनिवार को झारखंड बंद का आह्वान किया। बंद के दौरान नया मोड़ चौराहा पूरी तरह से जाम हो गया, जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आदिवासी जन परिषद के नेता प्रकाश मुंडा ने कहा कि सोमा मुंडा की हत्या के बाद खुंटी में 08 जनवरी 2026 को झारखंड सहित संपूर्ण जिला बंद रहा। हजारों आदिवासी सड़कों पर उतरे और भगत सिंह चौक पर रखकर न्याय की मांग की। लेकिन राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की उदासीनता देखिए, आज तक हत्यारों की कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। परिवार को कोई उचित मुआवजा नहीं मिला। जांच की बातें की जा रही हैं, लेकिन अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। आदिवासी नेताओं ने कहा कि हमारी मिट्टी, हमारी जमीन, हमारी संस्कृति और हमारी आवाजों को चुप कराने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन, बाबुलाल मरांडी जैसे नेता परिवार से मिले और इस घटना की निंदा की, लेकिन कार्रवाई शून्य है। बंद के दौरान नया मोड़ चौराहा पूरी तरह से जाम हो गया, जिससे सैकड़ों छोटी बड़ी गाड़ियां, स्कूल बसें घंटों खड़ी रहीं। यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लगभग 2 घंटे के बाद प्रदेश के आदिवासी नेताओं के आदेश पर जाम प्रदर्शन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। मौके पर जयवीर हंसदा, अशोक बेदिया, पवन करमाली, श्याम करमाली, उमेश करमाली, दिलीप बेदिया, मनोरंजन उरांव, अमरदीप मुंडा, लालदेव बेदिया, छोटेलाल बेदिया, शिव कुमार बेदिया, विक्रम कुमार, ज्ञानी मुंडा, विष्णुलाल मुंडा, सुमित बेदिया, संतोष मुंडा, राकेश कुमार, राजेश मुंडा सहित सैकड़ों की संख्या में आदिवासी संगठन के लोग मौजूद थे।

राजहरा कोल माइंस से खनन शुरू, कोयला मंत्री ने किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के 284 वर्ष पुरानी और लगभग 16 वर्ष से बंद सेंट्रल कोलफील्ड की राजहरा कोलियरी में शनिवार से कोयला खनन कार्य शुरू हो गया। कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने जिले के पड़वा अंचल के राजहरा कोलियरी क्षेत्र में नव संचालन कार्य का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि सांसद विष्णु दयाल राम की ओर से राजहरा कोल माइंस शुरू करने को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा था और खनन कार्य का शुभारंभ होने पर उनका प्रयास रंग लाया। मौके पर कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि कोल के क्षेत्र में भारत विकसित हो रहा है। दूसरे देशों को कोयला निर्यात कर रहा है। इलाके के लिए सीसीएल प्रोजेक्ट काफी महत्वपूर्व है। इसके नव संचालन से रोजगार के साथ साथ क्षेत्र का विकास होगा। पलायन पर रोक लगेगी। लंबे समय से राजहरा कोल माइंस को चालू कराने की मांग की जा रही थी। सरकार ने इसे प्राथमिकता में लिया। वहीं मौके पर सांसद वीडी राम ने कहा कि 1842 ईस्वी में राजहरा कोलियरी से भूमिगत खनन कार्य शुरू हुआ था। 149 वर्षों तक भूमिगत खनन कार्य हुआ। बाद में इसे 1991 में बंद कर दिया गया। यह करीब 284 वर्ष पुरानी कोल माइंस है और पिछले 16 साल से बंद पड़ी थी। इसे पुनः चालू करने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किया और आज सफलता मिली। राजहरा कोलियरी क्षेत्र में 4.5 मिलियन टन ग्रेड-9 स्तर का कोयला है। सीसीएल के सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि राजहरा माइंस से सामान्य तौर पर 0.30 मिलियन टन प्रतिवर्ष और अधिकतम 0.50 मिलियन टन प्रत्येक वर्ष उत्पादन क्षमता है। फरवरी 2037 तक पर्यावरण मंजूरी है, जबकि संचालन के लिए सीटीओ की वैलिडिटी मार्च 2026 तक है और रिनिवल की प्रक्रिया चल रही है। कुल 20 लोगों से 2-2 एकड़ जमीन अधिग्रहण की गयी है। दो एकड़ जमीन वाले परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जा रही है। दो लोगों को नौकरी दी जा चुकी है। सीएसआर फंड से कई उपयोगी कार्य किए जाएंगे। इसके पूर्प कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे के पलामू पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। सांसद विष्णुदयाल राम के नेतृत्व में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी सहित अन्य कार्यकताओं ने केन्द्रीय कोयला राज्य मंत्री का मेदिनीनगर में अभिनंदन किया। साथ ही अंगवस्त्र और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी सहित कई भाजपा नेता, सीसीएल के पदाधिकारी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा माहः रामगढ़ पुलिस और इनरवील क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक अजय कुमार और इनरवील क्लब ऑफ रामगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में सुभाष चौक, रामगढ़ में सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित यात्रा करने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा हमारी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए, जैसे कि सीट बेल्ट लगाना, हेलमेट पहनना, शराब पीकर वाहन नहीं चलाना, और तेज गति से वाहन नहीं चलाना। इस अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चलाने वाले लोगों को गुलाब का फूल दिया और उन्हें हेलमेट पहनाया। उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनना हमारी सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने वर्ष 2024 और 2025 में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में 215 लोगों की मौत हुई, जबकि वर्ष 2025 में 214 लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि हमें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करके इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए काम करना होगा। सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित यात्रा करने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के माध्यम से हम सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों की जान बचाने के लिए काम करेंगे।

श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के लिए आशीर्वचन समारोह आयोजित

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा में शनिवार को बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वचन समारोह का आयोजन हुआ। पुष्प वर्षा के बीच सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाया गया। आचार्य लीलेश्वर पांडेय के नेतृत्व में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हवन कार्यक्रम में भाग लिया। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि जीवन के हर इम्तिहान में सफल होने का संकल्प लेते हुए स्वयं को उसके लिए तैयार करें। मजबूत इच्छा शक्ति सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। स्कूली परीक्षा में प्राप्त अच्छा अंक करियर को सही आकार देने में मदद करता है। अपने व्यक्तित्व और संवाद में हमेशा अच्छे गुणों को स्थान देकर आप आगे बढ़ सकते हैं। विद्यालय परिवार को यकीन है कि आप इस विद्यालय का मान अवश्य बढ़ाएंगे। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि विद्यालय ने जो मूल्य आपमें गढ़े हैं, वह आपको भावी जीवन में आगे बढ़ने और व्यक्तित्व निर्माण में सहयोगी बनेंगे। अपनी सभ्यता और संस्कृति का साथ कभी न छोड़ें। जीवन में आगे ढेरों चुनौतियाँ सामने आएंगी, लेकिन हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे द्वारा दी गयी शिक्षा व संस्कार उन तमाम चुनौतियों को छोटा साबित कर देगी। अपने लक्ष्य पर हमेशा फोकस रखें। इस अवसर पर क्लास 12 के विद्यार्थियों ने अपने स्कूल के अनुभव को साझा किया। रोहिणी कौशल, अजमेर खान, रिशु गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षकों ने बच्चों को आगामी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को सीबीएसई के गाइडलाइंस की जानकारी दी गई और शेष बचे दिनों का सदुपयोग करने की सलाह दी गई। अंत में सभी विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप फाइल और पेन भेंट किया गया।

नीलांबर पीतांबर विवि का 17 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न

पलामू : नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय (एनपीयू) के 17 वें स्थापना दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में शनिवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भौतिकी विभाग के सेवानिवृत शिक्षक डॉ केके मिश्रा रहे। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद नीलांबर-पीतांबर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। मुख्य अतिथियों का सम्मान डॉ संगीता कुजूर शॉल, विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया। स्वागत भाषण में डीएसडब्ल्यू डॉ एसके पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय 16 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर चुका है और शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण करना है। सत्र को नियमित करने, समय पर नामांकन, परीक्षा और परिणाम देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी एवं पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा फरवरी में कराने की बात कही। कुलसचिव डॉ नफीस अहमद ने कहा कि अल्प समय में ही एनपीयू 50 महाविद्यालयों के साथ एक वृहद विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हो चुका है। नए डिग्री कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है। नौ टॉपर विद्यार्थियों को नए डिग्री कॉलेजों में पदस्थापित किया गया है, वहीं गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थियों को अवसर देने को लेकर सूची भी जारी की गई है। उन्होंने यूजीसी मानकों के अनुरूप कार्य, नए कॉलेजों में सोलर ऊर्जा की पहल और विश्वविद्यालय अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों की प्रगति की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ केके मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य असत्य से सत्य और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ना है। विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। वहीं कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासन तीनों स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत जल्द सत्र को पूरी तरह नियमित किया जाएगा। अनुसंधान के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने मॉडल डिग्री कॉलेजों में टॉपर और गोल्ड मेडलधारी विद्यार्थियों को अवसर देने की भी बात कही। कार्यक्रम के दौरान तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां हुई और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया गया। संचालन डॉ भावना सिंह औरडॉ संजय बाड़ा ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर एनपीयू के डीएसडब्ल्यू डॉ एसके पांडेय, सीसीडीसी डॉ मनोरमा सिंह सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

यातायात नियमों का पालन डर से नहीं करें अपनी सुरक्षा के लिए : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में यातायात और सड़क सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, यातायात नियमों के सख्त अनुपालन, हिट एंड रन मामलों में मुआवजा भुगतान सहित अन्य संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सड़क दुर्घटनाओं में चालकों की लापरवाही को अत्यंत चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को यातायात नियमों का पालन केवल कार्रवाई के डर से नहीं बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए करना चाहिए। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार दिसंबर माह में जिले में कुल 34 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 20 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई। इनमें लगभग 75 प्रतिशत मौतें चालकों की लापरवाही के कारण हुईं। विशेष रूप से बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग न करना प्रमुख कारण रहा, जिससे 16 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा गलत दिशा में वाहन चलाना, तेज रफ्तार और ड्रिंक एंड ड्राइव भी दुर्घटनाओं के अहम कारण बने।

दिसंबर 2025 में 351 वाहन चालकों का सस्पेंड हुआ ड्राइविंग लाइसेंस

कर्ण सत्यार्थी ने बताया कि पूर्व में चिन्हित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में दिसंबर माह के दौरान कोई सड़क दुर्घटना नहीं हुई, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों को और व्यापक स्तर पर ले जाने का निर्देश दिया। खासकर स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने और ट्रैफिक पुलिस को सघन वाहन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिया। बैठक में उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लाइसेंसी शराब दुकानों के आसपास होटल-ढाबों, सार्वजनिक स्थलों और गैर-लाइसेंसी स्थानों पर शराब सेवन और बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उपायुक्त ने हिट एंड रन के लंबित मामलों की भी समीक्षा करते हुए इंश्योरेंस कंपनियों के पास लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा कर प्रभावित परिवारों को मुआवजा भुगतान में तेजी लाने के निर्देश दिया। इस दौरान बताया गया कि दिसंबर 2025 में यातायात नियमों की अवहेलना पर कड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान 351 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए गए। हेल्मेट और सीटबेल्ट का प्रयोग न करने सहित अन्य यातायात उल्लंघनों पर कुल 23 लाख 81 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसी अवधि में 2689 नए ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए, जिनमें 2264 पुरुष और 425 महिलाएं शामिल हैं।

मूल निवासी संघ ने ईवीएम से चुनाव कराने को लेकर सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मूल निवासी संघ के शिष्ट मंडल ने शनिवार को जिला अध्यक्ष फूल कुमार रजक के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पहुंच उन्हें राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन सौंपा। दिए गए आवेदन में बताया कि देश के आम चुनाव में अविश्वसनीय व अपारदर्शी ईवीएम को बंद कर मत पत्र से चुनाव कराने की मांग की गई। वहीं नई श्रम कानून का विरोध किया गया। मौके पर मूल निवासी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष बलदेव उरांव, रामाशीष यादव, दिलीप कुमार, राम स्वरूप यादव, कृष्ण देव मंडल, गजाधर यादव, सिमोन हांसदा, वीरेंद्र मंडल, आदित्य नारायण, श्याम दास व विभीषण पासवान मौजूद थे।

सिनियर जिला क्रिकेट लीग में राजमहल सीनियर ए ने 5 विकेट से दर्ज की जीत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत शनिवार को राजमहल ए बनाम पोखरिया पैंथर क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 26.1 ओवर में 128 रन बना कर ऑल आउट हो गई। आदित्य कुमार मंडल ने 25, गौरव ने 11 व अब्राहम ने 15 रन की पारी खेली। राजमहल सीनियर ए के गेंदबाज शहादत शेख ने 3, वसीम ने 2 व तारिक ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी राजमहल सीनियर ए टीम 21.5 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 130 रन बना कर 5 विकेट से जीत दर्ज की। संतोष राज ने 28, समर शर्मा ने 12, वसीम अकरम ने नाबाद 43, अमित राज ने 14 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज अभिषेक कुमार व अब्राहम शेख ने 2-2 विकेट लिए। राजमहल सीनियर ए के खिलाड़ी मो वसीम को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि जगदीश नारसरिया ने वसीम अकरम को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग श्याम रंजन तिवारी व हयातुल्लाह ने किया। जबकि स्कोरिंग अनाउल्लाह अंसारी ने किया। मौके पर जिला क्रिकेट सचिव अंकुर सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम सहित अन्य मौजूद थे।

खान सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा में डीजीएमएस सेंट्रल जोन धनबाद के निर्देशानुसार पचवारा सेंट्रल कॉल ब्लॉक ओसीपी में बीते 12 जनवरी से 24 जनवरी तक चल रहे तृतीय वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2025 के दरमियान बीते शनिवार 17 जनवरी को प्रखण्ड के आलुबेड़ा स्थित डीबीएल पीएसपीसीएल के कैंप कार्यालय के समीप एक भव्य कार्यक्रम बीसीसीएल सेंट्रल जोन धनबाद के डी जीएमएस मिथिलेश कुमार के उपस्थिति में किया गया। डीबीएल के कैंपकार्यालय प्रांगण में आयोजित उक्त खान सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि मिथिलेश कुमार द्वारा झंडोतोलन कर किया गया जबकि इस अवसर पर आलूबेड़ा गांव में संचालित निजी विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चे बच्चियों द्वारा संथाली व हिंदी भाषा में आकर्षक स्वागत गाना गाकर अतिथियों का स्वागत किया गया इस कार्यक्रम के दौरान डीबीएल सेंट्रल कोल माइंस में अपने एवं आसपास के लोगों को सुरक्षित रखकर अपने कार्य का निर्वाह करने पर उपस्थित कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं मुख्य अतिथि डी जी एम एस मिथिलेश कुमार द्वारा खान सुरक्षा के नियमों को कड़ाई से पालन कर अपने कार्य को सफलतापूर्वक करने व सुरक्षा के कई बारीकियोंको उपस्थित कर्मियों को बताया और कहा कि अपने व दूसरों की सुरक्षा करना ही सबसे बड़ा कार्य है जिसे हम सभी कर्मियों को सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कर अपने कार्य को करना चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात उक्त कमेटी द्वारा उत्खनन कार्य का काफी बारीकी से निरीक्षण किया गया और खान सुरक्षा मापदंडों को देखा और कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर डी बी एल के माइंस मैनेजर बी.के दिवाकर सिविल इंजीनियर राकेश चौरसिया, निर्पेंद्र सिंह, बीपीआर कंपनी के पी एम श्रीनिवास रेड्डी सहित कई अन्य कर्मी उपस्थित थे।

रेलवे सुविधाएं न मिलने पर पाकुड़-साहिबगंज में पत्थर लोडिंग ठप

- व्यवसायी के हड़ताल से करोड़ों का नुकसान
- पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन है प्रमुख मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : पाकुड़ और साहिबगंज जिलों के पत्थर क्वारी ओनर एसोसिएशन से जुड़े पत्थर व्यवसायियों ने शुक्रवार से रेलवे में पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बंद कर दिया है। यह कदम रेलवे द्वारा क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुविधाएं न दिए जाने के विरोध में उठाया गया है। ज्ञात हो कि झामुमो के पंकज मिश्रा ने हाल ही में पाकुड़ और साहिबगंज के पत्थर व्यवसायियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया था कि यदि रेलवे द्वारा सुविधाएं प्रदान नहीं की जाती है, तो 16 जनवरी से पत्थर की लोडिंग पूरी तरह बाधित कर दी जाएगी। इसी घोषणा के तहत शुक्रवार से व्यवसायियों ने लोडिंग रोक दी। व्यवसायियों की प्रमुख मांगों में कोविड-19 महामारी के दौरान बंद की गई कई ट्रेनों का परिचालन फिर से शुरू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मार्ग से गुजरने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों का पाकुड़ और साहिबगंज रेलवे स्टेशनों पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। पटना और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सुविधा की मांग की जा रही है। पत्थर व्यवसायियों द्वारा रेलवे लोडिंग बंद करने से रेलवे को प्रतिदिन लगभग दो करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

पॉक्सो और किशोर न्याय अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु जिला स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में रविवार "पॉक्सो अधिनियम, 2012 एवं किशोर न्याय अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन" विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय बहु-हितधारक परामर्श का आयोजन व्यवहार न्यायालय, साहिबगंज स्थित लोक अदालत कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-सह-विशेष न्यायाधीश शेखर कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लामाये, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक प्रसाद, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार कुशवाहा एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। परामर्श के दौरान बाल सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने बताया कि पॉक्सो अधिनियम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करना तथा उन्हें सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण उपलब्ध कराना है। साथ ही कानूनी प्रक्रियाओं को अधिक बाल-अनुकूल एवं संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सक, विभिन्न हितधारकों एवं न्यायपालिका के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई, ताकि पीड़ित बच्चों को त्वरित न्याय एवं प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। बाल-मित्र पुलिसिंग तथा जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के महत्व को भी रेखांकित किया गया। इस परामर्श बैठक में न्यायिक अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, बाल संरक्षण इकाई के सदस्यों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कानून के प्रभावी कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना तथा बच्चों के अधिकारों के संरक्षण हेतु एक सुदृढ़ रूपरेखा तैयार करना था।

एक नजर

मारपीट मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदशहर गांव में छापेमारी कर मारपीट मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदशहर निवासी मजबूल शेख के विरुद्ध थाना में मारपीट सहित कई गंभीर मामले में कांड संख्या 15/26 धारा 126(2), 115 (2), 117(2), 109(1), 352,351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने एक टीम गठित कर आरोपी के घर पर छापेमारी कर उक्त कांड के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे शुक्रवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापेमारी में शामिल एएसआई शिशिर कुमार यादव, सुनिल कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

पुलिस ने वाहन चालक व ट्रक को जब्त किया

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना पुलिस ने सेल्फ स्टेटमेंट के आधार पर स्क्रैप लोहा चोरी के आरोप में दस चक्का ट्रक (एच.आर. 58 डी 1122) के चालक, वाहन मालिक एवं मो जहांगीर अंसारी पिता मो. अब्दुल अंसारी, साकिन अंबाडीहा, थाना जिरवाबाड़ी, जिला साहिबगंज एवं अन्य के विरुद्ध मुफस्सिल थाना कांड संख्या-06/26, 17 जनवरी 2026 अंकित किया गया है। तथा वाहन को जब्त कर थाना परिसर में रखा गया है। पुलिस ने ट्रक चालक को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आगे की अनुसंधान कर रही है।

नंदन पहाड़ क्षेत्र में रंगदारी गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार, 8 किशोर भी पकड़ाए

देवघर : देवघर नगर पुलिस ने नंदन पहाड़ इलाके में रंगदारी वसूलने वाले हथियारबंद गिरोह का पर्दाफाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही गिरोह में शामिल 8 किशोरों को भी पकड़ा है। घटना शुक्रवार की है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। गिरफ्तार आरोपियों में आलोक खावाड़े, प्रिंस शर्मा, विशाल कुमार राम व छोटू कुमार फाड़ी शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से एक देसी कट्टा, एक कारतूस, दो बाइक व पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जानकारी अशोक कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी राजीव कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने उनके पास से एक देसी कट्टा, एक कारतूस, दो बाइक व पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जानकारी अशोक कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। छापेमारी टीम में नगर थाना प्रभारी राजीव कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

दुर्लभ प्रवासी मृतभक्षी पक्षी हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध की आधिकारिक उपस्थिति दर्ज

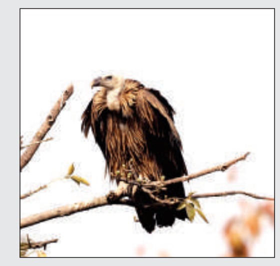

साहिबगंज : जिले के जैव-विविधता इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। जिले में पहली बार दुर्लभ प्रवासी मृतभक्षी पक्षी हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध की आधिकारिक उपस्थिति दर्ज की गई है। यह दुर्लभ दृश्य जनवरी 2026 को साहिबगंज वन क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीहा पंचायत के बड़ा सालबांधा गांव में एक ऊँचे सेमल वृक्ष पर देखा गया। हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध सामान्यतः हिमालय, तिब्बती पठार एवं मध्य एशिया के ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। अत्यधिक ठंड एवं भोजन की कमी के कारण यह प्रजाति शीतकाल के दौरान निचले मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रवास करती है। साहिबगंज में इसकी उपस्थिति यह संकेत देती है कि जिले का भू-दृश्य, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र प्रवासी मृतभक्षी पक्षियों के लिए सुरक्षित, अनुकूल तथा विष-मुक्त बना हुआ है। भारत में यह प्रजाति शीतकाल के दौरान उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम एवं झारखंड के कुछ सीमित क्षेत्रों में ही दर्ज की जाती रही है। झारखंड राज्य में अब तक इसके दृश्य मुख्यतः हजारीबाग एवं कोडरमा जिलों तक सीमित थे। ऐसे में साहिबगंज जिले में इसका दर्ज होना राज्य में संचालित गिद्ध संरक्षण एवं वन्यजीव संरक्षण प्रयासों की सफलता का स्पष्ट प्रमाण माना जा रहा है। इस ऐतिहासिक उपस्थिति को वनरक्षी अंकित कुमार द्वारा दर्ज किया गया, जो न केवल एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अभिलेख है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि राज्य के वनकर्मी जैव-विविधता संरक्षण के प्रति सजग, सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभा रहे हैं। पक्षी विशेषज्ञ अविनाश कुमार ने बताया कि साहिबगंज में गिद्ध की उपस्थिति जिले की जैव-विविधता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उत्साहजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि क्षेत्र का पर्यावरण संतुलित, सुरक्षित तथा मृतभक्षी पक्षियों के लिए अनुकूल बना हुआ है।

दूसरे दिन भी सभी रैक पॉइंट पर पसरा रहा सन्नाटा

साहिबगंज : साहिबगंज व पाकुड़ जिला में रेल विकास की मांग को लेकर 21 दिसंबर को झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के आंदोलन के एलान एवं चैंबर व दोनों जिलों के पत्थर व्यवसायियों से मिले समर्थन के बाद साहिबगंज जिला के 12 व पाकुड़ जिला के 03 पत्थर रैक पॉइंट पर दूसरे दिन भी सन्नाटा पसरा रहा। ज्ञात हो कि पहले दिन 16 जनवरी को भी पत्थरों की लोडिंग नहीं हुई थी। रेलवे सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार साहिबगंज जिला में प्रतिदिन लगभग 8 से 10 रैक लोडिंग होता था। प्रत्येक रैक से रेलवे को करीब 20 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता था। जिसमें साहिबगंज से प्रत्येक दिन एक रैक, सकरीगली से दो रैक, तालझारी से एक रैक, करमटोला से दो रैक, मिर्जाचौकी से दो रैक, तीनपहाड़ से, बाकुड़ी से प्रतिदिन दो रैक, बरहरवा में दो रैक और प्रतिदिन लगभग 10 रैक लोडिंग होता था। इस तरह महीने में 60 से 80 रैक की लोडिंग से रेलवे को करोड़ों रुपये की आमदनी साहिबगंज जिला से होता था। रैक लोडिंग पूरी तरह बंद होने से रेलवे को प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपये तक के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

थाना दिवस पर तीन मामलों में से एक मामल का हुआ निष्पादन

साहिबगंज : जिले में लगातार बढ़ते भूमि विवादों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त के निर्देशानुसार सभी थानों में अंचलाधिकारी के सहयोग से थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को राधानगर थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। थाना दिवस के दौरान अपनी समस्याओं के समाधान की आस में फरियादी थाना पहुंचे। अधिकारियों ने फरियादियों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना और निष्पक्ष जांच के बाद शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार थाना दिवस में कुल तीन मामले सामने आए जिसमें एक मामले का निष्पादन कर दिया गया। एक टाइटल सूट का मामला सामने आया, जिसे सक्षम न्यायालय को अग्रसित किया गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं की त्वरित सुनवाई कर उनका निष्पादन करना है। विशेष रूप से भूमि विवाद से जुड़े मामलों में आम लोगों को अब अनावश्यक रूप से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस एवं प्रशासन समाधान के लिए पूरी तरह तत्पर है। मौके पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, उप निरीक्षक गुरुदास कर, मनोज पासवान, अंचल अमीन सुदर्शन पासवान सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य के झामुमो की चार सदस्यीय टीम पहुंची असम

साहिबगंज : झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री सह झामुमो केन्द्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन के निर्देश पर पार्टी महासचिव विनोद पांडे के द्वारा गठित चार सदस्यीय टीम असम राज्य पहुंच कर आदिवासी समुदाय के वर्तमान सांस्कृतिक सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का गहन अध्ययन और उनके हितों की रक्षा के विषय में वहां के स्थानीय आदिवासी नागरिक एवं ऑल इंडिया आदिवासी स्टूडेंट यूनियन के असम राज्य की शाखा के साथ विचार विमर्श एवं चर्चा कर रहे हैं। टीम के सदस्य झारखंड सरकार के मंत्री चमरा लिंडा, राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा, राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा व गुमला विधायक भूषण तिर्की शामिल हैं।

पटना में साइबर हाइजीन, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल पर्सनल डेटा संरक्षण पर पहली बार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

न्यूज स्पीक्स

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना ने शुक्रवार को साइबर हाइजीन, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल पर्सनल डेटा संरक्षण विषय पर अपनी तरह का पहला व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों, छात्रों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, डेटा गवर्नेंस तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 एवं डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (DPDP) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत अनुपालन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने चिकित्सा अभिलेखों एवं स्वास्थ्य सेवाओं के तीव्र डिजिटलीकरण के परिप्रेक्ष्य में

साइबर जागरूकता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक अनूप कुमार, डीन (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) पूनम भदानी एवं उप निदेशक (प्रशासन) नीलोत्पल बल सहित संस्थान के संकाय सदस्य, छात्र, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में चिकित्सा अधीक्षक अनूप कुमार, डीन (शैक्षणिक) प्रो. (डॉ.) पूनम भदानी एवं उप निदेशक (प्रशासन) नीलोत्पल बल ने रोगियों के डेटा की सुरक्षा तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन हेतु साइबर सुरक्षा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है तथा साइबर खतरों से बचाव, रोगी गोपनीयता की रक्षा एवं डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बनाए रखने के लिए साइबर हाइजीन का सख्ती से पालन आवश्यक है। इस मौके पर तकनीकी सत्रों का औपचारिक परिचय डॉ. पल्लम गोपी चंद, उप संकाय प्रभारी आईटी द्वारा कराया गया। विशेषज्ञ सत्रों में एल्विन एंटनी, GovernAI, नई दिल्ली ने "DPDP अधिनियम एवं नियमः स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए अनुपालन विषय पर प्रस्तुति दी, जबकि साकेत झा, वैज्ञानिक सी, सी-डैक पटना ने डिजिटल युग में भविष्य की सुरक्षाः साइबर लचीलापन निर्माण विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उभरते साइबर खतरों एवं उनसे निपटने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में यह भी रेखांकित किया गया कि साइबर सुरक्षा केवल आईटी प्रणालियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नैदानिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों का अभिन्न अंग है। साथ ही सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, जिम्मेदार डेटा प्रबंधन एवं सतत साइबर जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. अभ्युदय कुमार, आईटी संकाय प्रभारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मकर संक्रांति पर कांग्रेस का दही-चूड़ा भोज, राजेश राम

न्यूजस्पीक्स

पटना। मकर संक्रांति पर्व के शुभ अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम की ओर से औरंगाबाद जिला अंतर्गत कुटुंबा में पारंपरिक दही-चूड़ा सामूहिक भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने उपस्थित कांग्रेसजनों एवं जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मकर संक्रांति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, समानता और सामाजिक समरसता का प्रतीक दही-चूड़ा जैसे पारंपरिक भोज हमारी सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं और समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जन

जन के सुख-दुख में सहभागी रही है और आगे भी बिहार की जनता के हित, अधिकार और सम्मान के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को और मजबूत करने, जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने तथा सामाजिक सद्भाव को कायम रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक आनंद शंकर , औरंगाबाद जिला के कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

शिक्षा के क्षेत्र में पटना माउंट कार्मल स्कूल का योगदान चर्चा का विषय

प्रिंसिपल मृदुला की बढ़ती लोकप्रियता से पटना वासी प्रसन्न

न्यूज स्पीक्स

पटना। शिक्षा के क्षेत्र में पटना माउंट कार्मल स्कूल का योगदान आज एक बार फिर न केवल पटना बल्कि बिहार की जनता के बीच चर्चा का विषय बन गया है राजधानी पटना समेत बिहार के कई जिलों में गर्ल्स कॉलेज अपनी सेवाएं दे रही है लेकिन पटना में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट के बाद पटना माउंट कार्मल का नाम बड़ी तेजी के साथ जनता की जुबान पर आया है क्योंकि पटना मोहन करनाल की वर्तमान प्रिंसिपल सिस्टर मृदुला अपने स्कूल में शिक्षा के माध्यम से समाज की जो सेवा की है और साथ ही साथ स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं के बीच जिस प्रकार लोकप्रिय भी है यही कारण है कि पूरे बिहार में एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए वह चर्चा की विषय बन गई है लोगों का

कहना है कि किसी दिशा संस्थान का कप्तान अगर कर्मठ और ईमानदार हो तो वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल करता है पटना मोहन कार्मल के प्रिंसिपल सिस्टर मृदुला ने जिस प्रकार अपने यहां शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के प्रति मेहनत करते हुए देखी जा रही है और अपनी बच्चियों के बीच वह बेहद लोकप्रिय हुई है इतना ही नहीं स्कूल की सभी शिक्षिकाएं और शिक्षक गण उन्हें अपना आदर्श मान रहे हैं वारनामों फॉर्मल में अपने बच्चों को पटना हर माता-पिता का सपना होता है और विशेष तौर पर कमजोर वर्गों के बच्चों का दाखिला ऐसे स्कूलों में बहुत कम हो पता है लेकिन वर्तमान समय में जब कमजोर वर्ग से संबंध रखने वाले बच्चों के माता-पिता अपनी बेटियों का दाखिला करवाने के लिए पटना मोहन कार्मल में आती हैं और जब उनकी मुलाकात प्रिंसिपल सिस्टर मृदुला उसे होती है तो वह मायूस नहीं होते क्योंकि सिस्टर उनकी बातों को गंभीरता से सुनती हैं और बच्चों के अंदर टैलेंट होता है तो वह फौरन अपने स्कूल में उन बच्चों का दाखिला ले लेती हैं और इसी प्रकार कमजोर वर्गों के बच्चे के माता-पिता को एक नई ताकत मिलती है उन्हें यह विश्वास होता है।

कि मेरी बेटी भी पटना के सबसे बड़े स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रही है यानी सिस्टम मृदुला उन बच्चियों के माता-पिता की नजरों में एक आदर्श बन जाती हैं पटना के लोगों को भी यह खुशी हो रही है कि में पटना मोनिका में स्कूल नहीं जिस प्रकार बिहार वासियों का दिल जीत है।

और जिस प्रकार इस स्कूल की बालिकाएं सभी क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही है श्री सही अर्थों में वहां के प्रिंसिपल सिस्टर मृदुला को जाता है जिन्होंने कठिन परिश्रम करके इस संस्था को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज की उन्नति और देश के प्रगति में जो योगदान दे रही है वह सराहनीय है।

एक महापौर के पद पर भी कब्जा एनडीए एवं इंडिया गठबंधन से आगे निकली ओवैसी की पतंग

न्यूज स्पीक्स

महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव में जहां एक तरफ एनडीए पूरी ताकत लगा दी थी वही इंडिया गठबंधन कोई आशा थी के पीएमसी चुनाव में महाराष्ट्र की जनता इंडिया गठबंधन को गले लगाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ ए आई एम आई एम ने महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव में 95 सीट जीतकर दोनों मजबूत गठबंधनों को हराने में सफलता हासिल की है इसका शेयर ए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी को जाता है जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरी दुनिया को पाकिस्तानी आतंकवादी के खिलाफ एक जुट किया ओवैसी का यह बदला हुआ रूप भारतीय जनता को रास आया कल तक जो ओवैसी के विरोधी थे लेकिन ओवैसी के राजभक्ति के दीवाने हो गए और यही कारण

है कि महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव में इस बार वहां की जनता ने एआइएमआइएम को सबसे ज्यादा जोरदार सफलता देकर यह साबित कर दिया है कि अगर आप राष्ट्र के प्रति समर्पित होंगे तो

जनताआपको गले लगाने से नहीं हिचकी जाएगी इस मामले में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट आदिल हसन ने कहा कि हम लोगों ने डीएमसी चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए जो योजनाएं बनाई थी वह सफल नहीं इतनी भारी सफलता की उम्मीद हमें नहीं थी मैं महाराष्ट्र की जनता को हृदय से कोटि-कोटि प्रणाम करता हूं क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र में एनडीए सरकार को बीएमसी चुनाव में न केवल हराया बल्कि उन्हें अधिक सीटों पर असफलता का स्वाद चखा दिया और एआइएमआइएम के प्रति जो एक जूता दिखाइए मैं उसके लिए उन्हें एक बार फिर बधाई देता हूं श्री आदिल लखन ने कहा कि नांदेड़ समेत कई मुस्लिम बोल क्षेत्र में भी सफलता हातिर की है और बीजेपी के गढ़ में भी हमने अपना पतंग फहरा दिया है और यही कारण नहीं की ए आई एम आई एम ने अपना एक मेयर बनने में भी कामयाबी हासिल की उन्होंने कहा कि औरंगाबाद में सबसे ज्यादा हमने 33 सीटों पर सफलता हासिल की है जबकि 2015 के चुनाव में हमें वहां 24 सीटों पर सफलता मिली थी मिश्रा आल ने कहा कि हमारी पार्टी ने 29 में से 13 नगर निगम में सफलता हाथ लिखी है और मुंबई के मानखुर्द में भी हमने सफलता हासिल की है इतना ही नहीं महाराष्ट्र नगर परिषद के चुनाव में भी हमने एक अर्थी सीटों पर सफलता हासिल करके भाजपा कांग्रेस को चारों खाने चित कर दिया है। की जनता इस बार परिवर्तन चाहती है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता का शोषण जहां एक तरफ भाजपा और कांग्रेस ने किया है वहीं दूसरी ओर इन दोनों गठबंधन में शामिल महाराष्ट्र की छोटी-छोटी पार्टियों ने भी यहां की जनता को अपनी वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया यही कारण है। कि महाराष्ट्र की जनता ने इस बार ओवैसी पर विश्वास जताया और बीएमसी के चुनाव में ए आई एम आई एम को जो ताकत दी है उससे भाजपा और कांग्रेस हैरान वह परेशान दिखाई दे रही है उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भी एम भाजपा के साथ-साथ टीएमसी को हराने में सफल होगी क्योंकि लंबे समय तक शासन करने वाली राजनीतिक दल जनता का शोषण करती है हम जनता के हित की रक्षा के लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भी पूरी तरह कमर कस चुके हैं और 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी हमारी पार्टी एक साथ जहां योगी सरकार को सत्ता से बेदखल करने में सफलता हासिल करेगी वही समाजवादी पार्टी के जन आधार को समाप्त करते हुए अपनी सरकार बनाएगी।

संक्षिप्त डायरी

उपनिषदिक ज्ञान, अद्वैत दर्शन और आत्मबोध का सहज संगम है-अवधेश झा की नव कृति ब्रह्म दर्शन

न्यूज स्पीक्स,जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना। दार्शनिक, आध्यात्मिक एवं वैदिक चिंतन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में लेखक अवधेश झा की नवीन कृति ब्रह्म दर्शन का हिन्दी में सफलतापूर्वक प्रकाशन संपन्न हुआ है। यह ग्रंथ उपनिषदिक ज्ञान, अद्वैत वेदान्त और आत्मबोध का एक सहज, गहन एवं अनुभवजन्य संगम प्रस्तुत करता है।

ब्रह्म दर्शन केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक वैचारिक यात्रा है–

अथातो ब्रह्मजिज्ञासा (ब्रह्मसूत्र 1.1.1)

की भावना से प्रेरित, यह कृति जिज्ञासा से चिंतन तक और अंततः ब्रह्म-सत्य के साक्षात्कार तक ले जाने वाला दार्शनिक पथ प्रशस्त करती है।

इस अवसर पर लेखक अवधेश झा ने अपने वक्तव्य में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक का संदर्भ देते हुए कहा– यं लब्ध्वा चापरं लाभं मन्यते नाधिकं ततः। यस्मिन्स्थितो न दुःखेन गुरुणापि विचाल्यते॥ (गीता 6.22) अर्थात– जिस अवस्था को प्राप्त कर मनुष्य उससे श्रेष्ठ किसी अन्य लाभ की कल्पना नहीं करता और जिसमें स्थित होकर वह महान दुःख से भी विचलित नहीं होता, वही परम अवस्था उन्हें इस दर्शन-श्रृंखला के लेखन के दौरान अनुभूत हुई। यह आत्मोन्मुखी यात्रा जारी है। लेखक ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से साधना, गहन अध्ययन, योग, वेदान्त दर्शन एवं विविध आध्यात्मिक मार्गों का अनुसरण करते रहे, किंतु अंततः जिस मार्ग ने उन्हें ऐसी स्थिति प्रदान की–जिसके पश्चात किसी अन्य अवस्था की आवश्यकता शेष नहीं रहती–वह मार्ग ब्रह्म-विचार के माध्यम से ब्रह्म दर्शन है। उनके अनुसार, ब्रह्म विचारों के द्वारा अपने वास्तविक स्वरूप की प्राप्ति संभव है और यही इस दर्शन का मूल तत्त्व है। अवधेश झा ने कहा कि ब्रह्म दर्शन उन्हें सहज, सुलभ और अनुभवसिद्ध प्रतीत हुआ। इसी कारण यह दर्शन उनके लिए केवल एक दार्शनिक अवधारणा न होकर मेरा दर्शन बन गया। शास्त्रीय दृष्टि से जहाँ भारतीय दर्शन परंपरा में षड्दर्शन (छह दर्शन) की मान्यता है, वहीं लेखक ने ब्रह्म दर्शन को सातवाँ दर्शन के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दर्शन-श्रृंखला दर्शन के सभी मूल मापदंडों–जैसे तत्त्व-जिज्ञासा, शास्त्र-आधारित विवेचन, साधना-पथ की स्पष्टता तथा जीवन-परिवर्तन के लक्ष्य–पर पूर्णतः खरी उतरती है। इसी कारण ब्रह्म दर्शन को एक स्वतंत्र दर्शन-ग्रंथ के रूप में स्वरूप स्थिति प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठित किया है। लेखक ने यह भी जानकारी दी कि सातवाँ दर्शन शीर्षक के अंतर्गत कई दार्शनिक कृतियाँ वर्तमान में प्रकाशनाधीन हैं, जिनमें ब्रह्म दर्शन इस श्रृंखला की प्रथम कृति है।

पासपोर्ट बनाने वाली लोगों को कई कठिन चुनौतियों का सामना

न्यूज स्पीक्स

पटना। पासपोर्ट बनाने वाले लोगों को कई कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है बिहार के विभिन्न जिलों से आने वाले वैसे लोग जो पासपोर्ट बनाना चाहते हैं और जीने दो समय निर्धारित किया गया है उसमें वह लोग पटना पाटलिपुत्र पासपोर्ट दफ्तर जब पहुंचते हैं तो वहां दस्तावेज चेक करने के क्रम में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा है कभी उसे यह कहा जाता क्या आपके पास आधार कार्ड और पैन कार्ड है या नहीं और अगर है तो उसका फोटो कॉपी करवाइए और जब यह लोग पासपोर्ट दफ्तर के सामने लगे फोटोकॉपी की दुकान पर जाते हैं तो उनसे यह कहा जाता है कि आप आधार कार्ड की जो कॉपी लेकर आए हैं उसका डेट तो खत्म हो चुका है केवल 24 घंटे ही रहता है अब यहां से आपको दोबारा इसका प्रिंट निकलवाना होगा और इसके लिए आपको 100 लगेंगे और इसी प्रकार फोटोकॉपी के नाम पर200 से लेकर 500 तक की उगाही की जाती है और फिर जब कभी डाक्यूमेंट्स लेकर वह लाइन में खड़े होते हैं और जब उन्हें अंदर भेजा जाता है तो इंक्वारी क्षेत्र में वहां उनके सभी दस्तावेज चेक किए जाते हैं और वहां भी यह कहा जाता है कि जो सर्टिफिकेट की कॉपी आपने लगाई है वह साफ नहीं है आप दोबारा ओरिजिनल सर्टिफिकेट से फोटो कॉपी निकलवाए और इसी प्रकार इंक्वारी रूम के बाद जब इन्हें अंदर भेजा जाता है तो अपने बारी का इंतजार करते हैं ऑफिस जाते हैं उनका नंबर आता है वह उसे काउंटर पर पहुंचते हैं और फिर वहां उनके सभी दस्तावेज चेक किए जाते हैं और फिर उनकी उंगलियों का प्रिंट लिया जाता है और फिर वहां से उन्हें दूसरे काउंटर पर भेजा जाता है जहां फिर वह अपनी बारी के इंतजार करते हैं और फिर जैसे ही उनको दूसरे काउंटर पर नंबर आने पर भेजा जाता है उनका सर्टिफिकेट चेक किया जाता है अगर कोई अभ्यार्थी अपना ओरिजिनल मार्कशीट या सर्टिफिकेट लेकर नहीं आ पाता या भूल गया है और वह उसका फोटो कॉपी लेकर आया है तो उनसे यह कहा जाता है कि आप अपना मूल प्रमाण पत्र ही लेकर आए फोटो कॉपी स्वीकार नहीं किया जाएगा पढ़े लिखे लोग जो हायर क्वालिफाइड हैं लेकिन वहां पर 10th का मार्कशीट आवश्यक है और वह उनसे रिक्वेस्ट करते हैं कि मैं मीडिया के एक बड़े पद पर अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहा हूं मैं मूल प्रमाण पत्र नहीं ला पाया इसलिए 10th के इस मार्कशीट या सर्टिफिकेट को देखकर मेरा प्रक्रिया करें तो उसे यह कहा जाता है कि आपका आदर और पैन कार्ड में आपके पिता का जो नाम है वह आपके 10th के सर्टिफिकेट में एक शब्द गलत लिखा है इसलिए यह मान्य नहीं है फिर वही व्यक्ति काउंटर पर बैठे अधिकारियों से विनती करता है कि सर कोई दूसरा रास्ता बताइए तो उनसे कहा जाता है कि आपका दूसरा पासपोर्ट एउफ पासपोर्ट बनेगा एक पढ़ा लिखा व्यक्ति ईसीआर पासपोर्ट बनाने के लिए मजबूर हो जाता है और काउंटर में बैठे पासपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारी रहम नहीं आता जबकि अप्लाई करने वाला व्यक्ति अपना सभी डाक्यूमेंट्स लेकर उनके पास उपस्थित हुआ है।

समृद्धि यात्रा को लेकर जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने सीएम नीतीश को दी शुभकामनाएँ

न्यूज स्पीक्स

पटना। समृद्धि यात्रा के तहत शुक्रवार को माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार पश्चिमी चंपारण के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर पटना एयरपोर्ट पर जनता दल (यूनाइटेड) के माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक अभिनंदन किया तथा यात्रा की सफलता के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री विजय कुमार चैधरी, माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार, माननीय मंत्री श्री सुनील कुमार, माननीय मंत्री श्री जमा खान, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं माननीय विधायक श्री श्याम रजक, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद श्री चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, मुख्यालय प्रभारी श्री अनिल कुमार, माननीय विधायक श्री अरुण मांझी, माननीय

विधानपार्षद श्रीमती रीना यादव सहित महिला प्रकोष्ठ की संयोजक श्रीमती रंजू गीता सहित श्री वासुदेव कुशवाहा, श्री रामचरित्र प्रसाद, श्री नीतीश पटेल, श्री मनोज कुमार सिंह, श्री अरविन्द कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अंजुम आरा, श्री नंदकिशोर कुशवाहा, श्री ओम प्रकाश सिंह सेतु, श्री विद्यानंद विकल, श्रीमती कंचन माला, श्री राजकिशोर सिंह, श्री कमल नोपानी, श्री राहुल खंडेलवाल सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपने ही विद्यालय के शहीद छात्र को याद कर भावुक हुआ क्षत्रिय उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहपुर

न्यूज स्पीक्स

पटना। जिस क्षत्रिय उच्च माध्यमिक विद्यालय, फतेहपुर, पटना से पढ़ाई कर देशसेवा का सपना देखने वाले विकास चंद्र आगे चलकर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट बने और शहादत हासिल की, उसी विद्यालय के प्रांगण में शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई.कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि दी और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भावुक और गर्व से भरा रहा. विद्यालय के पूर्व छात्र एवं सीआरपीएफ 43 बटालियन के शहीद असिस्टेंट कमांडेंट विकास चंद्र के शहादत दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां शिक्षकों, छात्रों, सीआरपीएफ अधिकारियों और परिजनों ने उन्हें नमन किया.कार्यक्रम के दौरान सीआरपीएफ अधिकारियों द्वारा शहीद विकास चंद्र की माताजी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. मौके पर शहीद के चाचा चंद्रमौली, भाई शशि, अविनाश चंद्र, भतीजे सहित परिवार के अन्य सदस्य सुमित, सुमन, सुजीत, अमित कुमार और अभिषेक कुमार उपस्थित रहे. शहीद विकास चंद्र ने 16 जनवरी 2006 को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था. लोगों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 16 जनवरी को सीआरपीएफ 43 बटालियन के अधिकारी और

जवान इसी विद्यालय पहुंचकर अपने साथी और विद्यालय के पूर्व छात्र रहे शहीद विकास चंद्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं. इस वर्ष भी उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति को पूरे सम्मान के साथ याद किया गया। कार्यक्रम की देखरेख एनसीसी कैडेट एसोसिएट ऑफिसर धर्मेंद्र कुमार ने की. विद्यालय परिसर में शहीद विकास चंद्र के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके शौर्य व बलिदान को नमन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोकामा घाट स्थित सीआरपीएफ कैंट से उप निरीक्षक उपेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे. उन्होंने शहीद के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शहीद के परिवारजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी. इस अवसर पर जिले की पुलिस के पांच जवान भी पहुंचे और शहीद के परिजनों के साथ मिलकर उनकी वीरगाथा को साझा किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के छात्रों को यह बताना रहा कि इसी परिसर से निकलकर एक छात्र ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया. विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, कर्तव्य और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं और उन्हें सही दिशा दिखाते हैं। इस मौके पर उप निरीक्षक उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि शहीद विकास चंद्र जैसे वीरों की स्मृति हमें उनके बलिदान का महत्व समझाती है और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

आपकी दी हुई टॉफी-चिप्स बदल रहे हैं बच्चे का स्वभाव

आज के समय में बच्चों का जिद्दी होना, एकाग्रता की कमी और छोटी-छोटी बात पर चिड़चिड़ाना आम समस्या बनता जा रहा है। लोग अकसर इस समस्या को बच्चों की बढ़ती उम्र या अनुशासन की कमी से जोड़कर देखने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इसका असली दोषी बच्चों का स्वभाव नहीं बल्कि आपकी रसोई में छिपा हुआ हो सकता है। कई शोध बताते हैं कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और शुगर का बढ़ता सेवन बच्चों के मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन पैदा करता है। रंग-बिरंगे पैकेटों में बंद ये खाद्य पदार्थ न केवल शरीर को बीमार कर रहे हैं, बल्कि बच्चों के व्यवहार को भी अनियंत्रित बना रहे हैं।

बाल चिकित्सकों का कहना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड जैसे चिप्स, पैकेज्ड नमकीन, इंस्टेंट नूडल्स, मीठे सीरियल्स, टॉफी-कैंडी और मीठे ड्रिंक्स देखने में भले ही आकर्षक लगते हैं लेकिन इनका बच्चों के मूड, व्यवहार और सीखने की क्षमता पर गहरा असर पड़ सकता है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के अधिक सेवन से बच्चों में दिखते हैं ये बदलाव

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड में आर्टिफिशियल रंग, प्रिजर्वेटिव्स, नमक की अधिकता, अनहेल्दी फैट और रिफाइंड शुगर मौजूद होती है। इसके अलावा तेजी से पचने वाली शुगर ब्लड शुगर को अचानक बढ़ा देती है और फिर तेजी से गिरा देती है। इस उतार-चढ़ाव के कारण शरीर में स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे बच्चों में चिड़चिड़ापन, जरूरत से ज्यादा उछल-कूद, ध्यान की कमी, मूड स्विंग्स, जल्दी थकान, घबराहट और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने की आदत बढ़ जाती है। लंबे समय तक क्ष्ह्य खाने से गट-ब्रेन एक्सिस भी प्रभावित होता है। ये खाद्य पदार्थ आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे ऐसे फैटी एसिड्स कम बनते हैं जो दिमाग की सेहत और भावनाओं को संतुलित रखने के लिए जरूरी होते हैं। कई शोध बताते हैं कि जो बच्चे नियमित रूप से क्ष्ह्य खाते हैं, उनमें एंग्जायटी, आक्रामक व्यवहार और भावनात्मक असंतुलन का खतरा ज्यादा होता है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के सेहत को नुकसान

ये खाद्य पदार्थ बच्चों की आंतों की सेहत को भी नुकसान पहुंचाते हैं। गट हमारे दिमाग से सीधा जुड़ा हुआ होता है। यहीं से सेरोटोनिन जैसे 'फील-गुड हार्मोन' बनते हैं। जब गट हेल्थ बिगड़ती है, तो बच्चों की भावनात्मक स्थिरता और व्यवहार पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, यूपीएफएस पौष्टिक भोजन की जगह ले लेते हैं, जिससे बच्चों को प्रोटीन, हेल्दी फैट, आयरन, जिंक और जरूरी विटामिन नहीं मिल पाते-जो दिमाग के विकास के लिए बेहद जरूरी होते हैं।

पेरेंट्स उठाएं जरूरी कदम

माता-पिता घर का फ्रेश और संतुलित भोजन बच्चों की डाइट में शामिल करके उनके स्वभाव में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। बाहर से कुछ भी खरीदते समय फूड लेबल पढ़ना, मीठे स्नैक्स कम करना और फलों से बने हेल्दी ट्रीट्स बच्चों के लिए फायदेमंद हो सकती है। बच्चों के स्कूल टिफिन को थोड़ा हेल्दी बनाएं, मीठे ड्रिंक्स की जगह पानी या घर का बना पेय देना जैसे छोटे-छोटे बदलाव भी बच्चों के व्यवहार को शांत, ध्यान को बेहतर और भावनाओं को संतुलित बना सकते हैं।

क्या आपका बच्चा तनाव में है ?

इन 15 शुरुआती लक्षणों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज

आज के दौर में बच्चों का बचपन खेल-कूद से ज्यादा 'चिंता'(एंग्जायटी) की गिरफ्त में है। कभी पढ़ाई का भारी बोझ, तो कभी सोशल मीडिया पर खुद को दूसरों से बेहतर दिखाने की होड़- इन सब बातों ने आज के दौर में बच्चों की मासूमियत को तनाव में बदलकर रख दिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कभी-कभी हमारी 'ओवर-पैरेंटिंग' भी उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर देती है? बाल रोग विशेषज्ञ कहती हैं कि जब हम बच्चों को हर छोटी समस्या से बचाने की कोशिश करते हैं, तो उसे खुद से मुश्किलें संभालने और सीखने का अवसर नहीं मिलता, जिससे उनके भीतर मुकाबला करने की क्षमता, आत्मनिर्भरता और भावनात्मक मजबूती विकसित नहीं हो पाती। इसके अलावा, बच्चे माता-पिता के तनाव और समाज में फैली अस्थिरता को भी बहुत गहराई से महसूस करते हैं, जिससे उनकी चिंता और बढ़ जाती है।

बच्चों में चिंता के शुरुआती लक्षण

बच्चों में चिंता के शुरुआती लक्षण हमेशा सीधे डर या घबराहट के रूप में सामने नहीं आते। कई मामलों में पहले कुछ संकेत दिखाई देते हैं जैसे-

शारीरिक लक्षण

-बार-बार पेट दर्द होना
-बिना किसी स्पष्ट कारण के सिरदर्द
-लगातार थकान
-नींद में परेशानी
-डरावने सपने आना
-दोबारा बिस्तर गीला करने जैसी समस्या

व्यवहार में बदलाव

-बार-बार आश्वासन मांगना
-जरूरत से ज्यादा चिपकना
-चिड़चिड़ापन
-अचानक तेज भावनात्मक प्रतिक्रियाएं
-स्कूल और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने से इंकार करना।
-उन गतिविधियों से दूरी बना लेना जो उन्हें पहले पसंद थीं।
-छोटी उम्र के बच्चों जैसा व्यवहार करना
एकाग्रता में कमी
-पढ़ाई में ध्यान न लगा पाना
-स्कूल के प्रदर्शन में अचानक गिरावट आना।

माता-पिता क्या कर सकते हैं?

बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों में नजर आने वाले इन बदलावों को पहचानने के लिए सिर्फ निगरानी ही नहीं, बल्कि बच्चे से जुड़ाव भी जरूरी है। माता-पिता को चाहिए कि भले ही कुछ देर के लिए लेकिन रोजाना कुछ समय मिलकर बच्चे को दें। इस दौरान बिना टोके, बिना जज किए बच्चे की बात सुनना उसे भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है। कई बार बच्चे खुद यह नहीं बता पाते कि वे किसी परेशानी से गुजर रहे हैं। ऐसी स्थिति में आप बच्चे के शिक्षक, दोस्त या अन्य अभिभावक से मिल सकते हैं। माता-पिता का अपने बच्चे के सामाजिक दायरे से जुड़े रहना भी बेहद जरूरी है।

सिर्फ निगरानी नहीं भावनात्मक जुड़ाव भी है जरूरी

चाहे माता-पिता हों, दादा-दादी हों या कोई और भरोसेमंद देखभाल करने वाला व्यक्ति, बच्चे को उसके साथ यह महसूस होना चाहिए कि कोई हमेशा उसकी बात सुनने और उसका साथ देने के लिए मौजूद है। बच्चे के भीतर यह भरोसा होना चाहिए कि अगर वह असफल भी हो जाए, गलती भी कर दे या किसी कठिन दौर से गुजरे, तब भी उसके माता-पिता उसे प्यार करना और उसका साथ देना नहीं छोड़ेंगे। बिना शर्त और गैर-आलोचनात्मक समर्थन बच्चों को लंबे समय तक चिंता से बचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है।

सलाह- जब माता-पिता शुरुआती संकेतों को समय पर पहचानते हैं, बच्चे की भावनाओं को महत्व देते हैं और घर में खुला व संवेदनशील संवाद बनाए रखते हैं, तो बच्चे को सही समय पर मदद मिल पाती है और उसका भावनात्मक विकास बेहतर होता है। माता-पिता बच्चों की मदद खुली बातचीत करके, तुलना से बचकर, बिना संरचना वाले खेल (द्बद्वद्र क्ष्द्यड्ढ4) को बढ़ावा देकर और स्क्रीन टाइम सीमित करके कर सकते हैं। गहरी सांस लेने का अभ्यास, चित्रकारी, कहानी सुनाना और आउटडोर खेल बच्चों को तनाव से प्राकृतिक रूप से बाहर निकलने में मदद करते हैं। यदि चिंता बच्चे की रोजमर्रा की जिंदगी, पढ़ाई, दोस्ती या नींद को प्रभावित करने लगे, तो किसी बाल मनोवैज्ञानिक से सलाह लेना बेहद फायदेमंद हो सकता है। समय पर पहचान से बच्चे भावनात्मक रूप से संतुलित व आत्मनिर्भर वयस्क बनते हैं।

बच्चे को भूख नहीं लगती तो इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं ये कारण

क्या आप उन मांओं में से हैं जो अपने बच्चे को बैठकर खाना खिलाना चाहती हैं लेकिन बच्चा मात्र एक से दो कौर खाकर ही भाग जाता है। उसका खाने का मन नहीं होता या फिर जब वो चार से पांच साल का हो जाता है तो अक्सर बोलता है कि उसे भूख नही है। अगर आप भी बच्चे के भूख ना लगने की वजह से परेशान रहती हैं तो केवल भूख बढ़ाने की लेने से पहले उसके कारण को जानना जरूरी है। जैसे बच्चों के डॉक्टर ने बच्चों के भूख ना लगने के लिए जिम्मेदार ये 5 कारण शेयर किए हैं।

बच्चे के पेट में कीड़े

बच्चे के पेट में कीड़े होंगे तो बच्चे को भूख नहीं लगेगी। एक साल से ऊपर के बच्चों को हर 6 महीने पर डिवॉर्मिंग करानी जरूरी होती है। जिससे बच्चे के पेट में कीड़े ना पनपने पाएं।

बच्चे को कब्ज है

बच्चे को कब्ज है और उसका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा। तो भी बच्चा खाना कम खाएगा या उसे भूख महसूस नहीं होगी। ऐसे में बच्चे को पानी ज्यादा से ज्यादा पिलाएं और फाइबर रिच फूड्स खिलाएं। जिससे बच्चे की कब्ज की समस्या हल हो और उसको भूख लगे। डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे को पीच, प्लम, प्रून्स और पियर जैसे फ्रूट खाने को दें।

बच्चे को अगर डायरिया हुआ

बच्चे को अगर डायरिया हुआ है या फिर हो चुका है। तो थोड़े दिन तक बच्चे को भूख कम लगती है। ऐसे में दूध की बजाय बच्चे को दही खिलाएं। ओआरएस का घोल पिलाएं क्योंकि डायरिया होने के बाद बच्चे की भूख को वापस लौटने में कम से कम 10-15 दिन का समय लग जाता है।

मुंह में छाले

कई बार बच्चे के खाना ना खाने की वजह मुंह में छाले होते हैं। अगर मुंह में छाले हैं तो उसे विटामिन बी काम्प्लेक्स की कमी होती है। वहीं अगर बच्चे की जीभ सफेद दिख रही है तो ऐसा मुंह में फंगल इंफेक्शन की वजह से होता है।

बच्चों में एनीमिया

बच्चों में भूख ना लगने की वजह कई बार खून की कमी होती है। आयरन की कमी पूरी करने से बच्चे को भूख लगती है, इम्यूनिटी डेवलप होती है और साथ ही ब्रेन डेवलपमेंट भी होता है। इसलिए बच्चे को छह महीने के बाद जब फूड्स खिलाना हो तो आयरन रिच फूड्स को जरूर शामिल करें और साथ ही आयरन के सप्लीमेंट्स भी जरूर दें।

गैजेट्स की लत और बिगड़ता स्कूल शेड्यूल छीन रहा है आपके बच्चे की नींद

बच्चों के शारीरिक और दिमागी विकास के लिए अच्छा भोजन ही नहीं बल्कि अच्छी नींद भी बेहद जरूरी होती है। लेकिन आजकल स्कूल के अनियमित समय, लंबे स्टडी ऑवर्स और मोबाइल, टैबलेट व गेमिंग डिवाइसेज पर बढ़ती निर्भरता के कारण बच्चों में नींद से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। मधुकर रेनबो चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मेधा कहती हैं कि आज बच्चों में अनिद्रा और बेचैन नींद जैसी स्लीप डिसऑर्डर्स आम देखे जा रहे हैं, जिनके पीछे दो बड़े आधुनिक कारण हैं-स्कूल का अनियमित समय और गैजेट्स का अत्यधिक इस्तेमाल। खासकर किशोर उम्र के बच्चों में बॉडी क्लॉक स्वाभाविक रूप से थोड़ा देर से सोने की होती है, लेकिन जल्दी स्कूल शुरू होने के कारण उन्हें पर्याप्त आराम मिलने से पहले ही उठना पड़ता है। जिससे पूरे हफ्ते बच्चे की नींद पूरी नहीं हो पाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि वीकेंड पर बच्चे देर तक जागते हैं और नींद पूरी करने के लिए फिर देर से उठते हैं, जिससे 'सोशल जेटलैग' नाम की स्थिति बनती है। यह शरीर की प्राकृतिक सर्केडियन रिदम को और बिगाड़ देती है। इस समस्या को और बढ़ाने में सोने से ठीक पहले मोबाइल और टैबलेट जैसे गैजेट्स का इस्तेमाल मदद करता है। इनसे निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्राव को रोक देती है, जो नींद शुरू होने का संकेत देता है।

बच्चे की नींद की गुणवत्ता खराब करते हैं ये 2 कारण

देर तक स्क्रीन देखने की लत

स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन नाम के हार्मोन को दबा देती है, जो शरीर को सोने के लिए तैयार करता है। जो बच्चे रात में देर तक स्क्रीन देखते हैं, उन्हें नींद आने में ज्यादा समय लगता है और उनकी नींद की गुणवत्ता भी खराब होती है। इसके अलावा अगर स्कूल का समय बहुत जल्दी हो, तो बच्चों को लगातार नींद की कमी का सामना करना पड़ता है।

अनियमित दिनचर्या

बच्चे की नींद पूरी ना होने के पीछे अनियमित दिनचर्या भी एक बड़ा कारण है। जब बच्चे हर दिन अलग-अलग समय पर सोते और उठते हैं, तो उनकी बॉडी क्लॉक कन्फ्यूज हो जाती है, जिससे हेल्दी स्लीप पैटर्न नहीं बन पाता है।

बच्चे की नींद पूरी ना होने के नुकसान

नींद पूरी ना होने के पीछे कारण चाहे जो भी हो, लेकिन बच्चों की याददाश्त, ध्यान लगाने की क्षमता, सीखने की शक्ति, भावनात्मक संतुलन और इम्यूनिटी पर बुरा असर डालता है। नतीजा, बच्चे ज्यादा चिड़चिड़े, बेचैन, घबराए हुए या हाइपरएक्टिव दिखाई दे सकते हैं। लंबे समय तक नींद की कमी मोटापा, हार्मोनल गड़बड़ी और पढ़ाई में कमजोर प्रदर्शन का कारण भी बन सकती है।

डॉक्टर की सलाह

डॉक्टर सलाह देते है कि कुछ आसान आदतें बच्चों की नींद में सुधार कर सकती हैं जैसे रोजाना एक तय समय पर ही सोने की आदत डालना, सोने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करना, शाम के समय तेज लाइट से बचना, कैफीन और मीठे ड्रिंक्स का सीमित सेवन और सोने से पहले किताब पढ़ने जैसी शांत गतिविधियां अपनाना। अच्छी नींद लेने वाला बच्चा ज्यादा ध्यान केंद्रित कर पाता है, भावनात्मक रूप से संतुलित रहता है और कुल मिलाकर ज्यादा स्वस्थ होता है।

बच्चे ने नींद में उल्टी कर दी तो फौरन क्या करना चाहिए?

छोटे बच्चे जो कुछ महीने पहले ही पैदा हुए हैं। कई बार नींद में या फिर लेटे रहकर उल्टी कर देते हैं। ऐसे में पैरेंट्स को पता होना चाहिए कि फौरन क्या किया जाए? कई बार बच्चे के उल्टी कर देने पर अगर सही तरीके से साफ-सफाई ना की जाए। बच्चे पर पूरी तरह से ध्यान ना दिया जाए तो उल्टी बच्चे की नाक में फंस जाती है। जिसकी वजह से बच्चे को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर दीपा अग्रवाल ने नवजात बेबी के आफ्टर वोमिट केयर को शेयर किया है। जिसमे बताया है कि आखिर किस तरह की देखभाल बच्चे के उल्टी करने के बाद जरूरी है।

बच्चे ने नींद में उल्टी कर दी तो पहले क्या करें?

बच्चा छोटा है और नींद में या सोते वक्त उल्टी कर दे तो सबसे पहले बच्चे को करवट करना जरूरी है। जिससे बच्चे के नाक में उल्टी के अंश ना फंस जाएं। बच्चा अगर बिल्कुल सीधा लेटा होगा तो उल्टी के अंश उसकी सांस की नली में जाकर ब्लॉकेज बना सकते हैं। जिससे बच्चे को सांस लेने मे परेशानी हो सकती है।

नाक को करें साफ

बच्चे ने सोते वक्त या लेटे रहने के दौरान उल्टी कर दी है और बच्चा काफी छोटा है तो सबसे पहले उसकी नाक को साफ करें। जो भी गंदगी लगी है उसे किसी साफ कपड़े या टिशू से साफ कर दें।

मुंह से उल्टी साफ करने का तरीका

छोटे बच्चे अक्सर उल्टी तो कर देते हैं लेकिन कुछ उल्टी के अंश मुंह में ही रह जाता है। जिसे साफ करना जरूरी होता है। इसलिए डॉक्टर ने बताया कि हाथ अगर साफ हो तो मुंह में उंगली को डालकर मुंह से उल्टी के अंश को बाहर निकाल देना चाहिए। और, अगर लग रहा है कि हाथ साफ नही है तो उंगली पर एक छोटा कपड़ा फंसा लें। जिससे पूरा मुंह साफ हो जाए।

इंदौर में निर्णायक जंग, भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का फाइनल मुकाबला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पहले दो मुकाबलों में दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। अब तीसरा और अंतिम वनडे रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां सीरीज का विजेता तय होगा। दोनों ही टीमें मुकाबले के लिए इंदौर पहुंच चुकी हैं और अहम मैच से पहले तैयारियों में जुट गई हैं।

सीरीज का पहला वनडे वडोदरा में खेला गया था, जहां भारत ने 4 विकेट से जीत दर्ज कर मजबूत शुरुआत की। हालांकि दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने शानदार वापसी करते हुए राजकोट में 7 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने सीरीज को बराबरी पर ला दिया और निर्णायक मुकाबले की जमीन तैयार कर दी। दूसरे मैच में डैरिल मिशेल का प्रदर्शन न्यूजीलैंड की जीत का सबसे बड़ा आधार रहा। उन्होंने नाबाद 131 रन की बेहतरीन पारी खेली और विल यंग के साथ 162 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे 285 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान हो गया। भारतीय टीम के लिए अब सबसे बड़ी चिंता बल्लेबाजों का निरंतर प्रदर्शन रहा है। अब तक बल्लेबाजी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी है, ऐसे में निर्णायक मुकाबले में टॉप और मिडिल ऑर्डर से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा होगी। दूसरी ओर गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, भी सवालों के घेरे में है। घरेलू मैदान पर भारतीय स्पिन गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। दूसरे वनडे में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा महंगे साबित हुए। कुलदीप ने 10 ओवर में 82 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि जडेजा ने आठ ओवर में 44 रन खर्च किए। दोनों ने मिलकर 18 ओवर में 126 रन लुटाए, जो टीम के लिए भारी पड़ा। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के डेब्यू स्पिनर जेडन लेनॉक्स ने भारतीय बल्लेबाजों पर अच्छा नियंत्रण दिखाया। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन

देकर एक विकेट लिया और मध्यक्रम को बांधे रखा। न्यूजीलैंड की इस जीत ने एक बार फिर उस समस्या को उजागर किया है, जिससे भारत पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में जूझ रहा है, जहां मेहमान टीम के स्पिनर भारतीय स्पिन आक्रमण के मुकाबले अधिक प्रभावी नजर आ रहे हैं। इंदौर का होलकर स्टेडियम बल्लेबाजों के लिए जाना जाता है। छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के कारण यहां बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बल्लेबाजों पर एक बार फिर निगाहें रहेंगी। शुक्रवार को दोनों टीमों ने नेट अभ्यास किया, जहां खिलाड़ियों ने पिच और परिस्थितियों को परखा। अब देखना दिलचस्प होगा कि निर्णायक मुकाबले में कौन सी टीम दबाव में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज अपने नाम करती है।

टीम इस प्रकार है

भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल

न्यूजीलैंड की वनडे टीम

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

ओलंपिक हीरो विजेंदर एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद (एशियन बॉक्सिंग काउंसिल) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह उपलब्धि एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने की दिशा में उनके सफर का एक और अहम पड़ाव मानी जा रही है।

विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं और उनके पास एमेच्योर व पेशेवर मुक्केबाजी–दोनों स्तरों पर करीब दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की गहरी समझ और पूरे एशियाई महाद्वीप में मुक्केबाजी के विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विजेंदर बोले - यह मेरे लिए सम्मान की बात

अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए विजेंदर सिंह ने कहा, 'एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। यह जिम्मेदारी मुझे सौंपने के लिए मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से इस भूमिका को निभाऊंगा। जिस तरह हमने बीजिंग ओलंपिक में इतिहास रचा, उसी तरह मैं एशिया में मुक्केबाजी के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मेरा विशेष फोकस भारतीय मुक्केबाजों पर रहेगा, ताकि भविष्य में हमारे खिलाड़ी और अधिक सफलता हासिल कर सकें।'

एशियाई मुक्केबाजी परिषद की अहम भूमिका

एशियाई मुक्केबाजी परिषद पूरे क्षेत्र में खेल के प्रतिस्पर्धी ढांचे और विकासात्मक योजनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में विजेंदर जैसे अनुभवी खिलाड़ी की मौजूदगी परिषद को तकनीकी और रणनीतिक रूप से मजबूत करने में मदद करेगी।

विजेंदर का सुनहरा खेल करियर

विजेंदर सिंह भारत की सबसे चर्चित और सफल खेल हस्तियों में से एक हैं। 2008 बीजिंग ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक, इसके बाद पेशेवर मुक्केबाजी में भी प्रभावशाली सफलता, उनकी यह नई भूमिका भारतीय मुक्केबाजी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।

महिला क्रिकेट में कई सुधारों की जरुरत : सोफी डिवाइन

नवी मुम्बई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) के लिए भारत आयीं न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा है कि आजकज जिस तेजी से महिला क्रिकेट बदल रहा है। उसको देखते हुए उसमें कई सुधार किये जाने की जरुरत है। सोफी के अनुसार फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार में बदलाव किये जाने की जरुरत है। इस ऑलराउंडर का मानना है कि वर्तमान नियमों से खेल में बल्लेबाज हावी हो रहे हैं। वहीं गेंदबाजों को परेशानी हो रही है। ऐसे में खेल में गेंद और बल्ले के बीच बराबरी के लिए इनमें संतुलन बनाना जरुरी है। अभी महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान अंदरुनी घेरे के बाहर केवल चार फील्डर रखने का नियम है। यह इसलिए लगाया गया है जिससे की अधिक बाउंड्री लगें और रन बने पर सोफी का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की बड़े शॉट खेलने की क्षमता जिस तेजी से बढ़ी है। उसे देखते हुए घेरे के बाहर बाहर पांच फील्डर रखने की दिया जाना चाहिये।

साथ ही उन्होंने छोटी बाउंड्री पर भी सवाल उठाये और कहा कि लीग में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है। इस छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों से गेंदबाजों के लिए रन रोकान कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास अवसर कम हो जाते है और हल्की सी गलत से भी आसानी से बाउंड्री लग जाती है। डिवाइन ने स्वीकार किया कि आज के खेल में बल्लेबाजों की ताकत और आक्रामकता बढ़ी है पर इससे खेल एकतरफा हो रहा है। उनके अनुसार अगर गेंदबाजों को मुकाबले में बनाए रखना है तो फील्डिंग सेटअप और बाउंड्री के आकार पर फिर से विचार करना होगा। गुजरात टाइटंस से खेल रही सोफी ने इस सत्र में जबरदस्त खेल दिखाया है। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन और विकेट लेने वालों में शामिल हैं।

टी20 में डेविड वॉर्नर का नया कीर्तिमान, शतकों के मामले में विराट कोहली को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ धमाकेदार शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में अपने शतकों की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इसके साथ ही वॉर्नर ने इस फॉर्मेट में भारतीय स्टार विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया और सबसे ज्यादा टी20 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। इस मुकाबले में डेविड वॉर्नर ने दबाव भरी स्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। टीम के लगातार विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने एक छोर संभाले रखा और रनों की गति को भी बनाए रखा। वॉर्नर ने सिर्फ 65 गेंदों में 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें दमदार शॉट्स के साथ अनुभव और संयम का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला। उनकी इस शतकीय पारी की बदौलत सिडनी थंडर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 189 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टी20 क्रिकेट में यह डेविड वॉर्नर का 10वां शतक रहा। इस आंकड़े के साथ उन्होंने विराट कोहली के 9 टी20 शतकों को पीछे छोड़ दिया। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 22 शतक लगाए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम हैं, जिनके नाम 11 शतक दर्ज हैं। वॉर्नर अब 10 शतकों के साथ तीसरे, जबकि कोहली 9 शतकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। बिग बैश लीग की बात करें तो वॉर्नर के नाम अब तीन शतक दर्ज हो चुके हैं। इसके साथ ही वह बीबीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में बेन मैकडरमॉट और स्टीव स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। खास बात यह भी है कि वॉर्नर का यह शतक बीबीएल के मौजूदा सीजन का आठवां शतक था। इससे पहले किसी एक सीजन में बल्लेबाजों द्वारा इतने शतक नहीं लगाए गए थे, जिससे यह सीजन रिकॉर्डतोड़ साबित हो रहा है।

अगर टी20 करियर के आंकड़ों की तुलना की जाए तो विराट कोहली

और डेविड वॉर्नर दोनों ही इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। कोहली ने 414 टी20 मैचों में 41.92 की औसत से 13,543 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 105 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं वॉर्नर ने 431 टी20 मैचों में 36.82 की औसत से 13,918 रन बनाए हैं और उनके नाम 10 शतक तथा 115 अर्धशतक दर्ज हैं।

कोच को नेमार के विश्वकप फुटबॉल तक फिट होने की उम्मीद

साओ पाउलो । ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार आजकल घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। टीम प्रबंधन और कोच कार्लो एंसेलोटी को उनके अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है। नेमार के क्लब सैंटोस ने ककहा है कि उनकी सर्जरी गंभीर नहीं थी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा। वहीं नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही। वहीं ब्राजील के कोच

कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं। वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे। वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है। इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं।

एशेज चयन पर रिकी पोंटिंग ने उठाए सवाल, ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज करने पर जताई हैरानी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने एशेज सीरीज के दौरान टीम चयन को लेकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। पोंटिंग का कहना है कि वह अब तक यह समझ नहीं पाए हैं कि शानदार फॉर्म में चल रहे ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज कर विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को प्राथमिकता क्यों दी गई। उनके मुताबिक यह फैसला न सिर्फ चौंकाने वाला था, बल्कि टीम संतुलन के लिहाज से भी पूरी तरह तार्किक नहीं लगता। पोंटिंग ने कहा कि ब्यू वेबस्टर ने अपने छोटे से टेस्ट करियर में ही यह साबित कर दिया है कि वह बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में टेस्ट डेब्यू करते हुए मैच जिताने वाला योगदान दिया था। इसके बावजूद नवंबर में पर्थ में खेले गए एशेज के पहले टेस्ट में उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया। उनकी जगह कैमरन ग्रीन को खिलाया गया, जबकि ब्रिस्बेन और एडिलेड में हुए अगले दो टेस्ट मैचों में भी वेबस्टर को बाहर ही रखा गया। इन मुकाबलों में चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया, जिन्होंने नंबर सात पर बल्लेबाजी करते हुए क्रमश: 23, 32 और 10 रन बनाए। पोंटिंग के अनुसार यह चयन कई मायनों में हैरान करने वाला था, क्योंकि वेबस्टर न केवल बल्लेबाजी में भरोसेमंद विकल्प हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी से भी टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। एक बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि वह जानते हैं कि चयनकर्ता आज के दौर में आंकड़ों और डेटा को काफी महत्व देते हैं और संभव है कि कुछ मेट्रिक्स में इंग्लिस आगे रहे हों, लेकिन फिर भी यह फैसला उन्हें समझ से परे लगता है। पोंटिंग का मानना है कि वेबस्टर भले ही बहुत आकर्षक या स्टाइलिश खिलाड़ी न हों, लेकिन वे हालात को बखूबी समझते हैं और टीम की जरूरत के अनुसार योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उस्मान ख्वाजा की अनुपस्थिति में भविष्य में नंबर पांच पर वेबस्टर के लिए एक मजबूत अवसर बन सकता है। उधर, ब्यू वेबस्टर ने भी एशेज के शुरुआती चार टेस्ट मैचों में मौका न मिलने पर अपनी निराशा जाहिर की थी। हालांकि नए साल में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उन्हें आखिरकार खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने नाबाद 71 रन की अहम पारी खेली।

अजिंक्य रहाणे निजी कारणों से रणजी ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलते नहीं नजर आएंगे। रहाणे ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को जानकारी दी है कि वे निजी कारणों से इस सीजन के बचे हुए दो लीग मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। मुंबई अपनी अगली दो लीग मुकाबलों में पहला हैदराबाद के खिलाफ 22 से 25 जनवरी तक और दूसरा दिल्ली के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी तक एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेलेगी।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने स्पष्ट किया है कि वे इस सीजन के बाकी रेड-बॉल मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम का हैदराबाद मैच के लिए ऐलान किया जाना है। रहाणे पिछले दो सीज़न से मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन जुलाई 2023 के बाद से भारत के लिए खेलते नहीं दिखे। इस रणजी सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा है, उन्होंने चार मैचों में केवल एक शतक बनाया। 37 वर्षीय रहाणे आगामी आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा होंगे। इससे पहले उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी छोड़ दी थी और शार्दुल ठाकुर को नया कप्तान बनाया गया था। कप्तानी छोड़ने के बावजूद रहाणे ने बतौर खिलाड़ी टीम में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई थी।

रणजी ट्रॉफी की वर्तमान पॉइंट्स टेबल में मुंबई ग्रुप डी में पांच मैचों में तीन जीत और दो ड्रॉ के साथ 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब टीम के दो लीग मैच बाकी हैं, जिनमें रहाणे की अनुपस्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उन्होंने 85 टेस्ट में कुल 5077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भी खेले थे, जिसमें उन्होंने दो पारियों में कुल 135 रन बनाए थे। हालांकि, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हराकर जीत हासिल की थी। रहाणे की अनुपस्थिति में मुंबई की टीम के लिए युवा

खिलाड़ियों को मौके मिल सकते हैं और टीम प्रबंधन को बचे हुए लीग मैचों में रणनीति बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

टी20 टीम में श्रेयस अय्यर की अचानक वापसी: बीसीसीआई के फैसले के पीछे ये तीन बड़ी वजहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में कुछ अहम बदलावों का ऐलान किया। चोट के कारण वॉशिंगटन सुंदर पूरे सीरीज से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा तिलक वर्मा सर्जरी के चलते शुरुआती तीन टी20 मुकाबले नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उनकी जगह श्रेयस अय्यर को पहले तीन मैचों के लिए स्क्वॉड में शामिल करने का फैसला किया है। श्रेयस अय्यर की यह वापसी कई लोगों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20

मैच साल 2023 में खेला था।

दरअसल, श्रेयस अय्यर की वापसी के पीछे पहला बड़ा कारण उनका नेतृत्व कौशल माना जा रहा है। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट अब अय्यर को भविष्य के लीडर के तौर पर देख रहे हैं। उन्हें हाल ही में वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया है और आईपीएल व घरेलू क्रिकेट में कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड काफी प्रभावशाली रहा है। मौजूदा समय में टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि उप-कप्तान अक्षर पटेल हैं। सूर्यकुमार यादव की उम्र 35 साल है और आगामी टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत नए नेतृत्व विकल्पों की ओर बढ़ सकता है। ऐसे में श्रेयस अय्यर एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरते नजर आ रहे हैं।

दूसरा अहम कारण तिलक वर्मा की गैरमौजूदगी से मिडिल ऑर्डर में पैदा हुआ खालीपन है। तिलक के बाहर होने से भारत के मध्यक्रम पर असर पड़ सकता था, जिसे संतुलित करने के लिए श्रेयस अय्यर को चुना गया। अय्यर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के अनुभवी खिलाड़ी हैं और नंबर तीन व चार पर खेलने का उन्हें लंबा अनुभव है। वह तिलक वर्मा के लाइक-टू-लाइक रिप्लेसमेंट साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, यदि किसी वजह से तिलक वर्मा टी20 वर्ल्ड कप तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते, तो अय्यर को उनके बैकअप के तौर पर तैयार किया जा सकता है।

तीसरा और सबसे अहम कारण श्रेयस अय्यर की मौजूदा शानदार फॉर्म है। चाहे वनडे हो या टी20, वह लगातार रन बना रहे हैं। घरेलू क्रिकेट से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। आईपीएल 2025 में भी अय्यर बेहतरीन लय में नजर आए थे, जहां उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने उस सीजन में 50 से अधिक की औसत से 604 रन बनाए थे।

विश्व कप हॉकी में भारतीय टीम से मिलेगी कड़ी टक्कर : डोरेन

कोपनहेगन । बेल्जियम के अनुभवी हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है और वह 2026 में होने वाले विश्व कप में विरोधी टीमों को कड़ी टक्कर देगी। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है। डोरेन ने कहा, 'भारत को जीत बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है। डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके

पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा। डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

छह साल बाद रॉड लेवर एरिना में लौटे रोजर फेडरर, कैस्पर रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी प्रतिस्पर्धी उपस्थिति के करीब छह साल बाद स्विस टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर एक बार फिर मेलबर्न के प्रतिष्ठित कोर्ट पर नजर आए। फेडरर ने रॉड लेवर एरिना में नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन किया। यह 2020 के बाद पहली बार था, जब फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान इस ऐतिहासिक कोर्ट पर उतरे। हालांकि उन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनकी मौजूदगी ने दर्शकों और टेनिस प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। फेडरर और कैस्पर रूड का आमना-सामना करियर में सिर्फ एक बार हुआ है। दोनों के बीच एकमात्र मुकाबला 2019 में फ्रेंच ओपन के चौथे राउंड में खेला गया था, जहां फेडरर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी। अब वर्षों बाद दोनों खिलाड़ियों का साथ अभ्यास करना टेनिस जगत के लिए एक

खास पल बन गया। 44 वर्षीय फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह खिताब मेलबर्न में ही जीते हैं। इस टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 का शानदार रहा है। फेडरर ने आखिरी बार 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन खेला था, जहां सेमीफाइनल में उन्हें अंततः चैंपियन बने नोवाक जोकोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद चोटों और फिटनेस समस्याओं के चलते वह धीरे-धीरे प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर होते चले गए। फेडरर रॉड लेवर एरिना में एक विशेष प्रदर्शनी मैच का भी हिस्सा बनेंगे, जो टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी मुकाबले में उनके साथ आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट जैसे पूर्व एटीपी नंबर-1 खिलाड़ी भी शामिल होंगे। फेडरर की यह वापसी भले ही प्रतिस्पर्धी न हो, लेकिन टेनिस प्रेमियों के लिए यह यादगार पल साबित हो रहा है।

आईपीएल विवाद के बाद अब अंडर 19 विश्व कप में तल्खी, भारत - बांग्लादेश के कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत और बांग्लादेश के बीच टॉस के दौरान पारंपरिक हाथ मिलाने की रस्म नहीं हुई। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे टॉस के लिए आए और बांग्लादेश की ओर से उप-कप्तान ज़ावाद अबरार उपस्थित थे। आईसीसी अंडर 19 विश्व कप में भारत का यह दूसरा मैच है, जबकि बांग्लादेश का यह पहला मैच है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर भारत और बांग्लादेश के संबंधों में कुछ तनाव है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपने मैच भारत से बाहर आयोजित करने का आग्रह किया है। यह अनुरोध तब आया जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की टीम से बाहर करने को कहा था, और यह कदम बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों के बीच उठाया गया था।

आईसीसी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए स्वतंत्र जोखिम आकलन से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित टी20 विश्व कप मैच नहीं खेल सकता। सूत्रों ने बताया कि भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को निम्न से मध्यम श्रेणी का माना गया है, जो कई प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों के अनुरूप है।

सूत्रों ने कहा कि स्वतंत्र जोखिम आकलन में बांग्लादेश टीम, उसके अधिकारियों या भारत में मैच स्थलों के लिए किसी विशिष्ट या प्रत्यक्ष खतरे की पहचान नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि प्राप्त पेशेवर सलाह के आधार पर, कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश के निर्धारित मैचों से जुड़ा जोखिम निम्न से मध्यम श्रेणी का है, और ऐसे किसी जोखिम का कोई संकेत नहीं है जिसे स्थापित सुरक्षा योजना और शमन उपायों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि आईसीसी हाल के दिनों में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी के संबंध में की गई सार्वजनिक टिप्पणियों से अवगत है, जिसमें आईसीसी के सुरक्षा जोखिम आकलन का चुनिंदा उल्लेख भी शामिल है।

करनाल नेशनल हाइवे पर घने कोहरे के चलते टकराए कई वाहन, ट्रैफिक हुआ जाम

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर घने कोहरे के चलते बड़ा सड़क हादसा हो गया। मधुबन से लेकर बसताडा टोल प्लाजा के बीच अलग-अलग स्थानों पर कई बड़े और छोटे वाहन आपस में टकरा गए, जिससे हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया, जिसके चलते वाहनों को सर्विस लेन से निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से हाईवे से हटाया गया। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सुबह के वक्त हुआ जब इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था और विजिबिलिटी बेहद कम थी। इस कारण वाहन चालकों को आगे का रास्ता साफ नजर नहीं आया और एक के बाद एक कई वाहन टकराते चले गए। थाना मधुबन के इंचार्ज ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि नेशनल हाईवे पर तीन-चार अलग-अलग जगहों पर वाहन आपस में टकरा गए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सभी हादसे कोहरे के कारण हुए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे में जो लोग घायल हुए थे, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से सड़क से हटाकर ट्रैफिक को सुचारू कराया गया। हादसे में फंसे वाहन चालकों ने भी कोहरे को हादसे की वजह बताया है। एक वाहन चालक ने कहा कि जैसे ही वह नेशनल हाइवे पर चढ़े, कोहरा इतना घना था कि कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। अचानक एक बस ने ब्रेक लगा दिए और उसके पीछे चल रहे वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। करीब एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां टकरा गईं। चालक ने बताया कि वह यमुनानगर से दिल्ली जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। निजी बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

पंजाब में दो किशोरों की संदिग्ध मौत, परिवार ने जताई हत्या की आशंका

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर के भोगपुर क्षेत्र में 17 वर्षीय अर्शप्रीत सिंह और उसके मित्र गोपेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। दोनों किशोर 13 जनवरी (लोहड़ी की रात) घर से बाइक पर निकले थे और अचानक लापता हो गए। उनके शव बहराम श्रेष्ठा रोड के पास एक लिंक सड़क पर पड़े हुए पाए गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित किया। अर्शप्रीत के चाचा का कहना है कि ह केवल सड़क हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश हो सकती है। भोगपुर पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर सड़क हादसा दर्ज किया था। हालांकि परिजनों की आपत्ति और हत्या के संदेह के चलते पुलिस अब सीडीआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मदद से मामले की गहन जांच कर रही है। अर्शप्रीत के पिता वर्तमान में लेबनान में कार्यरत हैं, इसलिए अंतिम संस्कार उनके आने के बाद किया जाएगा। घर में माता मंजीत कौर और भाई-बहन अत्यंत दु:खी हैं। दोनों किशोर पड़ोसी गांवों गिलड़ा और पुदिया के रहने वाले थे और गहरे दोस्त थे।

पंजाबी सिंगर बी प्राक को जान से मारने की धमकी

जालंधर (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर बी प्राक को जानलेवा धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने 10 करोड़ रुपए की भारी भरकम फिरौती की मांग की और कहा कि अगर एक हफ्ते में पैसे नहीं दिए गए तो बी प्राक को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। यह धमकी सीधे बी प्राक को नहीं बल्कि उनके करीबी दोस्त और पंजाबी सिंगर दिलनूर बबलू के माध्यम से दी गई। दिलनूर बबलू ने हाल ही में मोहाली की वन राइज सोसाइटी, सेक्टर 99 से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार उन्हें एक विदेशी नंबर से दो मिस्ड कॉल आए। अगले दिन उसी नंबर से कॉल आई, जिसे उन्होंने उठाया नहीं। इसके बाद एक वॉयस मैसेज आया, जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को आरजू बिश्नोई बताया। वॉयस मैसेज में कहा गया कि बी प्राक को 10 करोड़ रुपए का इंतजाम करना होगा। धमकी देने वाले ने चेतावनी दी कि चाहे वे किसी भी देश में जाएं, अगर उनके साथ नहीं चले तो उन्हें मिट्टी में मिला दिया जाएगा। दिलनूर ने बताया कि वे और बी प्राक अक्सर शोज और शूटिंग के लिए बाहर जाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा खतरे में है। आरजू बिश्नोई को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य माना जाता है। इस गैंग पर पहले भी सेलिब्रिटीज और कारोबारियों को निशाना बनाने का आरोप है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। दिलनूर ने स्क्रीनशॉट और वॉयस रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपकर सुरक्षा की मांग की है।

कुपवाड़ा पुलिस ने महिला ड्रग पेडलर को 2.3 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा

कुपवाड़ा (एजेंसी)। कुपवाड़ा पुलिस ने वार ऑन ड्रग्स अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। शुक्रवार को गुलगाम क्षेत्र के मगराय मोहल्ला के पास नाका, चेकिंग के दौरान वाहन संख्या जेके09सी-1178 को रोका गया। पुलिस टीम ने वाहन में सवार एक महिला यात्री के हाव-भाव संदिग्ध पाए। इसी दौरान वाहन चालक और दो अन्य सवार मौके से फरार हो गए। पुलिस ने महिला की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 2.3 किलोग्राम हेरोइन जैसी मादक पदार्थ बरामद की। मौके पर ही महिला को हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह मादक पदार्थ तस्करी के बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। इस संबंध में कुपवाड़ा पुलिस थाना में एफआईआर संख्या 13/2026 दर्ज की गई है, जिसमें एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 शामिल है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और मामले की गहन जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरे राज्य में ड्रग तस्करों और ड्रग पेडलर्स के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रही है। इसके तहत पुलिस गैर-कानूनी गतिविधियों से उत्पन्न धन से बनाई गई संपत्तियों को भी अटैच करती है। ऐसी संपत्तियों को अटैच करने के लिए अदालत से आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाती है।

सिलेंडर विस्फोट से झुलसे पांच मजदूरों की इलाज के दौरान मौत, सभी यूपी के रहने वाले

दौंड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दौंड में 7 जनवरी को हुए गैस सिलेंडर विस्फोट मामले में पांच की मौत हुई है। बता दें दौंड पाट्स रोड पर गिरिम की सीमा में स्थित एक होटल में हुए इस भीषण हादसे में 12 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। इनमें से छह मजदूरों को गंभीर हालत में पुणे के अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान पांच मजदूरों ने दम तोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर ने मृतकों के नामों की आधिकारिक पुष्टि की है।

भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है: भागवत

भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होगा, तो हिंदुओं से पूछा जाएगा

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होगा, तो हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा। क्योंकि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है। इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। भागवत ने यह बात गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि युवाओं का योगदान देश की प्रगति और भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। संघ न तो किसी का विरोध करता है और न ही किसी से प्रतिस्पर्धा में है। इसका उद्देश्य केवल एक मजबूत और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करना है। उन्होंने युवाओं से इस सामूहिक प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए। इससे समानता स्थापित होगी। संघ पहल करेगा, लेकिन समुदाय को इसका नेतृत्व करना होगा।' उन्होंने कहा, 'भगवान राम ने भी रावण से बातचीत के जरिए युद्ध टालने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में हथियार उठाए। हमें भी अन्याय के खिलाफ कदम-दर-कदम लड़ना चाहिए।' आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित युवा सम्मेलन में भागवत ने युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान और कौशल प्राप्त करने के लिए विदेश जाएं, लेकिन इसे भारत के विकास में उपयोग करें। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें तो देश भी वैश्विक मंच पर इन गुणों को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व भारत से कुछ अपेक्षा रखता है और पर्याप्त शक्ति व प्रभाव होने पर देश सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा। भागवत ने कहा कि शक्ति में केवल सशस्त्र बल ही नहीं, बल्कि बुद्धि, सिद्धांत और नैतिक मूल्य भी शामिल होते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। भारतीय नीति निर्माता अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर रहे हैं, लेकिन किसी के दबाव में नहीं। हमने आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और हमें इसी मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं। हम वैश्विक परिवार की अपेक्षा रखते हैं।

कनाडा पुलिस की बिश्नोई गैंग को लेकर कौन सी रिपोर्ट... जो भारत और कनाडा में सुर्खियों में आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच पटरी पर लौट रहे रिश्तों के बीच बिश्नोई गैंग को लेकर रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। यह रिपोर्ट रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की ओर से आई है। रिपोर्ट में दावा है कि कनाडा में लॉरेंस गैंग भारत सरकार की तरफ से काम कर रही थी। अब रिपोर्ट पर

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के नेता की ओर से सफाई आई है। कनाडाई नेता ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके बाद सवाल है कि एक तरफ जहां दोनों देशों रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। तब इसतरह की रिपोर्ट को पेश करना कह तक उचित है। कनाडाई प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी ने कहा कि यह तीन पेज का ब्रीफिंग नोट निकला, और जिस पैराग्राफ का जिक्र शुरुआती रिपोर्ट में किया था, वह अक्टूबर 2024 के समय के पब्लिकली मौजूद थी। इसके बाद आरोप जिनके बारे में हमें पता था और जिनकी उस समय पूरी तरह से जांच की गई थी। एबी ने कहा कि रिपोर्ट सामने आने के बाद उनका डेलिगेशन बहुत अधिक चिंतित था और जब तक उन्हें पूरा डॉक्यूमेंट नहीं मिल गया, तब तक उन्होंने भारत में बैठक लगभग कैंसिल कर दी थीं। इस घटनाक्रम पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए, एबी ने कहा कि भारत में ट्रेड मिशन पर आने से पहले वे बहुत अधिक सावधान थे। एबी ने बताया कि उन्होंने कनाडा के नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री, कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस से ब्रीफिंग ली थी। दोनों देशों के बीच संबंधों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए फेडरल गवर्नमेंट के साथ कई बार बातचीत की थी।

77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर सुरक्षा एजेंसी अलट... आंतकियों के पोस्टर चस्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में 77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियों के बीच सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मेट्रो स्टेशनों, बस अड्डों, व्यस्त बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में खालिस्तान और अलकायदा से जुड़े संदिग्धों के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। इन पोस्टरों का उद्देश्य जनता को इन आतंकवादियों की पहचान कराने और सतर्क रहने के लिए प्रेरित करना है। अगर कोई संदिग्ध कहीं दिखाई देता है, तब तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएस) के प्रमुख अर्श डल्ला पर विशेष ध्यान दिया गया है। डल्ला पहले पंजाब में था और अब कनाडा से नेटवर्क चला रहा है। इसके अलावा खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के प्रमुख रंजीत सिंह नीता और परमजीत सिंह पम्मा के पोस्टर भी लगे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ये लोग देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाने में सक्रिय हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का फोकस जिहादी नेटवर्क पर भी है। संभल के शरजील अख्तर, आईएस मामलों में मोहम्मद रेहान और अलकायदा से जुड़े झारखंड के मोहम्मद अबू सुफियान के भी फोटो लगाए गए हैं। सुफियान ने भारत में अलकायदा नेटवर्क खड़ा किया और देश के स्लीपर सेल्स को ट्रेनिंग देता है। दिल्ली पुलिस के द्वारा जनता से अपील की गई है कि 26 जनवरी के आसपास विशेष सतर्क रहें। यह पहली बार है जब दिल्ली में संदिग्ध आतंकियों के पोस्टर इस तरह सार्वजनिक रूप से लगाए गए हैं। पूरी सुरक्षा व्यवस्था के तहत निगरानी बढ़ाई गई है ताकि कोई भी आतंकवादी गतिविधि होने से रोकी जा सके।

केजरीवाल ने आतिशी को बचाने पंजाब पुलिस का गलत इस्तेमाल कर पाप किया

दिल्ली के मंत्री बोले-विपक्ष के नेता द्वारा किए गलत काम की अब पुष्टि हो गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आप नेता आतिशी से जुड़े विवादित वीडियो क्लिप से संबंधित फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट पेश की। इस पर दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को सत्यमेव जयते कहा और दावा किया कि विधानसभा में विपक्ष के नेता द्वारा किए गए गलत काम की अब पुष्टि हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आतिशी को बचाने के लिए पंजाब पुलिस का गलत इस्तेमाल करके बड़ा पाप किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सत्यमेव जयते। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को मिली फोरेंसिक रिपोर्ट अब पब्लिक में है। आतिशी ने सदन में जो पाप किया वह अब सत्यापित हो चुका है। उन्होंने आगे लिखा- उससे बड़ा पाप केजरीवाल ने किया, गुरुओं का अपमान करने वाली आतिशी को बचाने के लिए पंजाब पुलिस का दुरुपयोग किया। सत्य को कभी प्रमाण की जरुरत नहीं होती है। आज दूध का दूध पानी का पानी हो गया। इससे पहले स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने असेंबली में एफएसएल रिपोर्ट पेश की और बताया कि वीडियो में कोई बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की गई थी।

गुप्ता ने कहा कि 8 जनवरी को दिल्ली असेंबली में, विपक्ष ने असेंबली सेशन के वीडियो फुटेज की जांच की मांग की थी, क्योंकि इसकी प्रामाणिकता को लेकर कुछ सवाल उठाए गए थे। इस मांग पर कार्रवाई करते हुए उस सेशन की रिकॉर्डिंग फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि यह उस दिन का हूबहू रिकॉर्ड है। सभी तथ्यों, नियमों और कानूनों को ध्यान में रखते हुए ऑडियो और वीडियो दोनों एफएसएल को दिए गए थे।

रिपोर्ट के नतीजों का ज़िक्र करते हुए स्पीकर ने कहा कि वीडियो की प्रामाणिकता और असलियत के बारे में, हमें एफएसएल रिपोर्ट मिल गई है। लैब ने साफ तौर पर कहा है कि वीडियो में कोई बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट साबित करती है कि गुरुओं के सम्मान और इज्जत के संबंध में, एक राजनीतिक पार्टी ने किसी तरह से सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया है और गुरुओं की गरिमा से समझौता किया है। मैं विपक्ष के नेता से आग्रह करना चाहूंगा कि वे आगे आएं और मेरे चैंबर में मुझसे मिलें। नहीं तो, आने वाले समय में इस मामले को बहुत गंभीरता से देखा जाएगा। उन्हें अपनी गलती माननी चाहिए, अपने बयान वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई की मांग की थी, जब पंजाब की एक अदालत ने उनके द्वारा सर्कुलेट किए गए एक वीडियो को फर्जी और गुमराह करने वाला घोषित कर दिया। पार्टी के मुख्य सचेतक संजीव झा ने विधानसभा स्पीकर गुप्ता को लिखे एक पत्र में कहा कि जालंधर कोर्ट ने वीडियो को सोशल मीडिया से तुरंत हटाने का आदेश दिया, जिससे यह सामने आया कि कैसे इसका इस्तेमाल आतिशी की छवि खराब करने के लिए किया गया, जिसमें उन्हें गलत तरीके से सिख गुरु साहिबों के नाम लेते हुए दिखाया गया था।

भारतीय दूतावास ने ईरान में 16 भारतीयों के हिरासत मामले के जल्द ही न्यायिक प्रक्रिया में आने की जताई उम्मीद

एजेंसी

नयी दिल्ली : ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा जहाज एमटी वैलियंट रोअर के 16 भारतीय क्रू-मेंबर्स को हिरासत में लिए जाने के मामले में ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने उम्मीद जताई है कि जल्दी ही मामला ईरान में न्यायिक प्रक्रिया के तहत आएगा। मिशन और दूतावास ईरानी अधिकारियों पर क्रू को जल्द से जल्द मिलने की इजाजत देने और न्यायिक कार्यवाही को तेजी से पूरा करने के लिए दबाव डाल रहे हैं। दूतावास ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि दिसंबर 2025 के मध्य में मिशन को ईरानी अधिकारियों से जहाज एमटी वैलियंट रोअर को हिरासत में लिए जाने की जानकारी मिली, जिसमें 16 भारतीय क्रू-मेंबर सवार थे। इसके बाद बंदर अब्बास स्थित भारतीय दूतावास ने 14 दिसंबर को ईरान सरकार को पत्र लिखकर क्रू से मिलने की अनुमति मांगी। तब से अब तक राजनयिक पत्राचार और बंदर अब्बास व तेहरान में आमने-सामने की बैठकों के माध्यम से, राजदूत स्तर तक, कई बार मिलने की अनुमति का अनुरोध किया गया है। इसके साथ ही ईरानी अधिकारियों से क्रू-मेंबर्स को भारत में अपने परिवारों से बात करने की अनुमति देने का भी आग्रह किया गया है। दूतावास ने 15 दिसंबर को जहाज की मालिक यूएई स्थित कंपनी से संपर्क किया और उसके ईरान स्थित एजेंटों के साथ समन्वय बनाए रखा। मिशन ने कंपनी पर जहाज के लिए भोजन, पानी और ईंधन की व्यवस्था करने तथा ईरानी अदालतों में क्रू के लिए कानूनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का दबाव बनाया। जहाज पर भोजन और पानी का भंडार कम होने की जानकारी मिलने पर जनवरी की शुरूआत में भारतीय मिशन ने ईरानी नौसेना से हस्तक्षेप कर आपात आपूर्ति की व्यवस्था करवाई। दुबई स्थित भारतीय दूतावास भी जहाज मालिक कंपनी पर नियमित आपूर्ति और कानूनी सहायता सुनिश्चित करने के लिए दबाव बना रहा है।

दूतावास के बयान में कहा गया है कि उम्मीद है कि जल्दी ही यह मामला ईरान में न्यायिक प्रक्रिया के तहत आएगा। हालांकि, भारतीय मिशन और दूतावास लगातार ईरानी अधिकारियों से क्रू-मेंबर्स से जल्द मुलाकात की अनुमति देने और न्यायिक कार्यवाही को शीघ्र पूरा करने का आग्रह कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ईरानी अधिकारियों ने जहाज पर 6,000 मीट्रिक टन ईंधन की तस्करी का आरोप लगाया था, जिसके बाद 8 दिसंबर 2025 को आईआरजीसी ने जहाज और उसमें सवार 16 भारतीय क्रू-मेंबर्स को हिरासत में लिया था।

घने कोहरे और कम दृश्यता के चलते कई उड़ानें प्रभावित, कंपनियों ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी भारत में घने कोहरे और कम दृश्यता के चलते हवाई यातायात पर असर पड़ रहा है। मौसम को देखते हुए एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने बताया कि लखनऊ में कम दृश्यता के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। वहीं, आकासा एयर ने नेटवर्क की कुछ फ्लाइट्स के समय में बदलाव करने की जानकारी दी है। इंडिगो एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि लखनऊ में कम विजिबिलिटी और कोहरे के कारण फ्लाइट शेड्यूल पर असर पड़ सकता है। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी उड़ान की अपडेट वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए नियमित रूप से चैक करते रहें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइन ने कहा कि हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमारी वेबसाइट या ऐप के जरिए अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करते रहें। हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद और सपोर्ट करने के लिए मौजूद हैं। हमें उम्मीद है कि मौसम जल्द ही साफ होगा और हम अपने नियमित शेड्यूल पर वापस लौटेंगे। अकासा एयर ने जानकारी दी कि उत्तरी भारत में कोहरे के कारण, हमारे नेटवर्क की कुछ फ्लाइट्स का समय बदल दिया गया है। एयरलाइन ने कहा कि हमें आपके ट्रैवल प्लान में होने वाली असुविधा के लिए बहुत खेद है और इस समय आपकी समझ के लिए हम आपकी सराहना करते हैं। आपका आराम और देखभाल हमारी प्राथमिकता है। कंपनी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मौसम की स्थिति हमारे कंट्रोल से बाहर है, लेकिन हमारी ग्राउंड पर मौजूद और अकासा केयर सेंटर की टीमें आपकी यात्रा में किसी भी बदलाव के दौरान आपकी मदद करने और सपोर्ट देने के लिए हमेशा मौजूद हैं। ताजा अपडेट के लिए, कृपया एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करें। इधर, दिल्ली एयरपोर्ट पर लो विजिबिलिटी प्रोसीजर अभी भी लागू हैं। हालांकि सभी उड़ान संचालन सामान्य रूप से जारी हैं। दिल्ली एयरपोर्ट ने एक्स पोस्ट में लिखा, लो विजिबिलिटी प्रोसीजर अभी भी जारी हैं। सभी फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य रूप से चल रहे हैं। यात्रियों को ताजा फ्लाइट अपडेट के लिए अपनी-अपनी एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन | GOVERNMENT OF JHARKHAND | National Programme for Control of Blindness

मोतियाबिन्द

मोतियाबिन्द के लक्षण, उपचार एवं रोकथाम

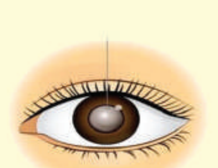

मोतियाबिन्द के लक्षण

- दृष्टि में धुंधलापन या अस्पष्टता।
- बुजुर्गों में निकट दृष्टि दोष में निरंतर बढ़ोतरी।
- रंगों को देखने की क्षमता में बदलाव, क्योंकि लेंस एक फिल्टर की तरह काम करता है।
- रात में वाहन चलाने में दिक्कत आना।
- दिन के समय आँखें चौंधियाना।
- दोहरी दृष्टि (डबल विजन)।
- चश्मे के नंबर में अचानक बदलाव आना।
- उम्र का बढ़ना।

मोतियाबिन्द का उपचार

- मोतियाबिन्द का एक मात्र उपचार ऑपरेशन है।
- इस ऑपरेशन में आँख से धुंधला लेंस निकाल दिया जाता है और कृत्रिम लेंस लगाया जाता है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन सुरक्षित एवं सरल है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन किसी भी मौसम में करवा सकते हैं।

मोतियाबिन्द की रोकथाम

- चालीस वर्ष के पश्चात नियमित रूप से आंखों की जांच कराएं।
- अपना वजन सामान्य बनाएं रखें।
- रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का सेवन कम से कम करें।

सभी सरकारी अस्पतालों में नेत्र जाँच एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है

104 | राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार | 108

PR- 370602 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902